राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 286
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
गुरुवार 28 अप्रैल 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने मोहम्मदपुर गांव का नाम बदलकर माधवपुरम का बोर्ड लगाया
पेज 5 उप्र में भूतत्व विभाग बालू और मौरंग की जगह देगा कृत्रिम बालू का विकल्प
पेज 7 दीपक खत्री के शतक से प्लेयर्स इलेवन लक्ष्मण दास छाबड़ा क्रिकेट के फाइनल में

हर राजस्थानी पर 59 हजार का कर्जा

एक साल में 7 हजार बढ़ गया कर्ज, 4.72 लाख करोड़ बढ़ा भार

एजेंसी

जयपुर। प्रदेश पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। राजस्थान सरकार पर कर्ज का आंकड़ा 4 लाख 72 हजार करोड़ रुपए को पार कर चुका है।

हर राजस्थानी पर 59 हजार रुपए का कर्ज हो चुका है। पिछले साल भर में हर व्यक्ति पर 7000 रुपए का कर्ज बढ़ चुका है। पिछले वर्ष हर राजस्थानी पर 51,888 रुपए का कर्ज था, जो इस साल 31 मार्च तक 59,261 रुपए हो चुका है।

वित्त विभाग के आधिकारिक डेटा के अनुसार गहलोत सरकार 2019 से लेकर सवा तीन साल में 1 लाख 61 हजार करोड़ का कर्ज ले चुकी है। वसुंधरा राजे की अगुवाई वाली बीजेपी सरकार ने पांच साल में 1 लाख हजार 81 हजार करोड़ का कर्ज लिया था। गहलोत सरकार सवा तीन साल में ही

कर्ज लेने के मामले में उस आंकड़े के नजदीक पहुंच गई है। राज्य सरकार हर साल 28 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का ब्याज चुका रही है।

कोरोना काल में बढ़ा कर्ज

कोरोना की दो लहर में राजस्थान सरकार ने 70 हजार करोड़ के आसपास का कर्ज लिया।

सरकार का तर्क है कि कोरोना काल में सरकार की इनकम कम हुई और उसे ज्यादा कर्ज लेना पड़ा। कर्ज भार बढ़ने का इसे बड़ा कारण बताया गया। वहीं सरकार की लोक लुभावन घोषणाओं को भी कर्ज बढ़ने का प्रमुख कारण माना जा रहा है। बीजेपी राज में कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ देने और किसान कर्ज माफी की घोषणा से सरकार पर एक्सट्रा भार आया। इस वजह से भी कर्ज बढ़ा।

ईस्टर्न कैनाल प्रोजेक्ट की लागत के बराबर तो डेढ़ साल में ब्याज चुका देती है सरकार

राजस्थान सरकार हर साल कर्ज पर 28255 करोड़ रुपए ब्याज चुका रही है।

सरकार 17 महीने में जितना ब्याज चुका रही है। वह 13 जिलों के लिए ईस्टर्न कैनाल प्रोजेक्ट की लागत के बराबर है। ईस्टर्न कैनाल 47 हजार करोड़ का प्रोजेक्ट है। 2018 में सरकार हर साल 21,490 करोड़ रुपए ब्याज चुका रही थी।

तमिलनाडु में मंदिर की रथयात्रा के दौरान हादसा

करंट से 2 बच्चों समेत 11 की मौत

तंजावुर। तमिलनाडु के तंजावुर जिले के एक मंदिर में कल सुबह रथ जुलूस के दौरान करंट लगने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि यह घटना उस समय हुई जब लोग जिस मंदिर की पालकी पर खड़े थे, वह कालीमेडु के अप्पर मंदिर में एक हाई-ट्रांसमिशन लाइन के संपर्क में आ गई।

अधिकारियों ने कहा कि मारे गए लोगों में दो बच्चे थे। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तिरुचिरापल्ली के मध्य क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक वी बालकृष्णन ने कहा, हादसे के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने एजेंसी को बताया कि किसी भी अप्रिय

घटना से बचने के लिए आम तौर पर मंदिर कार मार्ग पर बिजली लाइन बंद कर दी जाती है।

अधिकारी ने कहा, हालांकि, पालकी इतनी लंबी नहीं थी कि हाई-ट्रांसमिशन लाइन को छू सके, और इस तरह इस बार बिजली की सप्लाई बंद नहीं की गई। लेकिन ऐसा लगता है कि सजावटी संरचना के चलते पालकी की ऊंचाई बढ़ा दी गई थी, और परिणामस्वरूप, यह लाइव वायर के संपर्क में आ गई।

घटना के एक वीडियो में देखा जा सकता है कि लाइव वायर के संपर्क में आने से रथ पूरी तरह से नष्ट हो गया। गौरतलब है कि हर साल तमिलनाडु में वार्षिक रथ उत्सव में बड़ी संख्या में भक्त भाग लेते हैं।

इस दुखद हादसे के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने वित्तीय सहायता की घोषणा की है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि घटना में मारे गए 11 लोगों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी।

इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने भी परिजनों को वित्तीय सहायता की घोषणा की है। पीएम मोदी ने हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों के लिए PMNRF से 2-2 लाख रुपये की घोषणा की। वहीं घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी।

जहांगीरपुरी के बाद शाहीन बाग में चलेगा बुलडोजर

जल्द हो सकती है कार्रवाई, तीन वार्ड के लिए एमसीडी का प्लान तैयार

नई दिल्ली। दिल्ली में जहांगीरपुरी के बाद शाहीनबाग में भी बुलडोजर चलाने की तैयारी की जा रही है। दिल्ली के मेयर मुकेश सूर्यान ओखला, विष्णु गार्डन, सरिता विहार, जैतपुर, मदनपुर खादर इलाके में अतिक्रमण का सर्वे करने पहुंचे तीन वार्ड में एमसीडी जांच अभियान चला रही है। यहां जल्द ही कार्रवाई होने की संभावना है।

मेयर ने कहा कि हमने एक्शन प्लान तैयार किया गया है और आने वाले समय में हम जमीन को अवैध निर्माण से खाली करा लेंगे। एक हफ्ते पहले एमसीडी ने जहांगीरपुरी में बुलडोजर से अवैध निर्माणों को हटाया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद

से जहांगीरपुरी में एमसीडी की कार्रवाई बंद है।

बांग्लादेशी, रोहिंग्याओं की अवैध बसावट की हो रही जांच

दिल्ली के मेयर ने मंगलवार सुबह कहा था कि यमुना पर कब्जा, दरगाह-मस्जिद निर्माण और बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं की अवैध बसावट की जांच करने आए हैं।

जिन लोगों के पास कोर्ट के दस्तावेज हैं, उन पर कोर्ट के जरिए कार्रवाई होगी। बाकियों पर आज कार्रवाई हो सकती है, यानी अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चल सकता है।

20 अप्रैल को हुई थी जहांगीरपुरी में कार्रवाई

जहांगीरपुरी में हनुमान जयंती की शोभायात्रा के दौरान पत्थरबाजी और हिंसा हुई थी। हिंसा के बाद एमसीडी और प्रशासन सख्त हो गया। 20 अप्रैल को प्रशासन ने अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाया।

नगर निकाय ने अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस से 400 कर्मियों को तैनात किया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उसी दिन सुनवाई करके कार्रवाई को रोक दिया।

गाजियाबाद : वैशाली मेट्रो स्टेशन के पास कलेक्शन एजेंट से आठ लाख की लूट

ट्रांस हिंडन। गाजियाबाद में लिंक रोड थाने के पास वैशाली मेट्रो स्टेशन पर स्कूटी सवार कलेक्शन एजेंट से बाइक सवार बदमाशों ने हथियार के बल पर आठ लाख रुपये लूट लिए। वारदात के दौरान पीड़ित कलेक्शन कर कंपनी जा रहा था। पीड़ित ने वारदात की सूचना पुलिस को दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने जानकारी की, लेकिन पुलिस को कोई ठोस जानकारी नहीं मिली। पुलिस अधिकारी प्राथमिक जांच में मामले को संदिग्ध मानकर चल रहे हैं। पीड़ित ने पुलिस को वारदात के करीब आधे घंटे बाद सूचना दी थी।

नोएडा में सुनील परिवार संग रहते हैं। वह साहिबाबाद की एक निजी कंपनी में कलेक्शन एजेंट का काम करते हैं। पुलिस के मुताबिक वह बुधवार को

नोएडा से स्कूटी पर साहिबाबाद गांव जा रहे थे। उनके पास कलेक्शन के करीब आठ लाख रुपये भी थे। जैसे ही दोपहर करीब तीन बजे पीड़ित वैशाली मेट्रो के पास पहुंचा। वैसे ही बाइक सवार दो बदमाश आए। उन्होंने पीड़ित पर हथियार तान कर कलेक्शन से भरा बैग छीनने का प्रयास किया। पीड़ित के विरोध करने पर बदमाशों ने जान से मारने की धमकी देकर बैग लूट लिया। उसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए।

पीड़ित ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास बदमाशों को तलाश किया, लेकिन कोई भी सफलता नहीं मिली। पीड़ित ने लूट की शिकायत लिंकरोड थाना पुलिस से की।

करीब छह घंटे तक घुमाती रही पुलिस

पुलिस ने पीड़ित को लेकर वैशाली मेट्रो लेकर जाकर लोगों से जानकारी की, लेकिन लोगों ने घटना के बारे में कोई भी जानकारी होने से इन्कार कर दिया।

इससे पीड़ित जैसे-जैसे पुलिस को लूट के बारे में और लूट से पहले कलेक्शन लेनदेन की जानकारी देते रहा। वैसे-वैसे पुलिस पीड़ित को उन्हीं स्थानों पर घुमाती रही। हालांकि देर रात तक भी पुलिस को लूट के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी। वहीं पुलिस भी लूट को दबाने का प्रयास करती रही। लूट के बाद पीड़ित का नंबर बंद करा दिया। पुलिस अधिकारी भी शुरूआत में फोन उठाने और लूट को लेकर कुछ भी बताने से कतराते रहे।

बॉर्डर से पीछे लगे बदमाश

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि वह नोएडा से साहिबाबाद आया था। इससे साफ है कि पीड़ित बॉर्डर होते हुए ट्रांस हिंडन पहुंचा।

बदमाशों ने बॉर्डर के आसपास वैशाली मेट्रो पर मौका पाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि बदमाश पीड़ित के पीछे बॉर्डर से ही लग गए थे। इसको लेकर भी पुलिस जांच कर रही है।

गाजियाबाद में 48 घंटे में चौथी हत्या

दिल्ली के युवक की धारदार से गला रेतकर हत्या, इंदिरापुरम इलाके में झाड़ियों में मिला शव

एजेंसी

गाजियाबाद। दिल्ली से सटे जिला गाजियाबाद में 48 घंटे के भीतर चौथा मर्डर हुआ है। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में दिल्ली के एक व्यक्ति की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। गुरुवार शाम उसकी लाश कनावनी गांव स्थित पुस्ता रोड के नजदीक नाले किनारे जंगलों में मिली है। लाश से करीब पांच मीटर दूरी पर ही कुछ बिखरा हुआ था। माना जा रहा है कि वहां हत्या करके लाश को झाड़ियों में फेंका गया है। मृतक की पहचान अंकुर के रूप में हुई है। वह दिल्ली में नंदनगरी का निवासी बताया गया है। गले पर धारदार हथियार से प्रहार के निशान हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इंदिरापुरम सीओ अभय कुमार मिश्रा ने कहा, इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के जंगलों

में एक शव बरामद हुआ है। गले के पास चोट के निशान हैं। मृतक के पास से मिले दस्तावेजों के आधार पर उसकी शिनाख्त कर ली गई है। परिजनों को सूचित कर दिया गया है। परिजनों से तहरीर प्राप्त की जा रही है। उस आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तीन दिन से लगातार वारदातें

गाजियाबाद में गुरुवार रात को कौशांबी थाना क्षेत्र में 14 साल के छात्र की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। उसका शव एक पार्क में पड़ा मिला है। इससे पहले बुधवार रात को कविनगर थाना क्षेत्र स्थित वेव सिटी में दो लोगों की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी। इन दोनों वारदातों का खुलासा नहीं हो सका है कि अब इंदिरापुरम में मर्डर हो गया।

क्राइम में खास कमी नहीं

गाजियाबाद में लूटपाट की घटनाओं में मामूली कमी जरूर आई है, लेकिन ओवरऑल क्राइम में खास कमी दिखाई नहीं पड़ रही। गाजियाबाद में रोजाना करीब 10 वाहन चोरी हो रहे हैं। कोई न कोई स्नेचिंग भी रोजाना हो रही है। जबकि मर्डर जैसी वारदातें तीन दिन से रोजाना हो रही हैं।

आपको बता दें कि कानून व्यवस्था बिगड़ने पर पूर्व एसएसपी पवन कुमार को सस्पेंड करके मुनीराज जी को गाजियाबाद में बतौर कार्यवाहक एसएसपी भेजा गया है।

देश में कोरोना के सक्रिय मामलों में 643 की वृद्धि

मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 2252 लोग कोविड से मुक्त हुए

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या कम रही, जिसके कारण इसके सक्रिय मामलों में 643 की बढ़ोतरी हुई।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 188 करोड़ 19 लाख 40 हजार 971 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 2927 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश के विभिन्न अस्पतालों में उपचार करवा रहे कोरोना रोगियों की संख्या 16 हजार 279 रह गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.04 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.58 प्रतिशत हो गयी है।

मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 2252 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं।

अभी तक कुल चार करोड़ 25 लाख 25 हजार 563 कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.75 प्रतिशत है।

देश में पिछले 24 घंटे में पांच लाख पांच हजार 65 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में अब तक कुल 83 करोड़ 59 लाख 74 हजार 79 कोविड परीक्षण किए हैं। इस दौरान देश में कोविड से 34 मरीजों की मौत हुई, जिसके बाद इस जानलेवा विषाणु से जान गंवाने वालों लोगों की संख्या बढ़कर 523654 हो गयी। पिछले 24 घंटे में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सबसे अधिक 340 सक्रिय मामले बढ़े हैं। इसके बाद यहां कोरोना मरीजों की संख्या 4508 हो गयी है। इस दौरान 863 लोगों के स्वस्थ होने से संक्रमणमुक्त होने वाले मरीजों की कुल संख्या 1846414 हो गयी। इस अवधि में कोविड-19 से एक मरीज की मौत हुई और मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 26,169 हो गया। हरियाणा में सक्रिय मामलों में 132 की वृद्धि हुई है। राज्य में इस समय 1983 सक्रिय मामले हैं। इस दौरान 385 लोगों के स्वस्थ होने से महामारी से उबरने वाले मरीजों की कुल संख्या 977678 हो गयी। पिछले 24 घंटों के दौरान यहां कोविड-19 से किसी मरीज की मौत नहीं हुई और मृतकों का आंकड़ा 10,618 पर स्थिर रहा। केरल में कोरोना वायरस के सक्रिय मामलों में 96 की कमी होने से इनकी संख्या 2,660 हो गयी है। इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 325 बढ़कर 6468401 हो गयी, जबकि मृतकों की संख्या में 26 की बढ़ोतरी होने से यह आंकड़ा 68,916 पर पहुंच गया है।

कोविड टीकाकरण में 188.19 करोड़ टीके लगे

देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 188.19 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाये गये हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 188 करोड़ 19 लाख 40 हजार 971 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 2927 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या 16 हजार 279 रह गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.04 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.58 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 2252 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 25 लाख 25 हजार 563 कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.75 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में पांच लाख पांच हजार 65 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में अब तक कुल 83 करोड़ 59 लाख 74 हजार 79 कोविड परीक्षण किए गए हैं।

लाउडस्पीकर

6031 लाउडस्पीकर हटे, 29 हजार की आवाज धीमी हुई, शामली में मुस्लिमों ने खुद उतारे स्पीकर

सख्ती : उत्तरप्रदेश में स्पीकर का 'शोर' हुआ डाउन

एजेंसी

लखनऊ। यूपी में इन दिनों लाउडस्पीकर को लेकर सख्ती जारी है। सुप्रीम कोर्ट और उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश पर बुधवार सुबह प्रशासन ने प्रदेश के कई जिलों में धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर उतरवाए। इसके साथ ही नियमों के मुताबिक लाउडस्पीकर चलाने की अपील की गई है।

सरकार की तरफ से बताया गया है कि अब तक प्रदेश के कुल 12 जोन और कमिश्नरेट में धार्मिक स्थानों पर लगे 6,031 लाउडस्पीकर को हटा दिया गया है। वहीं, 29 हजार 674 धार्मिक

स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर्स की आवाज को तय मानक के हिसाब से सेट कर दिया गया है।

लखनऊ में पुलिस ने चलाया अभियान

लखनऊ जोन में पुलिस ने धार्मिक स्थलों से 912 लाउडस्पीकर उतारे हैं, जबकि 6400 स्पीकर की आवाज तय मानक के लिहाज से कम की गई। लखनऊ शहर में धार्मिक स्थलों से 433 लाउडस्पीकर हटाए गए। पुराने लखनऊ में ड्राइव चलाकर पुलिस ने सभी धर्मगुरुओं से बात कर लाउडस्पीकर की आवाज कम करवाई। आगरा, मेरठ, बरेली, कानपुर, प्रयागराज, गोरखपुर, वाराणसी, गौतमबुद्धनगर के जोन और कानपुर कमिश्नरेट, वाराणसी कमिश्नरेट में यह कार्रवाई की गई है।

उन्नाव में मंदिर और मस्जिद से हटवाए लाउडस्पीकर

उन्नाव के कांशीराम कॉलोनी स्थित मस्जिद से मंगलवार रात लाउडस्पीकरों की आवाज धीमी करवाने और लाउडस्पीकर उतरवाने के लिए पुलिस ने मौलवी को चौकी पर बुलवाया।

देर रात मामले से नाराज लोगों ने चौकी का घेराव दिया। जानकारी होने पर फोर्स मौके पर पहुंच गई और लोगों को समझा कर मामला शांत करवाया गया। सिटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में मंदिरों, मस्जिदों में लगे एक से अधिक लाउडस्पीकरों को हटवाने की बात कही गई। इसके बाद मस्जिद से स्पीकर की आवाज को धीमा कर दिया गया। उधर, बागंरमऊ में पुलिस बल ने कई मंदिरों और मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतरवाए हैं।

बिजनौर जिले में पुलिस और प्रशासन की टीम ने धार्मिक स्थलों पर लगे एक से अधिक तेज आवाज वाले लाउडस्पीकर हटाए। जिले में मंडावर, नजीबाबाद, धामपुर, कोतवाली देहात आदि इलाकों में धार्मिक स्थलों से माइक उतरवाए गए।

तैयारी : मेट्रो और पॉड टैक्सी चलाने के लिए 300 करोड़ रुपये होंगे खर्च

नोएडा। यमुना प्राधिकरण की मंगलवार को हुई बोर्ड बैठक में 4,528 करोड़ रुपये के बजट पर मुहर लग गई। प्राधिकरण ने जमीन खरीद, निर्माण योजनाएं, ग्रामीण विकास और कनेक्टिविटी (पहुंच) पर जोर दिया है। जमीन खरीद के लिए 1535 करोड़, निर्माण योजनाओं पर 1,160 करोड़, मेट्रो व पॉड टैक्सी पर 300 करोड़ और ग्रामीण विकास पर 157 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। प्राधिकरण ने किसानों का मुआवजा 125 रुपये प्रति वर्ग मीटर बढ़ा दिया है।

यमुना प्राधिकरण की 73वीं बोर्ड बैठक चेयरमैन अरविंद कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2022-23 का 4,528 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया गया, जिसे बोर्ड ने पास कर दिया। इस साल निर्माण योजनाओं पर 1,160 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। प्राधिकरण ने जेवर एयरपोर्ट के दूसरे चरण के लिए 405 करोड़ का प्रावधान किया है। इसके अलावा मेट्रो, पॉड टैक्सी, सड़क निर्माण (मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी) में 300 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ.अरुणवीर सिंह ने बताया कि ने बजट में भूमि अधिग्रहण को प्राथमिकता पर रखा है।

1200 एकड़ जमीन खरीदेंगे

इस साल 1,200 एकड़ जमीन खरीदने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 1,535 करोड़ तय किए गए हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में प्राधिकरण ने 583 करोड़ रुपये जमीन खरीद में खर्च किए थे। इसके जरिए 455 एकड़ जमीन खरीदी गई थी। इस साल लॉजिस्टिक हब, मेडिकल डिवाइस पार्क और कई नई औद्योगिक योजनाएं लांच की जाएंगी। इसके लिए अधिक जमीन की आवश्यकता होगी। इसीलिए भूमि अधिग्रहण के लिए अधिक पैसा रखा गया है।

यीडा ने गांवों को स्मार्ट बनाने के लिए (स्मार्ट विलेज) 76.98 करोड़ आवंटित किए हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में 10 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। इसी तरह गांवों के विकास पर 80 करोड़ का बजट तय किया गया है, जबकि पिछले साल 20 करोड़ खर्च हुए थे।

शार्ट न्यूज

टीआरएस का 21वां स्थापना दिवस समारोह शुरू

हैदराबाद। सत्ताधारी तेलंगाना राष्ट्रीय समिति(टीआरएस) का 21वां स्थापना दिवस समारोह का उत्सव बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच यहां हाईटेक्स कन्वेंशन केंद्र (एचआईसीसी) में शुरू हो गया। पार्टी की 20 वीं पूर्ण बैठक कोरोना पाबंदियों के कारण अक्टूबर 2020 में आयोजित किया गया था। इस दौरान मंत्री, सांसद, विधायक, विधान परिषद के विधायक, निगम अध्यक्ष, जेड पी और क्षेत्रीय परिषदों के अध्यक्ष तथा पार्षदों के साथ-साथ लगभग तीन हजार चुने हुए जन प्रतिनिधि इस बैठक में शामिल हुए थे। टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री के टी रामा राव तेलंगाना भवन में चालीस फुट पार्टी का झंडा फहराया। इस दौरान मुख्यमंत्री केसीआर के तस्वीरों वाली बैनर को बड़ी संख्या में पूरे राज्य में लगाया गया।

देश को वैकल्पिक एजेंडे की जरूरत, राजनीतिक मोर्चे की नहीं : केसीआर

हैदराबाद। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के नेता और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने बुधवार को कहा कि देश को राजनीति मोर्चे से ज्यादा एक वैकल्पिक एजेंडे की जरूरत है। राव ने यहां पार्टी के 21वें स्थापना समारोह के अवसर पर पार्टी का झंडा फहराने के बाद टीआरएस प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रीय दलों के साथ बैठकें करने के पीछे का मकसद केंद्र सरकार को हटाने और राजनीति मोर्चा तैयार नहीं करने का नहीं है बल्कि राष्ट्र में सुधार करके बदलाव लाना है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण देश अपने लक्ष्य से भटक गया, जिससे कम्यूनिस्ट नेताओं के मन में केन्द्र सरकार को हटाने का विचार आया था लेकिन उन्होंने अपनी पार्टी के प्रतिनिधियों पर जोर देते हुए कहा कि पार्टी का लक्ष्य किसी पार्टी को गिराने का नहीं बल्कि खुद को आगे बढ़ाना होना चाहिए। राव ने एक घंटे के भाषण में कहा कि हैदराबाद द्वारा गुणात्मक बदलाव के लिए उठाए गए कदम तेलंगाना के लिए गर्व का विषय होगा। राज्य कल्याण और विकास कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श राज्य बन गया है। उन्होंने जल की कमी को लेकर चिंता व्यक्त की।

मंत्री रेखा आर्या ने काटी गेंहू की फसल

देहरादून। उत्तराखंड की महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य बुधवार को विकासनगर से देहरादून आते समय केदारवाला में महिला किसानों को खेत में गेहूं काटते देख, अपने वाहन को रोक खेत मे गेहूं काट रहीं महिला किसानों के बीच जा पहुंची। इतना ही नहीं, महिलाओं के साथ गेहूं की फसल को काटने में उनका सहयोग किया। कैबिनेट मंत्री ने गेहूं की कटाई के साथ ही, थ्रेसर पर गेहूँ की मडाई भी की। साथ ही, महिला किसान के खेत मे काम कर रही अन्य महिलाओं से खेत की बुवाई से लेकर क्रय केंद्रों पर गेहूं व अन्य अनाज के विक्रय की जानकारी ली। उन्होंने महिला किसानों से खेती में आने वाली समस्याओं के बारे में विस्तार से सुना। वहीं महिलाओं से राशन की दुकानों से सरकार की योजनाओं के तहत मिलने वाले राशन की भी जानकारी ली। इतना ही नहीं, उन्होंने मौजूद महिला किसानों को सम्मानित भी किया। आर्या ने कहा कि उनकी सरकार सदैव किसानों और महिलाओं के साथ खड़ी है। उनका प्रयास रहेगा कि महिलाओं को हरसम्भव सशक्त करने की दिशा में काम किया जाएगा। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी देहरादून डॉक्टर अखिलेश मिश्र, केदारवाला की ग्राम प्रधान तबस्सुम इमरान व पूर्व प्रधान इमरान खान भी मौजूद थे।

धान के सीजन से पहले सभी अवैध नहरी पानी के आउटलेट बंद करने के आदेश

चंडीगढ़। पंजाब में टेलों वाले खेतों तक नहरी पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जल संसाधन मंत्री ब्रम शंकर जिम्पा ने आज विभाग के अधिकारियों को धान का सीजन शुरू होने से पहले नहरों और माईनरों में कुछ किसानों द्वारा बनाए गए अवैध नहरी पानी के आउटलेट बंद करने के अलावा तोड़े गए अवैध नहरी पानी के आउटलेटों की तुरंत मरम्मत किये जाने के निर्देश दिये हैं। जिंपा ने बुधवार को यहां उन क्षेत्रों के विधायकों के साथ बैठक की जिनके यहां टेलों पर नहरी पानी की समस्या आती है। इस बैठक में जलालाबाद से विधायक जगदीप कम्बोज़ गोल्डी, खेमकरन से विधायक स्वर्ण सिंह धुन और फाज़िल्का से विधायक नरिन्दरपाल सिंह सवना उपस्थित थे। उन्होंने अधिकारियों को धान का सीजन शुरू होने से पहले तोड़े-फोड़े गए अवैध नहरी पानी के आउटलेटों की मरम्मत करने और माईनरों/रजबाहों की सफ़ाई और मरम्मत के काम को मुकम्मल करने के लिए भी कहा। जिंपा ने अधिकारियों को अरनीवाला, भागसर, लाधूका, ममदोट, लक्ष्मण, बरकतवाह और साईज़वाह माइनर की मरम्मत/सफ़ाई का काम जल्द से जल्द मुकम्मल करने के आदेश दिए, जिससे किसानों को धान की बुवाई में किसी किस्म की मुश्किल का सामना न करना पड़े। उन्होंने नहरी पानी की चोरी को लेकर उन्होंने अवैध चलन को रोकने के लिए अधिकारियों को औचक निरीक्षण करने को कहा ताकि टेलों वाले किसानों को भी नहरी पानी का बनता हिस्सा मिल सके। बैठक में जल संसाधन विभाग के प्रमुख सचिव कृष्ण कुमार, मुख्य इंजीनियर नहरें ईश्वर गोयल और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

अमृतसर में लूट का ड्रामा रचने वाला गिरफ्तार

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में ससुराल का पैसा और सोना हड़पने के लिए लूट का ड्रामा रचने वाले दामाद को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त अरूनपाल सिंह ने बुधवार को बताया कि नवा कोट निवासी विजय चावला ने पुलिस को शिकायत दी थी कि 14 अप्रैल को रात लगभग दस बजे वह अपने 15 वर्षीय बेटे के साथ स्कूटर पर कहीं जा रहे थे कि स्कूटर की डिक्की में रखे पांच लाख रूपये और दो ग्राम जेवर को मोटरसाईकल सवार तीन युवक लूट कर ले गए। उनके वयान पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस आयुक्त ने बताया कि जांच दौरान पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर चावला ने बताया कि उसके ससुराल वाले कुछ समय पहले तीन लाख 92 हजार रूपये और दो ग्राम जेवर उनके पास अमानत के तौर पर रख गए थे। जिसमें से उसने दो लाख 61 हजार रूपये खर्च कर दिए थे। इसलिए उसने लूट की झूठी रपट लिखवाई थी। पुलिस ने चावला से 186 ग्राम जेवर और एक लाख 31 हजार रूपये बरामद किए हैं।

सच दर्रा हल्के वाहनों की आवाजाही के लिए बहाल : राणा

चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के उपायुक्त डीसी राणा ने कहा है कि सच पास मार्ग को हल्के वाहनों की आवाजाही के लिए बहाल कर दिया गया है। राणा ने बुधवार को यहां कहा कि सच पास मार्ग पर जमी बर्फ को हटा दिया गया है और अब चंबा से किलाड़ बाया साच पास मार्ग हल्के वाहनों की आवाजाही के लिए सुरक्षित है। पांगी जाने वाले लोग अब सीधा चंबा से किलाड़ बाया साच पास मार्ग की सुविधा लाभ ले सकते हैं। गौरतलब है कि साच पास दर्रा पांगी को जिला मुख्यालय से जोड़ने वाला एक मात्र नजदीकी रास्ता है। पहली बार लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों अधिकारियों जेसीबी मशीन और डोजर आपरेटरों की कड़ी मेहनत से अप्रैल के अंतिम सप्ताह में छोटे वाहनों के लिए बहाल किया गया। मई माह के प्रथम सप्ताह में बस सेवा शुरू होने की जनता में उम्मीद बनाई है। 14500 फीट ऊंचे दर्रे को बहाल कर लिया है। वहीं, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता एम के ठाकुर ने बताया साचपास दर्रे को बहाल करने में एक माह का समय लगा। सचपास दर्रे में तापमान शून्य से करीब 20 से 25 डिग्री नीचे रहता है। करीब 80 किलोमीटर सड़क से बर्फ हटाने का कार्य किया जाता है, इसमें 17 ग्लेशियर काटने पड़ते हैं। साचपास दर्रे पर फीट में नहीं मीटरों में बर्फ को साफ हटा कर सड़क को साफ किया जाता है। उन्होंने बताया कि पांगी में करीब 22 हजार लोग रहते हैं। यहां 19 पंचायतें हैं। यहां आवासीय आयुक्त मुख्य अधिकारी हैं। बर्फ पड़ने पर पांगी के लोगों को वाया जम्मू होकर आवाजाही करनी पड़ती है, यह सफर बहुत लंबा पड़ता है। यहां से करीब छह सौ किलोमीटर तक सफर करना पड़ता है, जबकि वाया साच पास चंबा से पांगी की दूरी करीब 175 किलोमीटर है।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किया दावा

किसानों की आय में 10 गुना तक हुआ है इजाफा

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत किसान भागीदारी, प्राथमिक हमारी अभियान की शुरुआत करते हुए देश भर के किसानों के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के तहत किसानों की आय दोगुनी ही नहीं बल्कि 10 गुना हुई है। कृषि मंत्री ने किसानों की आय में दो से दस गुना तक की वृद्धि होने का आज दावा करते हुए कहा कि ऐसे प्रगतिशील किसानों को गांव गांव में जा कर खेती कर रहे लोगों को जागरुक करना चाहिए जिससे वे भी समृद्ध बने।

तोमर ने ''किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी कार्यक्रम के तहत फसल बीमा पाठशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि नवीनतम तकनीक और सरकार की कृषि सम्बन्धी योजनाओं से जुड़े किसान समृद्ध हुए हैं और उनके परिवार में तरक्की हुयी है । पिछले पांच छह साल के दौरान ऐसे किसानों की आय दो से दस गुना तक बढी है। उन्होंने कहा कि ये किसान ''कृषि राजदूत बन कर गांव गांव में

जायें तो खेती की अर्थ व्यवस्था मजबूत हो जायेगी।

किसानों को गेहूं और सरसों का मिल रहा है सही दाम

कृषि मंत्री ने कहा कि आज किसानों को उनके उत्पादों का बाजार में न्यूनतम समर्थन मूल्य से अच्छी कीमत मिल रही है। गेहूं और सरसों का बेहतर मूल्य मिल रहा है तथा सरसों तेल में मिलावट को रोका गया है जिससे किसान बहुत खुश हैं। सरकार इस प्रकार के अन्य कदम भी उठायेगी जो किसानों के हित में हो।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में कृषि आधारभूत संरचनाओं के निर्माण के लिए एक लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है जिसमें से आठ हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इससे भंडारण तथा अन्य सुविधाओं का विकास किया जायेगा। इस मामले में बैंकों का योगदान सराहनीय रहा है।

कृषि मंत्री बोले- जैविक खेती से किसानों को मिल रहा फायदा

तोमर ने प्राकृतिक खेती को मिशन मोड में लागू किये जाने पर जोर देते हुए कहा कि इससे कृषि लागत कम होगी तथा किसानों के उत्पादों को अच्छा मूल्य मिलेगा। अभी 38 लाख हेक्टेयर जमीन पर जैविक खेती की जा रही है जिससे किसानों को अच्छा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रकृति से तालमेल बिगड़ने से अनेक समस्यायें उत्पन्न हो सकती हैं। रासायनिक खाद के लिए हम दूसरे देशों पर निर्भर हैं और यदि वे ये उर्वरक देने से मना कर दें तो समस्या उत्पन्न हो जायेगी।

अब बागवानी फसलों का भी हो रहा है रिकॉर्ड उत्पादन

कृषि मंत्री ने कहा कि एक समय देश में खाद्यान्न का अभाव था जिसके लिए हरित क्रांति की शुरुआत की गयी और इसके लिए रासायनिक उर्वरकों का सहारा लिया गया। पंजाब , हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश ने हरित क्रांति को सफल बनाने में भारी योगदान दिया था। अब देश में जरुरत से अधिक अनाजों की पैदावार होती है और बागवानी फसलों का रिकार्ड उत्पादन हो रहा है ।

किसानों को साहूकारों से छुटकारा दिला रही सरकार

देश से चार लाख करोड़ रुपये मूल्य से अधिक के कृषि उत्पादों का निर्यात किया गया है जिसके लिए किसान बधाई के पात्र हैं। तोमर ने कहा कि किसानों को साहूकारों से छूटकारा दिलाने को लेकर पिछले सात साल से देश में किसान क्रेडिट कार्ड अभियान चलाया जा रहा है और इससे पशुपालन को भी जोड़ा गया है। इसके तहत किसानों को 15 लाख करोड़ रुपये का रिण दिया गया है। इस रिण पर किसान चार प्रतिशत की दर से ब्याज देते हैं।

पिथौरागढ़ गैंग रेप : दो और लोगों की हुई पहचान

नैनीताल। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में 13 साल की किशोरी के साथ हुए सामूहिक बलात्कार (गैंग रेप) के मामले में दो और आरोपियों की पहचान कर ली गयी है। दोनों फरार हैं और दोनों के खिलाफ गैर जमानती वारंट के साथ ही सम्पत्ति की कुर्की की कार्रवाई अमल में लायी जा रही है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्रा व न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की युगलपीठ में बुधवार को इस मामले में सुनवाई हुई।

व्यक्तिगत रूप से पेश जांच अधिकारी की ओर से अदालत को बताया गया कि पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह इस प्रकरण की निगरानी कर रहे हैं और गैंग रेप के दो और आरोपियों की पहचान कर ली गयी है। इस मामले चार आरोपी पहले ही गिरफ्तार किये जा चुके हैं।

दोनों आरोपी फरार हैं। कई जगह दबिश दी गयी लेकिन वह पकड़ में नहीं आये। पुलिस की ओर से दोनों की सम्पत्ति कुर्क करने की कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। जांच अधिकारी की ओर से यह भी बताया गया कि आरोपियों की ओर से पीड़िता का एक वीडियो बनाया गया जिसे जांच के लिये चंडीगढ़ फोरेंसिक जांच के लिये भेजा गया है।

जांच अधिकारी ने बताया को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यही नहीं पीड़िता को चौबीसों घंटे सुरक्षा प्रदान की जा रही है। अदालत ने जांच अधिकारी को सख्त लहजे में हिदायत दी कि पीड़िता की सुरक्षा में लापरवाही पर जांच अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

गैंग रेप का यह मामला तब संज्ञान में आया था जब पीड़िता के चाचा की ओर से रजिस्ट्रार जनरल को एक पत्र भेज कर पुलिस जांच में लापरवाही व सुरक्षा की मांग की गयी थी। पत्र में आरोप लगाया गया कि उनकी भतीजीएक मार्च को अपनी सहेली के साथ मंदिर गयी थी लेकिन कुछ युवकों ने उसे अगुवा कर लिया।

उसके साथ छह दिन गैंग रेप किया गया। इस दौरान उसे आरोपी नशीले इंजेक्शन देते रहे।

उत्तराखंड में फिर फैल रहा कोरोना, कड़ाई शुरू

देहरादून। उत्तराखंड में अब कोविड-19 की चौथी लहर का प्रकोप शुरू हो गया है। बुधवार को यहाँ 24 नये संक्रमितों में सबसे ज्यादा 18 देहरादून में मिलने के बाद प्रशासन ने मास्क न लगाने वालों और सार्वजनिक थूकने की बंदिशें कड़ाई से लागू कर दीं। स्वास्थ्य महानिदेशालय द्वारा बुधवार को जारी बुलेटिन के अनुसार, राज्य में 24 नये कोरोना संक्रमित मिले हैं। जिससे प्रभावित लोगों का आंकड़ा 92352 पहुंच गया। यह अलग बात है कि कुल 88775 व्यक्ति स्वस्थ हो चुके हैं। वर्तमान में यहां 80 सक्रिय रोगी हैं। आज देहरादून जनपद में 18, नैनीताल में तीन, चमोली में दो और पौड़ी जनपद में मात्र एक कोरोना संक्रमित मिला है।

उधर, देहरादून में संक्रमण के बढते मामलो के दृष्टिगत जिलाधिकारी डॉ आर राजेश कुमार ने सम्पूर्ण जनपद में घर के बाहर सार्वजनिक स्थानों पर पूर्व की भांति मास्क, गमछा, रूमाल या दुपट्टा/स्कार्फ पहनना अनिवार्य होने सम्बन्धी आदेश जारी किये हैं। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर थूकना प्रतिबन्धित कर दिया है। आदेशों का उल्लंघन दण्डनीय अपराध होगा। ऐसी दशा में प्रदत्त व्यवस्था के अनुरूप 500 रुपये से 1000 रुपये तक जुर्माने के रूप में वसूला जाएगा। उन्होंने उप जिला मजिस्ट्रेट, नगर मजिस्ट्रेट, पुलिस क्षेत्राधिकारी और थानाध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए हैं।

टीआरएस ने मोदी सरकार पर 'बुलडोजर शासन' लाने का लगाया आरोप

हैदराबाद। तेलंगाना में सत्तारूढ़ पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) सरकार पर हमला बोलते हुए पेट्रोल और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर काबू न करने तथा विपक्ष को दरकिनार कर बुलडोजर शासन लाने का आरोप लगाया। टीआरएस ने अपने 21वें स्थापना दिवस पर भविष्य में राष्ट्रीय राजनीति में अहम भूमिका निभाने के संकल्प सहित 13 राजनीतिक संकल्पों की घोषणा की। पार्टी ने कहा कि देश को बुरी ताकतों से मुक्त किये जाने तथा बुलडोजर शासन और मोदी सरकार द्वारा अपनाई गई फूट डालो और राज करो की नीति को समाप्त करने का आह्वान किया।

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा, लैंड करते हुए फटा विमान का पहिया

एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरु एयरपोर्ट पर बीती रात बड़ा हादसा होते होते बचा। जानकारी के मुताबिक बेंगुलुरु के केंमपेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान थाई एयरवेज के विमान का पहिया फट गया। गमीनत ये रही कि लैंडिंग सुरक्षित हो गई और किसी पैसेंजर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। जानकारी के मुताबिक ये हादसा रात करीब 11:30 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि थाई एयरवेज के विमान ने बैंकॉक से बेंगलुरु के लिए उड़ान भरी थी। रात करीब 11:30 बजे विमान बेंगुलुरु एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। लैंडिंग भी ठीक रही और विमान रनवे

से हटकर पार्किंग एरिया में खड़ा हो गया। इस दौरान ग्राउंड स्टाफ विमान का पिछला पहिया देखकर दंग रह गया क्योंकि वो फट चुका था। इस बारे में तुरंत पायलट को जानकारी दी गई। कमाल की बात ये है कि पायलट को भी नहीं पता था कि लैंडिंग के दौरान प्लेन का पिछला पहिया फट चुका है। फ्लाइट को तुरंत रेस्क्यू वाली जगह पर ले जाया गया जहां टेकनिकल क्रू ने विमान की पूरी तरह जांच की।

इसी फ्लाइट को दोबारा कुछ घंटों बाद दोबारा बैंकॉक के लिए उड़ान भरना था। लेकिन फ्लाइट का पहिया फटने और फिर उसकी जांच होने की वजह से फ्लाइट काफी देर हो गई और पैसेंजरों की एयरपोर्ट पर भीड़ लग गई। एयरलाइंस को भी इस अनिश्चित घटना की जानकारी नहीं थी इसलिए उन्होंने पैसेंजर्स को भी फ्लाइट लेट होने की जानकारी नहीं दी। थाई एयरवेज ने अबतक इस घटना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। बेंगलुरु एयरपोर्ट ने भी इस घटना पर कोई अप्रतिक्रिया नहीं दी है। एयरपोर्ट प्रशासन का कहना है कि इस मामले में कुछ भी कहना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है।

कार्य पूर्ण होने पर आराम से बैठने के बजाय नये काम की तैयारी करें

उधमसिंह नगर/देहरादून । उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को उधम सिंह नगर में आयोजित स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम में कहा कि किसी एक कार्य के पूर्ण होने पर आराम से नहीं बैठना है, बल्कि अगले कार्य की तैयारी शुरू कर देनी है। यही हमारी कार्य संस्कृति है। उन्होंने कहा कि आप सभी के द्वारा प्रदेश में की गई मेहनत का ही परिणाम है की हमने प्रदेश में इतिहास रचते हुए विभिन्न मिथकों को तोड़कर प्रचंड बहुमत से लगातार दूसरी बार सरकार बनाई है।

धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों की लम्बे समय से की जाने वाली कई मांगों को पूरा किया है। अयोध्या में रामलला सालों से टेंट में थे, लेकिन अब केंद्र सरकार के नेतृत्व में राम मंदिर बनाने का कार्य शुरू हो चूका है। उन्होंने कहा कि जल्दी ही हम भव्य राम मंदिर में रामलला के दर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि इसी तरह लम्बे समय से देशवासियों द्वारा कश्मीर से धारा 370 हटाने की मांग की जा रही थी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में आज कश्मीर से धारा 370 भी हटाई जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने चुनाव से पहले उत्तराखंड की जनता के समक्ष कहा था कि हमारी सरकार आते ही कॉमन सिविल कोड लागू करेंगे। अब सरकार का गठन होते ही कैबिनेट की पहली बैठक में हमने कॉमन सिविल कोड का ड्राफ्ट बनाने हेतु कमेटी गठन करने का निर्णय लिया है। जल्दी ही प्रदेश में कॉमन सिविल कोड लागू कर दिया जाएग। उन्होंने देश के अन्य राज्यों से भी यह कानून लागू करने की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने उत्तराखंड कि देवतुल्य जनता के समक्ष जो भी वादे किए थे, उन सब को पूरा करने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सरकार ने उन वादों को निभाने के लिए विभिन्न योजनाओं क्रियान्वयन भी आरंभ कर दिया है। उन्होंने कहा कि सभी पर्यावरण मित्रों का मानदेय बढ़ाकर प्रतिदिन ?500 करने के साथ ही परिवार के दोनों पति पत्नी को वृद्धावस्था पेंशन का लाभ सरकार द्वारा दिया जा रहा है। चुनाव से पहले गरीब परिवारों के लिए 1 साल में तीन मुफ्त सिलेंडर देने का वादा किया था इसके लिए हमने बजट का प्रावधान कर दिया है और इस योजना को जल्दी ही प्रदेश में लागू कर दिया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक शिव अरोरा, मेयर रुद्रपुर रामपाल सिंह, पूर्व सांसद बलराज पासी, भाजपा प्रदेश मंत्री राजेंद्र बिष्ट, विधायक अरविन्द पांडेय, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला सहित बड़ी संख्या में जनता उपस्थित थी।

सांसद आदर्श ग्राम योजना के कार्यान्वयन में तेलंगाना अव्वल

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्य सचिव सोमेश कुमार ने बुधवार को कहा कि गांवों में पल्ले प्रगति परियोजना तथा अन्य विकास कार्यक्रमों के सफल कार्यान्वयन के साथ, देशभर में सांसद आदर्श ग्राम योजना लागू करने में तेलंगाना पहले स्थान पर है।

सोमेश कुमार ने राज्य स्तरीय अधिकारिता समिति की बैठक में सांसद आदर्श ग्राम योजना के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहाकि देश भर में शीर्ष रहे 20 गांवों में से 19 गांव तेलंगाना के हैं। उन्होंने इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए अधिकारियों की प्रशंसा की। गौरतलब है कि देशभर सांसद आदर्श ग्राम योजना लागू करने के लिए 20 गांवों को चुना गया है, जिसमें 19 गांव तेलंगाना के हैं और केवल एक गांव गुजरात के असलाली पंचायत है। जिसे 20वां स्थान मिला है।

राज्य के नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री के टी रामाराव ने ट्विटर पर मंगलवार को सांसद आदर्श ग्राम योजना (एसएजीवाई) के तहत जारी की गई सूची में शामिल पंचायतों की सूची साझा की। इसके तहत भोंगीर की वाडापर्थी पंचायत देश में पहले स्थान पर रही, उसके बाद चिगुरुमिडी से कोंडापुर को दूसरा और निजामाबाद से पालदा को तीसरा स्थान मिला। बैठक में वन विभाग के विशेष मुख्य सचिव सुश्री शांति कुमारी, आवास एवं ऊर्जा विभाग के विशेष मुख्य सचिव सुनील शर्मा, शिक्षा एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, पीआर आयुक्त सरथ सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कोरोना की नई लहर से निपटने को पंजाब पूरी तरह तैयार : मान

चंडीगढ़। कोविड-19 की नई लहर के बढ़ते खतरे के मद्देनजर् पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को कहा कि राज्य कोविड महामारी के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

कोविड-19 के मामलों में वृद्धि को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यों को अलर्ट करने के लिये आज बुलाई गई मुख्यमंत्रियों की वर्चुअल बैठक में श्री मान ने स्पष्ट तौर पर कहा कि पंजाब ने कोविड महामारी की नई लहर से निपटने के लिए कारगर प्रणाली विकसित की। प्रदेश में पहले ही कोविड मामलों से निपटने के लिए आवश्यकता अनुसार सभी साधन उपलब्ध हैं और पंजाब में स्थिति काबू में है और लोगों की कीमती जानों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के मेडिकल और पैरा मेडिकल स्टाफ कोविड महामारी के किसी भी तरह की समस्या से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर 87 फ़ीसदी के मुकाबले राज्य की 97 फ़ीसदी आबादी को कोविड टीकाकरण की पहली डोज़ और 76 फ़ीसदी लोगों को दूसरी डोज़ दी जा चुकी है और महामारी का सामना करने के लिए 5.11 लाख लोगों को बूस्टर डोज़ भी दी जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि इस समय राज्य में बहुत कम केस (केवल 176 सक्रिय मामले) हैं और रोज़ाना के औसतन 25 केस आ रहे हैं। भगवंत मान ने कहा कि कोई मरीज़ गंभीर हालत में नहीं है और ना ही कोई मरीज़ आई.सी.यू. में भर्ती है और राज्य में लेवल दो के केवल 6 केस हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकारी मेडिकल कॉलेज, अमृतसर में 1236 बैड, सरकारी मेडिकल कॉलेज, पटियाला में 1450 बैड और सरकारी मेडिकल कॉलेज, फरीदकोट में 1025 बैड की व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि अमृतसर, पटियाला और फरीदकोट में क्रमवार 360, 560 और 400 ऑक्सीजन बैड मौजूद हैं। अमृतसर में 280 आई.सी.यू. बैड हैं और पटियाला में ऐसे 280 बैड हैं जबकि अमृतसर में 165 कोविड वेंटिलेटर बैड, पटियाला में 96 और फरीदकोट में 141 वेंटिलेटर बैड मौजूद हैं।

इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. विजय सिंगला, मुख्य सचिव अनिरुद्ध तिवारी, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव ए. वेणु प्रसाद और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

फार्मा टेक व लैब टेक एक्सपो 28 अप्रैल से

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार 28 से 30 अप्रैल तक चंडीगढ़ के परेड ग्राउंड में फार्मा टेक एक्सपो-2022 और लैब टेक एक्सपो- 2022 का आयोजन करने जा रही है जिसमें 200 से अधिक कंपनियां अपने उत्पादों को प्रदर्शित करेंगी। इन 200 कंपनियों में से 40 से ज्यादा कंपनियां हरियाणा की हैं।

यह जानकारी व्यापार मेला प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक अनिल कुमार चौधरी ने बुधवार को यहां प्रेस वार्ता के दौरान दी। इस मौके पर क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद श्री राकेश सूरज भी मौजूद थे। कुमार ने बताया कि मुख्य सचिव संजीव कौशल 28 अप्रैल को एक्सपो के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि होंगे तथा हरियाणा व्यापार मेला प्राधिकरण, नयी दिल्ली की मुख्य प्रशासक डॉ. जी अनुपमा विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी के आयोजन के लिए डॉ. जी. अनुपमा ने सराहनीय कार्य किया है।

कार्यक्रम की रूपरेखा की विस्तार से जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि फार्मा टेक एक्सपो और लैब टेक एक्सपो-2022 का आयोजन हरियाणा व्यापार मेला प्राधिकरण के बैनर तले भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद और फार्मा टेक्नोलॉजी इंडेक्स डॉट कॉम प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि आज फार्मा उद्योग सबसे तेजी से बढने् वाले उद्योगों में से एक है और भारत जेनेरिक दवाओं का उत्पादन करने वाले अग्रणी देशों में से एक है, इसलिए इसे 'विश्व की फार्मेसी' के रूप में भी जाना जाता है। श्री चौधरी ने बताया कि फार्मास्युटिकल क्षेत्र भारत में 20,000 से अधिक पंजीकृत इकाइयों के साथ एक बड़ा उद्योग है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार की लगभग एक तिहाई जरूरत भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग द्वारा पूरी की जाती है।

क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद राकेश सूरज ने बताया कि हरियाणा व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा लगभग 11000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 200 से अधिक दवाओं और अन्य फार्मास्युटिकल उत्पादों के निमार्ण की मशीनरी व उपकरणों का प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में लगभग 5000 आगंतुकों के आने की उम्मीद है।

इस एक्सपो के दौरान विभिन्न विषयों पर तकनीकी सत्र भी आयोजित किए जाएंगे, जिसमें हरियाणा से इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

भीषण गर्मी में जनता त्रस्त और हेमंत सरकार के अधिकारी हैं मस्त

रांची। भारतीय जनता पार्टी झारखंड विधायक दल के नेता व पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन को बिजली व्यवस्था को लेकर पत्र लिखा।

उन्होंने आज अपने पत्र के माध्यम से लिखा कि आपके सरकार के गठन के बाद से ही राज्य में बिजली व्यवस्था लचर बनी हुई है। इस भीषण गर्मी में जनता त्रस्त है और आपके अधिकारी अपने आप में मस्त है। जनता को राहत पहुँचाने के बजाय अधिकारी सिर्फ निजी आर्थिक स्वार्थ सिद्धि में दिन-रात लगे हुए हैं। बिजली विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार अनायास नहीं बल्कि सुनियोजित है। किसी खास मकसद की पूर्ति के लिए ही सेवा मुक्त हुए अधिकारी के. के. बर्मा को पुन: सेवा में रख लिया गया ताकि श्री बर्मा के पैरवीकार अपना हिस्सा लेते रहें और जिस अधिकारी के भ्रष्टाचार की महिमा जग जाहिर है उन्हें संरक्षण देना यह प्रमाणित करता है कि राज्य सरकार जनता के हित से ज्यादा स्वहित को ज्यादा तवज्जो दे रही है। मुख्यमंत्री जी, घोषणाओं से अखबारों में सिर्फ सुर्खियाँ मिलती है. जनता को राहत नहीं आपने 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का चुनावी वादा किया था। उस वायदे का हश्र भी आपके अन्य घोषणाओं जैसा ही होता दिखता है।

उन्होंने कहा कि केंद्र के ऊर्जा मंत्री कहते है कि देश में बिजली की कमी नहीं है। राज्य सरकार भुगतान कर जितना चाहे बिजली ले सकती है। बावजूद इसके बिजली की उपलब्धता लगातार घट रही हैं। राज्य का सरकारी धन का अधिकारी की लूट खसोट में खप रहा है।

बिजली विभाग के भ्रष्टाचार पर लगाम लगा कर केंद्र से बिजली प्राप्त कर राज्य की जनता को राहत पहुँचाने की जरूरत है लेकिन जनता को राहत पहुँचाने की जगह आप अपने माइनिंग लीजधारी प्रेस सलाहकार के बहकावे में आकर भ्रष्ट अधिकारी को राहत पहुँचाने और उपकृत करने में लगे हुए है। राज्य की बिजली उत्पादन कम्पनी तेनुघाट विद्युत निगम की भी व्यवस्था चरमराई हुई हैं।

शार्ट न्यूज

झआपूर्ति व बाट माप विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से दो पेट्रोल/डीजल पंपों की, की गई जांच

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी सुहास एलवाई के द्वारा जनपद में स्थित पेट्रोल/डीजल पंप पर घटतौली एवं अपमिश्रण की जांच कराने के उद्देश्य से टीमों का गठन करते हुए विशेष जांच अभियान चलाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में विगत दिवस आपूर्ति विभाग, बाट माप विभाग, तेल कंपनियों के अधिकारियों एवं ओईएम द्वारा संयुक्त रुप से मैसर्स सुभाष आटो मोबाइल्स सूरजपुर व मैसर्स शहीद विनोद चौबे फिलिंग स्टेशन सूरजपुर ग्रेटर नोएडा का औचक निरीक्षण किया गया। जिला पूर्ति अधिकारी चमन शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि निरीक्षण के दौरान दोनों पंपों पर बांट माप अभिलेख अद्यावधिक पाये गये एवं डिस्पेंसिंग यूनिट व डेनसिटी सही पायी गयी। दोनों पेट्रोल पंपों पर उपस्थित ग्राहकों से फीडबैक प्राप्त की गई जो कि संतोषजनक प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि मैसर्स शहीद विनोद चौबे फिलिंग स्टेशन सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर जांच के दौरान पम्प रेट प्रदर्शित नही पाया गया, शौचालय साफ नही पाया गया, पीने के पानी की सुविधा नही पायी गयी, पम्प पर साफ सफाई नही पायी गयी एवं अभिलेखों का रख रखाव भी सही नही पाया गया। जिसके लिए सम्बन्धित पम्प पर प्रत्येक अनियमता के लिए 10-10 हजार कुल 50 हजार रूपये का आर्थिक दण्ड लगाया एवं आर्थिक दण्ड् को जमा कराकर अवगत कराने के लिए सम्बन्धित तेल कंपनी के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जिला पूर्ति अधिकारी चमन शर्मा ने सर्वसाधारण का आह्वान करते हुए कहा कि यदि किसी ग्राहक को जनपद के किसी पेट्रोल पंप पर घटतौली, मिलावट एवं व्यवहार के संबंध में कोई शिकायत है तो वह संबंधित तेल कंपनी के अधिकारियों एवं जिला पूर्ति कार्यालय कलेक्ट्रेट परिसर सूरजपुर में संपर्क कर सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि विशेष जांच अभियान जिलाधिकारी सुहास एलवाई के नेतृत्व में जनपद में आगे भी निरंतर जारी रहेगा, ताकि जनपद में पेट्रोल पंपों पर होने वाली घटतौली एवं अपमिश्रण पर अंकुश लगाया जा सके।

जेवर पुलिस ने चार गांजा तस्करों को किया गिरफ्तार, कब्जे से 3 किलो 256 ग्राम गांजा सहित एक कार बरामद

ग्रेटर नोएडा। थाना जेवर पुलिस ने बुधवार को ग्राम गोपलगढ के पास मुख्य मार्ग पर जेवर से अलीगढ जाने वाले रास्ते पर चैकिंग के दौरान चार अभियुक्तों राजू तालान पुत्र पप्पू उर्फ जीत सिह निवासी ग्राम गोपाल गढ थाना जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर, कुशलपाल उर्फ पोपी पुत्र मिश्री लाल निवासी मौहल्ला माँडलपुरिया कस्बा व थाना जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर, जाकिर पुत्र तहसीला निवासी मौहल्ला रावल पट्टी कस्बा व थाना जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर, मन्नू उर्फ मनवीर पुत्र गुलवीर सिह निवासी ग्राम हामिदपुर थाना जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर को गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने 3 किलो 256 ग्राम गांजा और तस्करी में प्रयुक्त एक बिना नंबर की वैगनआर कार बरामद की है। अभियुक्तगण शातिर किस्म के गांजा तस्कर हैं। जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

जेवर पुलिस ने तीन चोरों को किया गिरफ्तार, कब्जे से चोरी के पांच कट्टे गेहूँ सहित घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा बरामद

ग्रेटर नोएडा। थाना जेवर पुलिस ने बुधवार को थाना जेवर पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 133/2022 धारा 379 भादवि से सम्बन्धित तीन अभियुक्त मोहन सिंह उर्फ मोनी पुत्र वीर सिंह निवासी ग्राम बंकापुर थाना जेवर गौतमबुद्धनगर,कृष्ण कुमार उर्फ कमल पुत्र जोगेन्द्र निवासी ग्राम बंकापुर थाना जेवर गौतमबुद्धनगर,रिन्कू पुत्र महावीर सिंह निवासी ग्राम मोहबलीपुर थाना जेवर गौतमबुद्धनगर को जेवर खुर्जा रोड गढी मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने मुकदमा उपरोक्त में चोरी गये पाँच कट्टे गेहूँ और घटना में प्रयुक्त एक ई-रिक्शा बरामद किया है। अभियुक्तगण शातिर किस्म के चोर हैं।जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

थाना इकोटेक थ्री पुलिस व स्वाट टीम के संयुक्त प्रयास से दो गांजा तस्कर गिरफ्तार, कब्जे से 5 किलो 350 ग्राम गांजा बरामद

ग्रेटर नोएडा। थाना इकोटेक थ्री पुलिस व स्वाट टीम गौतमबुद्धनगर के संयुक्त प्रसास से बुधवार को चैकिंग के दौरान दो अभियुक्तों प्रिंस पुत्र शेखर हरि निवासी ग्राम मायागंज थाना बरारी जिला भागलपुर बिहार हाल निवासी झुग्गी झोपड़ी निकट ए110 सेक्टर 10 गौतमबुद्धनगर, नीतीश कुमार शाह पुत्र संतलाल शाह निवासी अमजोरा फिरोजपुर थाना मेहरमा जिला गोड्डा झारखंड निवासी झुग्गी झोपड़ी शौचालय के पास सेक्टर 8 नोएडा गौतमबुद्धनगर को ट्रांसफार्मर पोस्ट के पास निकट गली नंबर 1 सुत्याना से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने पाँच किलो 350 ग्राम गांजा बरामद किया है। अभियुक्तगण शातिर किस्म के गांजा तस्कर हैं। जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

पुलिस ने मोबाइल फोन लूटकर भाग रहे बदमाश को मुठभेड़ के उपरांत किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना बीटा टु पुलिस ने बुधवार को मुठभेड़ के उपरांत मोबाइल फोन लूट कर भाग रहे एक अभियुक्त दीपक सैनी पुत्र भूलेराम निवासी संतराम कालोनी कस्बा व थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस मुठभेड़ में पुलिस द्वारा की गई जबावी फायरिंग में उपरोक्त अभियुक्त पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। जिसे पुलिस द्वारा उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने लूट के तीन मोबाइल फोन और एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय एक कारतूस जिन्दा व दो कारतूस खोका बरामद किए हैं।अभियुक्त दीपक उपरोक्त का एक अन्य साथी बंटी पुत्र हरीश्चन्द्र निवासी ग्राम भरतरी थाना गभाना जिला अलीगढ जो कि मौके से फरार हो गया है। अभियुक्त मोटर साइकिल पर सवार होकर राह चलते लोगों व ऑटो में सफर कर रहे लोगों से मोबाइल छीनकर मोटर साइकिल से फरार हो जाते हैं। अभियुक्त शातिर किस्म के मोबाइल स्नैचर हैं। फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु कॉम्बिंग की जा रही है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जूम ऐप पर जिला स्तरीय एण्टी टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न

ग्रेटर नोएडा। प्रभारी अधिकारी (भूलेख) गौतमबुद्धनगर ने बताया कि जिलाधिकारी, गौतमबुद्धनगर की अध्यक्षता में आज जूम ऐप पर जिला स्तरीय एण्टी टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र के ग्राम धूममानिकपुर में प्राधिकरण की बिना अनुमति/नक्शा पास कराये अवैध कॉलोनी/प्लाटिंग करने के सम्बन्ध में पुरुषोत्तम दास पुत्र ओमप्रकाश अग्रवाल निवासी एनडी -4, पीतमपुरा नई दिल्ली को भूमाफिया घोषित करने के सम्बन्ध में प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा पुरुषोत्तम दास पुत्र ओमप्रकाश अग्रवाल निवासी एनडी-4 पीतमपुरा, नई दिल्ली को भूमाफिया घोषित करने का निर्णय लिया गया एवं इनके विरुद्ध एफआईआर / सुसंगत धाराओं में नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही किये जाने के लिए निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त पूर्व में घोषित भूमाफिया मनोज कुमार राठौर पुत्र परमाल राठौर निवासी सलीमपुर मांजरा ग्राम बुराड़ी दिल्ली, विकास पुत्र बलेश्वर निवासी ग्राम सर्फाबाद तथा पदम, राजपाल, विजय पुत्रगण लखमी निवासी ग्राम पर्थला खंजरपुर जनपद गौतमबुद्धनगर के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश उपजिलाधिकारी दादरी को दिये गये।

मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के दावे के बावजूद दिल्ली में जल संकट

जे.जे. कलस्टरों में पानी को लेकर हो रही है हत्याऐं : चौ0 अनिल कुमार

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की मुफ्त पानी देने की योजना पोल वसंत कुंज झुग्गी झौपड़ी में पानी की किल्लत के कारण हुई महिला की हत्या ने खोल दी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जल संकट गहरा गया है जिसके कारण लोगों में आपसी विवाद के चलते दिल्ली में अपराध बढ़ रहे हैं और लोगों की जाने जा रही है। उन्होंने कहा कि अरविन्द केजरीवाल दिल्लीवालों को प्रतिमाह 20000 लीटर मुफ्त पानी देने का दावा कर रहे है जबकि सच्चाई यह है कि स्लम कलस्टर व झुग्गी झौपड़ियों में पानी की कोई सुविधा नही है, जिसके लिए दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार जिम्मेदार है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि अरविन्द केजरीवाल सरकार दिल्ली में मूलभूत सुविधाऐं देने में पूरी तरह विफल रही है, उनके लिए कोई सार्थक योजनाएं नही बनाई है सिर्फ खोखली घोषणा करके केजरीवाल दिल्ली वालों को भ्रमित कर रहे है, उनका पूरा ध्यान पंजाब में राजनीति करने पर लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की कांग्रेस सरकार ने सभी दिल्लीवासियों को मुफ्त स्वच्छ पानी मुहैया कराया था और सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2015 तक प्रति व्यक्ति 50 गैलन पानी उपलब्ध था जो वर्ष 2021 में घटकर 45 गैलन रह गया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के 8 वर्षों के कार्यकाल में दिल्ली जल बोर्ड ने जल की उपलब्धता घटी है और भ्रष्टाचार के कारण घाटा करोड़ों में बढ़ा है। चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की दिल्ली में लागू सभी नीतियां पूरी तरह विफल रही है।

लगातार लैंडफिलों में लगती आग के कारण दिल्ली की स्थिति भयावह : चौ0 अनिल कुमार

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली सरकार और भाजपा शासित दिल्ली नगर निगम की निगरानी होने के बावजूद एक बार फिर भलस्वा लैंडफिल में भीषण आग सरकार की योजनाओं और नीतियों पर प्रश्न चिन्ह लगाता है। भलस्वा लैंडफिल में लगी भयानक आग से नजदीकी क्षेत्रों में भीष्ण गर्मी में प्रदूषण का स्तर खतरनाक से भी अधिक स्तर पर पहुच गया है और तापमान असहनीय हो गया है, जिसके कारण आसपास के गांव के लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी है, लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि भाजपा शासित दिल्ली नगर निगम और केजरीवाल सरकार की लापरवाही के कारण औखला, गाजीपुर और भलस्वा लैंडफिलों पर लगातार आग लगने की घटनाऐं हो रही है, जो अरविन्द केजरीवाल के दिल्ली मॉडल के प्रदूषण नियंत्रण की पोल खोलता है।

उन्होंने कहा कि राजधानी में वायु प्रदूषण पहले ही खतरे के स्तर से उपर रहता है फिर लैंडफिलों पर आग जहरीले धुंए के कारण लोगों का जीना दूभर हो रहा है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि भाजपा शासित दिल्ली नगर निगम और केजरीवाल सरकार की पर्यावरण विभाग द्वारा औखला लैंडफिलों का कूड़ा संशोधित करने पर करोड़ो रुपये खर्च किए है परंतु औखला, गाजीपुर, भलस्वा लैंडफिलों पर कूड़े के पहाड़ कम होते नही दिख रहे है। सच्चाई यह है कि भ्रष्टाचार के कारण काम सिर्फ दस्तावेजों में रहे है, वास्तविकता आग लगने पर उजागर हो जाती है क्योंकि इस साल तक आग लगने की 5 घटनाऐं हुई है जबकि पिछले साल इसी अवधि में आग लगने की 16 घटनाऐं हुई थी जिनमें 12 भलस्वा लैंडफिल साईट और 4 गाजीपुर लैंडफिल में हुई थी। उन्हांने कहा कि दिल्ली नगर निगम और मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल व उनके मानसिकता की संकुचित मानसिकता यह है कि जमीनी हकीकत से दूर कार्य को अंजाम देने की बजाय सिर्फ खोखली बयानबाजी करते हैं।

भाजपा की लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण भलस्वा लैंडफिल पर लगी इस महीने की चौथी भीषण आग

पिछले एक साल में लगभग 14 बार आग लग चुकी है लेकिन भाजपा कोई कार्रवाई नहीं कर रही है

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। मंगलवार रात को भलस्वा लैंडफिल साइट पर लगी भीषण आग पर आम आदमी पार्टी ने प्रेसवार्ता कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। आम आदमी पार्टी ने इसे आपराधिक लापरवाही बताते हुए एफआईआर की मांग की है। एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि इस महीने कल चौथी बार भलस्वा लैंडफिल पर भीषण आग लगी, जिसको बुझाने की प्रक्रिया अभीतक जारी है। लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। लोगों में डर बना हुआ है कि यदि आग का एक छोटा गोला भी नीचे गिर गया तो पूरी कॉलोनी में आग लग जाएगी। यह सब भाजपा की लापरवाही और भ्रष्टाचार का नतीजा है। पिछले एक साल में लगभग 14 बार आग लग चुकी है लेकिन भाजपा कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। और जब उनसे कूड़े के पहाड़ों पर सवाल करो तो वह जवाब देने से मना कर देते हैं।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रेसवार्ता को संबोधित किया। दुर्गेश पाठक ने कहा कि पिछले 15 सालों से एमसीडी में भाजपा की सरकार है। इतने सालों में भाजपा ने जो भ्रष्टाचार किया है, उसका सबसे बड़ा जीता-जागता सबूत दिल्ली के 3 बड़े-बड़े कूड़े के पहाड़ हैं। इस महीने कल चौथी बार भलस्वा लैंडफिल साइट में भीषण आग लगी है। आग बुझाने की कोशिश अभीतक जारी है। आसपास की लगभग सभी कॉलोनियों में लोग सांस नहीं ले पा रहे हैं। लोगों में डर बना हुआ है कि यदि आग का एक छोटा गोला भी नीचे गिर गया तो पूरी कॉलोनी में आग लग जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को हम कई बार उठा चुके हैं। पिछले 15 सालों से यह अब हर दिन की कहानी बन चुकी है। भाजपा के कूड़े के पहाड़ों में अब हर दिन आग लग रही है। जिससे वहां के लोग परेशान हो रहे हैं। पिछले एक साल में लगभग 14 बार आग लग चुकी है। कुछ दिन पहले कूड़े के पहाड़ का एक हिस्सा गिर गया था, जिसके नीचे 3 लोग दब गए थे। लेकिन भाजपा इसपर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। उनकी ओर से एक भी ऐसा कदम नहीं उठाया गया है, जिससे यह लगे भाजपा इसपर कोई काम कर रही है। वहां के सांसद गौतम गंभीर जी ट्वीट करके बताते रहते हैं कि इतना काम हो गया है। मैं गौतम गंभीर जी से कहना चाहता हूं कि आईपीएल छोड़कर उनपर ध्यान दीजिए जिन्होंने आपको वोट दिया है।

कूड़े के पहाड़ों को कम करने में भाजपा का करोड़ों का भ्रष्टाचार

दुर्गेश पाठक ने कहा कि 15 सालों में बीजेपी ने कोर्ट की सुनवाई में भी कई बार झूठ बोला है और कूड़े के पहाड़ को साफ करने की कई तारीखें दी हैं। लेकिन आजतक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। लगभग 80 लाख टन से अधिक कूड़ा इन पहाड़ों पर लदा हुआ है लेकिन भाजपा कोई कदम नहीं उठा रही है। हमने कई बार बताया कि कूड़े की मशीन की खरीद पर भी भाजपा ने 180 करोड़ का भ्रष्टाचार किया। हमने कई बार बताया है कि कूड़े को प्रॉसेस करने की प्रक्रिया में भी भ्रष्टाचार किया गया है। भाजपा के भ्रष्टाचार के कारण दिल्ली के लोग आज सांस नहीं ले पा रहे हैं। दिल्ली के पटपड़गंज, विश्वासनगर और कोंडली की जो कॉलोनियां हैं, वहां के लोग इस बात से परेशान हैं कि कहीं रात को उनके घर में आग न लग जाए। भाजपा की लापरवाही अपराध से कम नहीं है। कुछ दिनों पहले विधानसभा के माध्यम से हमने भाजपा से पूछा कि आप कूड़े को साफ करने के लिए क्या कर रहे हैं? इसमें कितना वक्त लगेगा और इसकी प्रक्रिया क्या होगी? भाजपा ने कुछ भी बताने से मना कर दिया। इसका कारण भाजपा का भ्रष्टाचार है। दिल्ली का एक-एक कूड़ा और एक-एक प्लास्टिक भाजपा के भ्रष्टाचार का जीता-जागता सबूत है।

एमसीडी प्रभारी ने कहा कि आम आदमी पार्टी यह मांग करती है कि भाजपा के मेयर, पार्षद, सभी के खिलाफ आपराधिक लापरवाही की एफआईआर होनी चाहिए और सभी के खिलाफ जेल की कार्रवाई होनी चाहिए। क्योंकि इनके कारण वहां के लोग बद से बदतर जिंदगी जीने को मजबूर हैं। स्थिति यह है कि कभी भी किसी की भी जान जा सकती है। लोगों को सांस लेने में इतनी समस्या हो रही कि वह लोग अपनी कॉलोनी छोड़कर भागने को मजबूर हैं।

चौथी लहर की आहट के बीच कोरोना के नए मामले 1300 के पार

6 फरवरी के बाद सबसे ज्यादा केस दर्ज

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस की चौथी लहर की आहट के बीच बुधवार को संक्रमण के 1367 नए मामले सामने आए वहीं एक व्यक्ति की मौत हो गई। नए मरीजों का यह आंकड़ा बीते 6 फरवरी के बाद से सर्वाधिक है। इसके अलावा, बीते 24 घंटे में 1042 मरीजों को छुट्टी दी गई। स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान सकारात्मकता दर 4.50 प्रतिशत रही। राजधानी दिल्ली में अब कोरोना के एक्टिव केस की संख्या 4832 हो गई है। इससे पहले, दिल्ली में मंगलवार को मंगलवार को कोरोना के 1,204 नए मामले सामने आए थे और एक व्यक्ति की मौत हुई थी।

बुधवार को जारी हुए स्वास्थ्य विभाग ने एक बुलेटिन के अनुसार, दिल्ली में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 18,78,458 हो गई है। इनमें से 18,47,456 मरीज ठीक हो चुके हैं, जबकि 26168 मरीजों ने दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर 1.39 फीसदी है। बुलेटिन के मुताबिक, मंगलवार को कोरोना की जांच के लिए 30346 टेस्ट हुए। इनमें से 4.50 फीसदी कोरोना संक्रमित पाए गए। आरटीपीसीआर से 20,024 और रैपिड एंटीजन से 10,332 टेस्ट हुए। दिल्ली में अभी तक 3,77,62,098 टेस्ट हो चुके हैं। विभाग के अनुसार, दिल्ली में बढ़ते मामलों के साथ हॉटस्पॉट की संख्या 919 है।

दिल्ली के बाजारों में फिर से लागू हुए नियम

दिल्ली में कोविड-19 के बढ़ते मामलों से चिंतित व्यापारी संघों ने बाजारों में नियमों का पालन फिर से शुरू कर दिया है। इसके तहत नियमति रूप से सैनिटाइजेशन किया जा रहा है। क्या करें, क्या न करें के पोस्टर लगाए जा रहे हैं और लोग ठीक तरह से मास्क पहनें, यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में बीते कुछ दिन से कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। 11 अप्रैल को उपचाराधीन रोगियों की संख्या 601 थी जो अब बढ़कर 4832 हो गई है। नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (एनडीटीए) ने कहा है कि वह यह सुनिश्चित कर रहा है कि बाजारों में सभी आवश्यक सावधानियों का पालन किया जाए। उसने अपने सभी सदस्यों से बूस्टर खुराक लेने का आग्रह किया है।

एक महिला समेत दो लोगों के शव नहर से बरामद, हत्या की आशंका

नोएडा। नोएडा के जारचा थाना क्षेत्र में एक महिला समेत दो लोगों का शव नहर से बरामद किया गया है। पुलिस आयुक्त आलोक सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि बीती रात को नहर में एक अज्ञात महिला का शव मिला। उन्होंने बताया कि पुलिस आसपास के लोगों की सहायता से शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस को शक है कि महिला की हत्या कर शव को नहर में फेंका गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चलेगा। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में सोशल मीडिया और अन्य माध्यम से इस बात की सूचना प्रसारित की। पुलिस आयुक्त आगे ने बताया कि नहर से एक अन्य शव भी मिला और मृतक की शिनाख्त बुधवार सुबह मुरादनगर निवासी अतुल शर्मा के रूप में हुई है। इस बाबत निवाड़ी थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज थी। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस बीच, सेक्टर-63 थाना क्षेत्र के छीजारसी कॉलोनी में रहने वाली एक महिला का शव बुधवार सुबह पंखे के फंदे से लटका हुआ मिला है। महिला के ससुराल पक्ष के लोगों का कहना है कि उसने आत्महत्या की है जबकि उसके मायके वालों का आरोप है कि उसकी दहेज के लिए हत्या की गई है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अपर पुलिस उपायुक्त (द्वितीय जोन) ईलामारन ने बताया कि सेक्टर-63 थाना क्षेत्र के छीजारसी कॉलोनी में रहने वाली सबा (19) का शव बुधवार सुबह उसके घर पर पंखे के फंदे से लटका हुआ मिला है। उन्होंने बताया कि मृतका के पति शादाब ने पुलिस को बताया है कि उसने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या की है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने मोहम्मदपुर गांव का नाम बदलकर माधवपुरम का बोर्ड लगाया

आजादी के 75 वर्ष बाद भी गुलामी का कोई प्रतीक चिन्ह दिल्लीवासी नहीं चाहते : आदेश गुप्ता

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने निगम में पास होने के बाद मोहम्मदपुर गांव के नाम का बोर्ड हटाकर उसके स्थान पर माधवपुरम का बोर्ड लगाने के उपरांत गांव का विधिवत नामकरण किया। अब से यह गांव मोहम्मदपुर की जगह माधवपुरम नाम से जाना जाएगा। श्री आदेश गुप्ता ने माधवपुरम गांव का दौरा करने के बाद चौपाल में ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी अन्य समस्याओं को जाना। इस मौके पर श्री आदेश गुप्ता ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह महज शुरुआत है क्योंकि आने वाले समय में जिन 40 गांवों के नामों को बदलने के लिए ग्रामवासियों ने आवाज़ उठाई है, वे सभी बदले जाएंगे।

गुप्ता ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष बाद भी गुलामी का कोई प्रतीक चिन्ह हमारा हिस्सा हो, ये कोई भी दिल्लीवासी नहीं चाहता, लेकिन पिछले पांच महीनों से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी केजरीवाल सरकार गुलामी के प्रतीक इस गांव के नाम को बदलने की जहमत नहीं उठाई और ना ही इसका कोई जवाब दिया। जिससे ग्रामीणों के अंदर रोष था, लेकिन आज इस गांव का नाम माधवपुरम होने से सभी ग्रामवासी खुश हैं।

आदेश गुप्ता ने कहा कि निगम के टाउन प्लांनिंग विभाग ने दिल्ली सरकार के यूडी विभाग को 9 दिसंबर 2021 को दिया था जिसमें मोहम्मदपुर गांव का नाम बदलकर माधव पुरम रखने का अनुरोध किया गया था फिर भी इस पर कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि आज यह पहला गांव है जिसका नाम बदला गया है, लेकिन आने वाले समय में दिल्ली के ऐसे 40 गांव हैं जिनके नाम बदल दिए जाएंगे जिनमें हुमायूंपुर, युसूफ सराय, मस्जिद मोठ, बेर सराय, मसूदपुर, जमरूदपुर, बेगमपुर, सदैला जॉब, फतेहपुर बेरी, हौज खास, शेख सराय, नजफगढ़ इत्यादि सहित अन्य गाँवों के नाम भी शामिल हैं। इन सभी गांवों का नाम बदलकर स्वतंत्रता सेनानियों, देश एवं समाज के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले देशभक्तों एवं समाजसेवियों के नाम पर रखा जाएगा।

आदेश गुप्ता ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले अरविंद केजरीवाल आज पूरी तरह से बेनकाब हो चुके हैं क्योंकि एक विशेष समुदाय का वोट लेने के लालच में ही वे इन गांवों का नाम नहीं बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश जान चुका है कि तुष्टिकरण की राजनीति करते-करते आम आदमी पार्टी दिल्ली का माहौल खराब करने की कोशिश कर रही है। जब भी कुछ अच्छा होना होता है तो उसमें आप के विधायक एवं उनके मंत्री झूठ और बेबुनियादी बातें करके लोगों को भड़काने का काम करने लगते हैं, लेकिन भाजपा ने जिन 40 गांवों के नामों को बदलने का बीणा उठाया है, उसे बदलकर ही रहेगी।

नोएडा बार हत्याकांड में मॉल के बाउसंर समेत सात आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा पुलिस ने सेक्टर 38 ए स्थित गॉर्डन गैलेरिया मॉल के बार में युवक की हत्या के मामले में मॉल के बाउंसर समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में बार के दो मैनेजर भी शामिल है। जबकि वारदात में फरार दो आरोपियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

बता दें कि मूलरुप से सीवान के छपरा स्थित हसनपुरा निवासी बृजेश राय सेक्टर 80 स्थित बैटरी बनाने वाली एक कंपनी में परचेज मैनेजर थे। वह सेक्टर 76 स्थित आम्रपाली प्रिंसले एस्टेट सोसाइटी में रहते थे। बृजेश सोमवार रात को अपने छह अन्य सहकर्मियों के साथ पार्टी करने सेक्टर 38 ए गार्डन गैलेरिया मॉल के दी लास्ट लेमन नाम के बार में आये थे। यहां पर 7400 रुपये के बिल को लेकर प्रबंधन और बृजेश पक्ष में विवाद हो गया था। इसके बाद बाउंसरों व अन्य कर्मचारियों ने बृजेश की मॉल के अंदर पीट-पीटर हत्या कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने मंगलवार को सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

एडीसीपी रणविजय सिंह ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तराखंड के नैनीताल स्थित निवारन नगर निवासी कुमेर सिंह बंगारी, उतराखंड के चंपावत स्थित छतौली चौमेल निवासी हिमांशु कुमार, दिल्ली के मैदानगढ़ी रोड छतरपुर निवासी देवेन्द्र सिंह, हिमाचल प्रदेश के मंडी स्थित गांव गटनाला निवासी मैडी ठाकुर, सेक्टर 45 सदरपुर निवासी गुड्डू सिंह, सूरजपुर के गांव कैलाशपुर निवासी कपिल उर्फ नाहर सिंह और सेक्टर 15 निवासी सुन्दर सिंह रावत के रुप में हुई है।

मॉल के बाउंसर मैडी और गुड्डू ने की हैवानियत

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि मैडी ठाकुर और गुड्डू सिंह मॉल प्रबंधन के बाउंसर हैं। सभी आरोपियों ने लात-घूसों से पीट-पीटकर बृजेश की हत्या की थी।

सबसे ज्यादा हैवानियत बाउंसर मैडी ठाकुर और गुड्डू सिंह ने की थी। पुलिस को मॉल से मिली सीसीटीवी फुटेज में दोनों आरोपी बृजेश को जमीन पर गिराकर ताबड़तोड़ लात-घूसों से वार कर रहे हैं।

कुछ लोग बृजेश को छुड़ाने का भी प्रयास करते हैं, लेकिन दोनों आरोपी किसी की नहीं सुनते हैं। वहीं, मारपीट में बार के मैनेजर देवेंद्र सिंह और सुंदर सिंह रावत भी शामिल हैं।

जबकि कुमेर सिंह, हिमांशु व कपिल सिंह बार में वेटर का काम करते हैं। इस मामले में बार के मालिक की भूमिका की भी पुलिस जांच कर रही है और इसकी भी जांच की जा रही है कि घटना के समय वह मौके पर था या नहीं।

एक नामजद व अज्ञात आरोपी की तलाश में छापेमारी

अभी मामले में दो आरोपी फरार है। पुलिस एक नामजद सहित एक अज्ञात आरोपी की तलाश कर रही है। फरार अज्ञात आरोपी के बारे में बताया गया है कि बाउंसरों के बाद उसने सबसे ज्यादा बृजेश की पिटाई की। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात आरोपी की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

दिल्ली के बवाना में दो लोगों की सीवर में गिरने से मौत

दिल्ली। दिल्ली के बवाना औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार सुबह सीवर में उतरे दो युवकों की जहरीली गैस की चपेट में आने के चलते मौत हो गई। सीवर में गिरने की सूचना के बाद मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस और दमकल की टीम ने रेक्स्यू ऑपरेशन चलाकर दोनों को सीवर से बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने दोनों अब्दुल सलाम (18) व चितरंजन चौधरी (26) को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अम्बेडकर अस्पताल में रखवा दिया है। दोनों के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक अब्दुल सलाम औचंदी रोड बवाना का रहने वाला था और कूड़ा बिनने का काम करता था। जबकि चितरंजन चौधरी प्रकाश विहार शाहबाद दौलतपुर का रहने वाला था। वह टाटा टैम्पो एस (छोटा हाथी) चलाता था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुधवार को डीएसआईडीसी बवाना सेक्टर-चार स्थित गंगा टोली रोड पर सीवर में दो युवकों के गिरने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पता चला कि अब्दुल ने सीवर का ढक्कर हटाया और अपने भाई को सीवर के बाहर खड़ा कर प्लास्टिक का कबाड़ उठाने सीवर के अंदर चला गया। सीवर के अंदर जहरीली गैस की चपेट में आकर वह बेसुध हो गया और काफी समय तक बाहर नहीं आया। जिसके बाद बाहर खड़े उसके भाई 12 वर्षीय साहिल ने शोर मचाना शुरू कर दिया। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

इसी दौरान वहां से गुजर रहा पेशे से टैम्पो चालक चितरंजन चौधरी भी लोगों की भीड़ को देख वहां रुक गया। सीवर के बाहर से सब लोग देख रहे थे, लेकिन कोई अंदर जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। जिसके बाद अब्दुल को बचाने के लिए चितरंजन चौधरी सीवर में उतर गया। लेकिन वहां भी काफी देर तक बाहर नहीं आया।

संपादकीय

सौ से ज्यादा सीटें जीतने के बावजूद अपनी पार्टी को बचाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं अखिलेश यादव

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ विपक्ष की लड़ाई की धार लगातार कुंद होती जा रही है। यूपी विधान सभा चुनाव से पहले जहां बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने बीजेपी के खिलाफ हथियार डाल दिए थे, वहीं चुनाव नतीजों में जनता ने कांग्रेस को नकार दिया। प्रियंका वाड्रा पर प्रदेश की जनता ने 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद 2022 के विधान सभा चुनाव में भी भरोसा नहीं किया। बल्कि कांग्रेस की हालत और भी पतली हो गई। पंजाब विधान सभा चुनाव में बड़ा धमाका करने वाली आम आदमी पार्टी यूपी में चारों खाने चित हो गई। ऐसे में थोड़ी बहुत उम्मीद सपा प्रमुख अखिलेश यादव से नजर आ रही थी कि वह अगले पांच वर्षों तक योगी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले रहेंगे, क्योंकि उनकी सीटें बढ़ी थीं। सपा 2017 में 47 सीटें जीत पाई थी औरे इस बार उसने सौ से अधिक सीटों पर जीत दर्ज की लेकिन 111 विधान सभा सीटें जीतने के बाद भी अखिलेश अपनी पार्टी को बचा नहीं पा रहे हैं। जिस तरह से चुनाव के पहले मायावती और नतीजों के बाद प्रियंका वाड्रा गांधी दीनहीन नजर आ रही थीं, उसी प्रकार अब समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव बीजेपी के खिलाफ लड़ाई में काफी बौने नजर आ रहे हैं। उनके (अखिलेश) परिवार का विवाद सुलझने का नाम नहीं ले रहा है तो पार्टी के दिग्गज नेता एक के बाद अखिलेश की सियासी समझ पर सवाल खड़ा करके विद्रोह करते जा रहे हैं। विधान सभा चुनाव सम्पन्न हुए अभी दो महीने भी पूरे नहीं हुए हैं, लेकिन समाजवादी पार्टी में बगावत का हाल यह है कि ऐसा लग रहा है कि कल चुनाव होने वाला है और जिनको टिकट मिलने की उम्मीद नहीं है, वह पार्टी से किनारा करते जा रहे हैं। अखिलेश यादव लगातार क्यों नाकामयाब हो रहे हैं? जबकि सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने 2012 में जब अखिलेश यादव को सीएम की कुर्सी पर बैठाया था तो उनसे काफी उम्मीद थी। नेताजी को लग रहा था कि बेटा अखिलेश उनकी सियासी विरासत को आगे बढ़ाएगा। लेकिन अखिलेश ने सपा को आगे ले जाने की बजाए गर्दिश में डाल दिया है। अखिलेश 49 साल के होने को हैं। साल 2000 से किसी न किसी सदन के सदस्य बनते रहे हैं। लगातार पांच साल देश के सबसे बड़े राज्य यूपी के मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन नेतृत्व की कसौटी पर अखिलेश फ्लॉप नेता साबित होते दिखते हैं। अखिलेश के 2012 में यूपी का मुख्यमंत्री बनने के बाद 2014 में लोकसभा का चुनाव हुआ, जिसमें समाजवादी पार्टी सिर्फ पांच सीटें जीत पाई। यह कहा जा सकता है कि 2014 में तो पार्टी की कमान उनके पिता मुलायम सिंह यादव के पास थी, लेकिन 2017 विधानसभा, 2019 लोकसभा और 2022 विधानसभा चुनावों में सब कुछ अखिलेश के हाथ में था और इन तीनों चुनाव में समाजवादी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। 2022 विधानसभा चुनाव में कांटे का मुकाबला होने की बात कही जा रही थी, लेकिन नतीजा आने पर पता चला कि समाजवादी पार्टी बहुत पीछे रह गई। उसके हिस्से में महज 111 सीटें ही आईं, सहयोगियों के साथ भी वह केवल 125 सीट ही जीत पाई। उसके मुकाबले में बीजेपी थी, जिसने अकेले 255 सीटें जीतीं। इसी महीने हुए स्थानीय निकाय कोटे से यूपी विधान परिषद की 33 सीटों के चुनाव में अखिलेश के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई। राजनीति के जानकारों का कहना है कि पिछले चार चुनावों से यही देखने को मिल रहा है कि अखिलेश यादव अपनी ग़ैर राजनीतिक टीम पर ज़रूरत से ज्यादा भरोसा करने का खामियाजा भुगत रहे हैं। चुनावी रणनीति बनाने के मामले में वो अपने पिता का कभी मुक़ाबला नहीं कर पाए। हाल में सम्पन विधान सभा चुनाव की बात की जाए तो पूरे चुनाव प्रचार के दौरान सपा प्रमुख 'वन मैन आर्मी' की तरह आगे बढ़ते रहे और अपने पिता की तरह जनेश्वर मिश्र, रेवती रमण सिंह, माता प्रसाद पाँडे, बेनी प्रसाद वर्मा और आज़म ख़ाँ जैसा दूसरी पंक्ति का नेतृत्व देना तो दूर उसके आसपास भी नहीं फटके।

ब्रह्मोस ने भारत की वायु रक्षा प्रणाली को असीमित शक्ति प्रदान कर दी है

योगेश कुमार गोयल

भारत का अचूक ब्रह्मास्त्र मानी जाने वाली 'ब्रह्मोस' सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल एक के बाद एक सफलता के नए-नए पड़ाव पार करते हुए अपनी क्षमताओं और ताकत से पूरी दुनिया को हतप्रभ कर रही है। ब्रह्मोस मिसाइल जब करीब तीन हजार किलोमीटर प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ती है तो किसी भी देश की वायु रक्षा प्रणाली के लिए इसे रोक पाना लगभग नामुमकिन हो जाता है। पिछले दिनों सफलता का एक और पड़ाव पार करते हुए ब्रह्मोस ने एक ही लक्ष्य के खिलाफ दो सफल वार किए। पहला परीक्षण भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस दिल्ली द्वारा देश के पूर्वी समुद्र तट पर एक जहाज को निशाना बनाते हुए किया गया और बिना वारहेड वाली ब्रह्मोस मिसाइल ने इस जहाज में एक बड़ा सुराख बना दिया। इस सफल परीक्षण के बाद ब्रह्मोस मिसाइल के एयर-लांच संस्करण से लैस भारतीय वायुसेना के सुखोई-30 एमकेआई विमान ने एयरबेस से उड़ान भरते हुए उसी जहाज पर पुनः वार किया और ब्रह्मोस के वारहेड से सीधे टकराने के बाद जहाज पानी में डूब गया। इन परीक्षणों के लिए भारतीय वायुसेना तथा नौसेना द्वारा एक-दूसरे के साथ समन्वय किया गया था।

भारत और रूस के संयुक्त प्रयासों से बनाई गई सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल 'ब्रह्मोस' के अलग-अलग संस्करणों के अभी तक कई परीक्षण किए जा चुके हैं और सभी परीक्षणों में ब्रह्मोस ने अपनी जो ताकत दुनिया को दिखाई है, उससे यह हिन्द की बाहुबली और रण की बॉस ही साबित हुई है। रक्षा अधिकारियों का कहना है कि निकट भविष्य में ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल के अभी और भी प्रक्षेपण होने जा रहे हैं। वैसे पहले से बनी इन शक्तिशाली मिसाइलों को अब और ज्यादा शक्तिशाली बनाते हुए भारत पूरी दुनिया को अपनी स्वदेशी ताकत का अहसास कराने का भी सफल प्रयास कर रहा है। ब्रह्मोस अपनी श्रेणी में दुनिया की सबसे तेज परिचालन प्रणाली है और डीआरडीओ द्वारा इस मिसाइल प्रणाली की सीमा को 290 किलोमीटर से बढ़ाकर करीब 450 किलोमीटर तक किया जा चुका है। लंबी दूरी पर मौजूद लक्ष्यों पर अचूक प्रहार करने की अपनी क्षमता को विभिन्न परीक्षणों में बखूबी प्रदर्शित कर चुकी ब्रह्मोस की ताकत को इसी से समझा जा सकता है कि इसकी रफ्तार ध्वनि की गति से करीब तीन गुना ज्यादा है। ब्रह्मोस अब न केवल भारत के तीनों सशस्त्र बलों के लिए एक बेहद शक्तिशाली हथियार बन गई है बल्कि गर्व का विषय यह है कि अभी तक जहां भारत अमेरिका, फ्रांस, रूस इत्यादि दूसरे देशों से मिसाइलें व अन्य सैन्य साजोसामान खरीदता रहा है, वहीं भारत अपनी इस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल को दूसरे देशों को निर्यात करने की दिशा में अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल को पनडुब्बियों, विमानों और जमीन से अर्थात् तीनों ही स्थानों से सफलतापूर्वक लांच किया जा सकता है, जो भारतीय वायुसेना को समुद्र अथवा जमीन के किसी भी लक्ष्य पर हर मौसम में सटीक हमला करने के लिए सक्षम बनाती है। बेहद ताकतवर ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें भारतीय वायुसेना के 40 से भी अधिक सुखोई लड़ाकू विमानों पर लगाई जा चुकी हैं, जिससे सुखोई लड़ाकू विमान पहले से कई गुना ज्यादा खतरनाक हो गए हैं। सुखोई विमान की दूर तक पहुंच के कारण ही इस विमान को 'हिंद महासागर क्षेत्र का शासक' भी कहा जाता है और ब्रह्मोस से लैस सुखोई अब दुश्मनों के लिए बेहद घातक हो गए हैं। ब्रह्मोस मिसाइल मध्यम रेंज की रेमजेट सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसे पनडुब्बियों, युद्धपोतों, लड़ाकू विमानों और जमीन से दागा जा सकता है। यह दस मीटर की ऊंचाई पर भी उड़ान भर सकती है और रडार के अलावा किसी भी अन्य मिसाइल पहचान प्रणाली को धोखा देने में भी सक्षम है, इसीलिए इसे मार गिराना लगभग असंभव माना जाता रहा है।

साम्प्रदायिक भाइचारे से खिलवाड़ कब तक?

-ललित गर्ग -

देश लम्बे समय से शांत था, एकाएक एक वर्ग-विशेष एवं कतिपय राजनीतिक दलों को यह शांति, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं अमन-चैन की स्थितियां रास नहीं आयी और उन्होंने साम्प्रदायिक भाईचारे एवं सौहार्द को खण्डित करने का सफल षडयंत्र रच दिया। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को दो अलग-अलग मामलों में यह बिल्कुल साफ कर दिया कि देश के सांप्रदायिक भाईचारे से खिलवाड़ करने की छूट किसी को नहीं दी जाएगी और इसके लिए शीर्ष अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकते। राष्ट्रीय एकता-अखण्डता, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं शांति-व्यवस्था को किसी भी जाति एवं धर्म का व्यक्ति आहत करें, उसकी निन्दा ही नहीं, कठोर कार्रवाही होनी ही चाहिए। ऐसी घटनाओं के प्रति न्यायालय जागरूक हो, उससे पहले समाज को जागरूक होना चाहिए। हम अलविदा करें उन सब साम्प्रदायिक दुराग्रहों एवं संकीर्णता की बदलती पर्यायों और परिणामों को जो हमें विकास, आपसी भाईचारे, प्रेम, सुयश के साथ-साथ जीवन की शांति एवं समाधि से वंचित रख देते हैं। दुनिया की महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर होते हुए हमें उन सभी सवालों के उत्तर खोजने होंगे जो हमारी सौहार्द एवं शांति की संस्कृति पर प्रश्नचिन्ह खड़े करते हैं। बड़ा प्रश्न है कि साम्प्रदायिक नफरत एवं द्वेष के वातावरण में भारत कैसे शक्तिशाली बन सकेगा?

साम्प्रदायिक हिंसा, नफरत एवं द्वेष की स्थितियां दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल ही नहीं, अब तो राजस्थान जैसे शांति एवं सौहार्दप्रिय प्रांत में राजनीतिक आग्रह का कारण बन रही है। अल्पसंख्यक समुदाय को खुश करने के लिये बहुसंख्यक समुदाय की भावनाओं को आहत करना राजनीतिक दुराग्रह का द्योतक है। साम्प्रदायिक संकीर्णता एवं हिंसा रूपी कोढ़ माँ के शरीर पर चिपके हुए हैं। ये तो वो फोड़े हैं जो मिटते नहीं, रिसते रहते हैं। एक बात समझ में नहीं आती कि वर्षों से साथ-साथ रहने वाले लोग एक मिनट में ही कैसे जान के दुश्मन हो जाते हैं। जो बीत गया वह झूठ था या यह जो घट रहा है वह झूठ है। और हां ये सब दंगे त्यौहारों, पर्वों पर ही क्यों होते हैं? ये तो जिस किसी के हैं, पवित्रता का ही बोध कराते हैं।

त्यौहार, जो भाईचारे के, पवित्रता के, प्रकाश के, रंगों के, अच्छाइयों के, यूं कहें जीवन मूल्यों के प्रतीक थे। संस्कृति, सभ्यता के बेशकीमती तानों-बानों से गुंथे हुए थे। ये आज भी ताज से उजले, गंगा से पावन, कुतुबमीनार जैसे ऊंचाई लिए हुए, भाखड़ा जैसे जीवनदायी और अपने में महापुरुषों का संदेश संजोए हुए हैं। जो यह हम हैं कि इन सबसे परिचित नहीं हो रहे हैं, लगता है हमारी पात्रता में ही कहीं सुराख हो गए हैं।

रामनवमी से अब तक देश में सांप्रदायिक हिंसा की कई घटनाएं हो चुकी हैं और इन वारदातों का दायरा लगभग एक दर्जन राज्यों में फैल चुका है। ऐसे में, सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणियां काफी महत्वपूर्ण हैं। यदि

शीर्ष अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होने लगे, तो प्रशासनिक लापरवाही की गुंजाइश ही नहीं रह बचेगी। दोषी व्यक्तियों के प्रति निष्पक्षता से कानूनी कार्रवाही होने लगे तो विखण्डन एवं विद्वेष की खाइयां चोड़ी नहीं होगी, बल्कि इन्हें बार-बार दोहराने का अपराध करने वाले भी सहमेंगे। यह जानते हुए कि सांप्रदायिक हिंसा से न सिर्फ पूरा सामाजिक ताना-बाना प्रभावित होता है, जान-माल की क्षति होती है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि धूमिल होती है, हमारा तथाकथित राजनीतिक अमला एवं संकीर्ण एवं देश तोड़क साम्प्रदायिक शक्तियां प्रायः बेहतर नजीर नहीं पेश कर पाती। समाज के अगुवा लोग भी अब बहुत सक्रिय नहीं दिखते। कैसी विसंगतिपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियां हैं कि लोग नुकसान हो जाने के बाद तिरंगा यात्रा या सद्भावना यात्रा निकालते हैं, जबकि उस समय वे गायब रहते हैं जब उनकी रहनुमाई एवं सद्भावना प्रयासों की सबसे अधिक जरूरत हिंसा के समय होती है। यह बड़ा एवं स्पष्ट तथ्य है कि यदि कानून-व्यवस्था जागरूक हो तो प्रशासनिक इच्छाशक्ति की बदौलत संप्रदायों के असामाजिक तत्वों को सिर उठाने से रोका जा सकता है, ऐसा हुआ है और भविष्य में अधिक प्रभावी ढंग से हो सकता है।

यह लाल और काले धब्बे, लाशें और जले हुए मकान- आदमी की जानवर बन जाने की कहानी चीख-चीख कर कह रहे हैं। खतरा मन्दिरों, मस्जिदों, गिरजों और गुरुद्वारों को नहीं है।

खतरा हमारी संस्कृति को है, हमारी राष्ट्रीय सोच को है जो हमारी हजारों वर्षों से सिद्ध चरित्र की प्रतीक है। जो युगों और परिवर्तनों के कई दौरों की कसौटी पर खरी उतरी है। कोई बहुसंख्यक और कोई अल्पसंख्यक है, तो इस सच्चाई को स्वीकार करके रहना, अब तक हम क्यों नहीं सीख पाए? देश में अनेक धर्म के सम्प्रदाय हैं और उनमें सभी अल्पमत में हैं। वे भी तो जी रहे हैं। उन सबको वैधानिक अधिकार हैं तो नैतिक दायित्व भी हैं। देश, सरकार संविधान से चलते हैं, आस्था से नहीं। जब जान (अस्तित्व) खतरे में हो, तब दोस्त का भी विश्वास मत करो और जब दोस्त खतरे में हो तो जान की भी परवाह मत करो। यह बात एक जानवर भी जानता है। भयंकर साम्प्रदायिक हिंसा एवं नफरत के दौर से गुजर कर देश अभी शांत दिखाई दे रहा था। लेकिन इस शांति को ग्रहण किसने लगाया? यह आंकने का और सजगता बरतने का वक्त है। यह संकट इससे पूर्व के संकटों से ज्यादा अभूतपूर्व है। क्योंकि उस वक्त शासन करने एवं साम्प्रदायिकता फैलाने वाले एक ही थे। लेकिन आज उसका सामना करने वाले पहले से अधिक कद्दावर नेता हैं जो आपसी मतभेदों से देशहित ऊपर मानते थे, जो राष्ट्रीयता, भारतीयता चाहते हैं। इन्हीं की राष्ट्रीय जिजीविषा के कारण भारत ने अनेक आंधियां अपने सीने पर झेली हैं, तूफान झेले हैं पर भाईचारे के इस दीपक को बुझने न दिया।

कोई भी परिवार, समुदाय या राष्ट्र एक-दूसरे के लिए कुर्बानी करने पर ही बने रहते हैं। क्या देशवासी एकजुट होकर पूर्वाग्रह उत्सर्ग करने के लिए तैयार होंगे। यह आज सबसे बड़ा राष्ट्रीय प्रश्न है और समय की मांग है, जो शताब्दियों में किसी राष्ट्र के जीवन में कभी-कभी आता है। अतीत का जीया गया वह काला कालखण्ड जिसने हमारी समृद्ध एवं गौरवपूर्ण संस्कृति को धूमिल कर दिया, कम-से-कम मन एवं मानसिकता को अनुमति सिर्फ इतनी-सी दे कि फिर ऐसा कुछ न हो, जिससे भारत की संस्कृति एवं राष्ट्रीयता को आहत करने की पुनर्रावृत्ति हो।

यह तो सर्वविदित एवं सामान्य समझ की बात है कि सामाजिक उथल-पुथल देश की आर्थिक तरक्की को प्रभावित करती है। इससे निवेशक बिदकते हैं और राज्य की जो ऊर्जा तरक्की में लगनी चाहिए, वह सामाजिक सौहार्द की बहाली में खर्च करनी पड़ती है। विभिन्न राज्यों के पिछड़ेपन का एक बड़ा कारण सांप्रदायिक तनाव रहा है। इसलिए सरकारों को ऐसे मामलों को गंभीरता से लेना चाहिए। यह देखना सुखद है कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ एवं उनकी सरकार के सख्त और संतुलित रुख के कारण मंदिरों और मस्जिदों ने साम्प्रदायिक सौहार्द के लिये कई कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। किसी भी धर्म में धर्मगुरुओं व पंथ-प्रधानों का काम गुमराह लोगों को सही रास्ता दिखाना होता है, इसकी एक सुदीर्घ परंपरा भारत में रही है, मगर धर्म की आड़ में राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की खेती अब इसे नुकसान पहुंचाने लगी है। व्यक्तिगत, सामुदायिक व राष्ट्रीय उत्कर्ष में सहायक धार्मिक आयोजनों से भला किसी को क्यों गुरेज होगा? लेकिन एक आदर्श समाज एवं शासन व्यवस्था में सामान्य जीवनबोध के लिये कानून को सीख देनी पड़े, इसे सहज स्वीकार्य नहीं किया जाना चाहिए।

सरकार ने टी वी चैनल्स को दिखाया दर्पण : देर आयद दुरुस्त आयद

निर्मल रानी

भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने गत दिनों टीवी चैनल्स के लिये एक चेतावनी रुपी ऐडवाइज़री जारी की है। मंत्रालय ने इस ऐडवाइज़री के माध्यम से रूस व यूक्रेन के बीच छिड़े युद्ध तथा पिछले दिनों राजधानी दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाक़े में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बाद देश के मुख्य धारा के निजी टीवी चैनलों के प्रसारण के तरीक़ों व इनसे संबंधित कार्यक्रमों में अपनाई गयी आपत्तिजनक भाषा व शीर्षक आदि पर सख़्त एतराज़ जताते हुये कहा है कि कुछ चैनल इन घटनाओं के प्रसारण में सामाजिक रूप से अस्वीकार्य भाषा का इस्तेमाल करते हुये इन्हें भ्रामक और सनसनीखेज़ तरीक़े से प्रसारित कर रहे हैं।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने झूठे दावे करने और अस्वीकार्य भाषा का प्रयोग करने वाले ऐसे टी वी चैनल्स को चेतावनी देते हुए कहा है कि ,यदि आवश्यक समझा जाएगा तो केवल टेलीविज़न नेटवर्क (विनियमन) अधिनियम, 1995 में निर्धारित प्रावधानों के अंतर्गत इस प्रकार के चैनल्स अथवा ऐसे आपत्तिजनक कार्यक्रमों के प्रसारण को प्रतिबंधित भी किया जा सकता है।

टी वी चैनल्स को भेजी गयी अपने ऐडवाइज़री में सरकार ने विभिन्न चैनल्स द्वारा प्रसारित की गयी भोंडे,अनावश्यक तथा भड़काऊ व उकसाने वाले कई आपत्तिजनक शीर्षक का ज़िक्र भी किया। उदाहरण के तौर पर रूस-यूक्रेन युद्ध के संबंध में 18 अप्रैल 2022 को एक टी वी चैनल ने यूक्रेन में एटमी हड़कंप के शीर्षक से कार्यक्रम प्रसारित किया। इस रिपोर्ट में कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का हवाला ग़लत व अनावश्यक तरीक़े से दिया गया।

इसी तरह एक चैनल ने लोगों को भयभीत करते हुये यह ख़बर प्रसारित कर डाली कि रूस ने यूक्रेन पर परमाणु हमले के लिए 24 घंटे की डेडलाइन दी है। इसी तरह परमाणु पुतिन से परेशान जेलेंस्की,आधिकारिक रूसी मीडिया ने कहा है कि तीसरा विश्व युद्ध शुरू हो चुका है। आदि भ्रामक ख़बरें चलायीं गयीं। यहाँ तक कि एक चैनल द्वारा अपने झूठे दावों की पुष्टि करते हुये एक वीडियो भी दिखाया गया जिसमें कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन को अपने साथ कथित रूप से एक न्यूक्लियर ब्रीफ़ केस लेकर चलते हुये दिखा दिया। इसी प्रकार के अनेक सनसनीखेज़ शीर्षक जैसे न्यूक्लियर निशाना, हैरतअंगेज़ खुलासा वर्ल्ड वॉर का।

यूक्रेन से पुतिन का परमाणु प्लान तैयार ?, एटम बम गिरेगा ? तीसरा विश्व युद्ध शुरू होगा ये रात क़यामत वाली है, रूस परमाणु हमला कब करेगा,कहां करेगा ? तथा विश्व युद्ध के मुहाने पर दुनिया जैसे सनसनीखेज़ शीर्षक लगाने व ऐसे शीर्षक पर आधारित कार्यक्रम प्रसारित करने का भी ज़िक्र ऐडवाइज़री में किया गया है ।

इसी तरह सरकार ने दिल्ली जहांगीरपुरी हिंसा की रिपोर्टिंग के उकसाऊ व आपत्तिजनक तरीक़ों व इनसे संबंधित भड़काऊ शीर्षक व कार्यक्रमों का भी उल्लेख किया। जैसे दिल्ली में अमन के दुश्मन कौन, बड़ी साज़िश दंगे वाली, करौली, खरगौन वाया दिल्ली, हिंसा से एक रात पहले साज़िश का वीडियो 'अली Vs बली, कहां कहां खलबली ?' और अली, बजरंगबली पर खलबली तथा एक टी वी चैनल द्वारा प्रसारित हुंकार शीर्षक के कार्यक्रम में प्रयुक्त आपत्तिजनक भाषा के प्रयोग का ज़िक्र करते हुये सभी टी वी चैनल्स को नियमों के अंतर्गत ही कार्यक्रम प्रसारित करने का निर्देश दिया है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुसार चैनल्स ने समाचारों में असंसदीय, भड़काऊ और सामाजिक रूप से अस्वीकार्य भाषा का प्रयोग किया तथा सांप्रदायिक टिप्पणियों और अपमानजनक संदर्भों वाली बहसें प्रसारित कीं, जो दर्शकों पर नकारात्मक मनोवैज्ञानिक प्रभाव डाल सकती हैं और सांप्रदायिक वैमनस्य को भी भड़का सकती हैं। इससे बड़े पैमाने पर शांति भंग हो सकती है।'

पुदुचेरी घूमने जाएं तो इन जगहों पर जाना न भूलें

मिताली जैन

पुदुचेरी जिसे पहले पांडिचेरी के नाम से भी जाना जाता था, भारत के तमिलनाडु राज्य में स्थित है और पर्यटन की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। यह एक ऐसा शहर है, जहां पर करीबन 300 वर्षों तक फ्रांसीसी अधिकार रहा और यही कारण है कि यहां पर आज भी फ्रांसीसी संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। तमिलनाडु राज्य में पुदुचेरी एक बेहद ही खूबसूरत शहर है और हर साल लाखों सैलानी इस शहर में घूमने के लिए आते हैं। तो चलिए आज हम आपको पुदुचेरी शहर में घूमने की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बता रहे हैं- पुदुचेरी संग्रहालय में आपको यहां की फ्रांसीसी जड़ों और बेहद पुराने इतिहासों को ट्रेस करने का मौका मिलेगा। एरिकामेडु रोमन बस्ती के पुरातत्व संबंधी निष्कर्षों से लेकर, चोल और पल्लव राजवंशों तक, यहाँ इतिहास के विभिन्न युग संरक्षित हैं। संग्रहालय में पत्थर की नक्काशीदार मूर्तियां, भारतीय देवताओं और देवताओं की कांस्य मूर्तियां, प्राचीन पेड़ों की जीवाश्मदार चड्डी, परिवहन के साधनों के मॉडल, पीतल के मंदिर के लैंप, चर्च के अवशेष, हस्तशिल्प, सिक्के, गोले और जीवाश्म हैं। यहां पर एक पूरा अनुभाग इतिहास और पौराणिक फ्रांसीसी औपनिवेशिक जानकारी के लिए समर्पित है। भारत में प्रीमियम सर्फिंग स्कूलों में से एक, कल्लियाय सर्फ स्कूल पांडिचेरी में पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। इस सर्फ स्कूल की शुरुआत स्पेन के दो भाइयों, जुआन और समई रिबॉउल ने की थी, जो ऑरोविले में बस गए थे। यहां पर आप अपनी रुचि, बजट और आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न प्रकार के पैकेज और प्रशिक्षण से चुन सकते हैं। आप अंतरराष्ट्रीय मानकों के सर्फिंग उपकरणों का भी लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, एक वार्षिक उत्सव, समर स्वेल चैलेंज में भाग लेने के लिए दुनिया भर के आगंतुक यहां आते हैं।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2022 वर्चुअल मनाया गया

भारत का बौद्धिक संपदा में हर साल बेहतर प्रदर्शन हो रहा है - भारतीय बौद्धिक संपदा की उच्चस्तरीय वैश्विक प्रतिष्ठा

भारत में तेज़ी से उभरते नवोन्मेष, नवाचार, अविष्कारों की गाथा - भारतीय मानव बुद्धि का वैश्विक स्तरपर गुणगान - एड किशन भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर 26 अप्रैल 2022 को विश्व बौद्धिक संपदा (आईपी) दिवस मनाया गया इस वर्ष की थीम बौद्धिक संपदा और युवा - बेहतर भविष्य के लिए नवाचार थी। इस वर्ष कोरोनावायरस महामारी के कारण, सुरक्षित रहना आवश्यक है, इसलिए विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) ने किसी भी भौतिक आयोजन का आयोजन नहीं किया था, और विश्व आईपी दिवस के समुदाय को आभासी चैनलों के माध्यम से मनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह दिन लोगों को यह बताने के लिए मनाया जाता है कि कैसे बौद्धिक संपदा (आईपी) अधिकार नवाचार और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करते हैं। विश्व आईपी दिवस नवाचार डालता है और हरित भविष्य बनाने के प्रयासों का समर्थन करता है। यह हमारी धरती को हमारे घर की देखभाल करने की आवश्यकता पर बल देता है।

साथियों इस वर्ष विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2022 युवाओं के लिए यह पता लगाने का अवसर है कि कैसे बौद्धिक संपदा (आईपी) अधिकार उनके लक्ष्यों को हासिल करने में मदद कर सकते हैं, उनके विचारों को वास्तविकता में बदलनेमें सहायता कर सकते हैं, आय उत्पन्न कर सकते हैं, रोजगार पैदा कर सकते हैं और अपने आसपासकी दुनिया पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इसके प्रकारों में कॉपीराइट, पेटेंट, ट्रेडमार्क, औद्योगिक डिजाइन, भौगोलिक संकेत, व्यापक रहस्य यह जानकारों पर आईपी अधिकार है जिन्हें बेचा या जिनका लाइसेंस प्राप्त किया जा सकता है। साथियों विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2022 युवाओं के लिए यह पता लगाने का अवसर है कि कैसे बौद्धिक संपदा (आईपी) अधिकार उनके लक्ष्यों को हासिल करने में मदद कर सकते हैं, उनके विचारों को वास्तविकता में बदलने में सहायता कर सकते हैं, आय उत्पन्न कर सकते हैं, रोजगार पैदा कर सकते हैं और अपने आसपास की दुनिया पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।

साथियों बात अगर हम विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2022 को मनाने की करें तो भारतमें भी कोरोना महामारी की अभी चौथी लहर दस्तक दे रही इसलिए प्रत्यक्ष रूप से कोई उत्साह और आयोजन नहीं हुआ बल्कि महामारी के सुरक्षात्मक उपायों व्यवस्था व अन्य बारेमें दिनांक 27अप्रैल 2022 को पीएम द्वारा भी सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों की वर्चुअल मीटिंग ली गई वह अनेक मुद्दों पर चर्चा हुई।

साथियों इस दिवस को वैसे हम भव्यता से मनाते हैं। हर साल विश्व बौद्धिक संपदा दिवस को बढ़ावा देने के लिए, डब्ल्यूआईपीओ सरकारी, गैर-सरकारी संगठनों,सामुदायिक समूहों और व्यक्तियों की कई एजेंसियों के साथ मिलकर कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन करता है। स्टेज कॉन्सर्ट या विभिन्न सार्वजनिक प्रदर्शन विश्व आईपी दिवस थीम पर केंद्रित हैं। विश्व आईपी दिवस की थीम पर युवाओं के लिए निबंध प्रतियोगिताएं। आईपी और इसके लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कई विश्वविद्यालयों में सेमिनार या मुफ्त व्याख्यान प्रदान किए जाते हैं। नवाचार और बौद्धिक संपदा के बीच की कड़ी को समझाने के लिए विश्व आईपी दिवस पर संग्रहालयों, कला दीर्घाओं, स्कूलों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में विभिन्न प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाता है। 26 अप्रैल कुछ स्थानीय बौद्धिक और कॉपीराइट कार्यालय विश्व आईपी दिवस को बढ़ावा देने के लिए खुले रहे। लेकिन कोविड-19 के कारण, इस वर्ष उत्सव डब्ल्यूआईपीओ किसी भी उत्सव का आयोजन नहीं किया है। प्रत्यश उत्सव नहीं हुआ, सुरक्षित रहना और उचित सावधानी बरतना आवश्यक है।

साथियों बात अगर हम इस दिवस को मनाने के उद्देश्यों की करें तो, इस आयोजन की स्थापना इस पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और डिजाइन दैनिक जीवन पर कैसे प्रभाव डालते हैं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए की गई थी। रचनात्मकता का जश्न मनाने के लिए, और विकास के लिए रचनाकारों औरनवप्रवर्तनकर्ताओं द्वारा किए गए योगदान का जश्न मनाने के लिए की गई थीं।

बौद्धिक संपदा संरक्षण के बारे में जागरूकता को और बढ़ावा देने के लिए, दुनिया भर में बौद्धिक संपदा संरक्षण के प्रभाव का विस्तार करने के लिए, देशों से बौद्धिक संपदा संरक्षण कानूनों और विनियमों को प्रचारित करने और लोकप्रिय बनाने के लिए, बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में सार्वजनिक कानूनीजागरूकता बढ़ाने, आविष्कार नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न देशों में गतिविधियों और बौद्धिक संपदा क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय विनिमय को मजबूत करना प्रमुख उद्देश्य है।

साथियों बात अगर हम इस वर्ष 2022 की थीम, आईपी और युवा - बेहतर भविष्य के लिए नवाचार की करेंतो विश्व बौद्धिक संपदा 2022 नए और बेहतर समाधान खोजने के लिए युवाओं की विशाल क्षमता को पहचानती है जो एक स्थायी भविष्य के लिए संक्रमण का समर्थन करते हैं। दुनिया भर में, युवा अपनी ऊर्जा और सरलता, जिज्ञासा और रचनात्मकता का उपयोग करके बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए नवाचार चुनौतियों की ओर बढ़ रहे हैं। ऊर्जावान और रचनात्मक दिमाग उन परिवर्तनों को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं, जिनकी हमें स्थायी भविष्य में आवश्यकता है। आज के युवासरलता और रचनात्मकता के स्रोत हैं। उनके नई सोच, नया नजरिया, ऊर्जा, जिज्ञासा और हम सब कर सकते हैं। यह विश्वास, बेहतर भविष्य के लिए उनकी भूख से हम सब परिचित हैं।

साथियों बात अगर हम युवाओं की करें तो आज के युवा कल के भविष्य हैं, निर्माता और उद्यमी हैं, अपनी कुशल बौद्धिक क्षमता के बल पर रचनात्मकता और सरलता से सभी क्षेत्रों में बदलाव ला सकते हैं!!

हमारी आत्मकथा!

लिखें हमारे जीवन की कहानी,
साहस,दृढ़ता हो इसकी निशानी,
कलम से नहीं कर्म से लिखें,
हमारा जीवनी भी प्रेरणादायक दिखे!
इस जीवन के खेल में बने हम खिलाड़ी,
चढ़े हर बड़ी से बड़ी आपत्ती की पहाड़ी,
इंसानियत हो इसकी स्याही,
करें हम ऐसी इसकी चित्रकारी!
माना कि सब हमारे हिसाब से नही,
मजबूती से हर प्रतिक्रिया करे सही,
किसी के अपशब्द और संस्कारों को ना अपनाएं,
अपने जीवन को अपने उच्च विचारों से बनाएं!
जब भी कोई पड़े हमारे जीवन की गाथा,
वीरता और परिश्रम से भरी हो हमारी दास्तां,
हर किस्सा हो हिम्मत से भरपूर,
इस व्याख्या में हो आत्मविश्वास का सुरूर!
स्वाभिमान से भरा हो हर एक फसाना,
याद रखें इसे भी जमाना,
हम भी हैं इस जीवन के रचयिता,
स्वाभिमान की राह पर चलकर,
बनजाए विजेता!
लिखें हमारे जीवन की कहानी,
साहस,दृढ़ता हो इसकी निशानी,
कलम से नहीं कर्म से लिखें,
हमारा जीवनी भी प्रेरणादायक दिखे!

शार्ट न्यूज

वकीलों की हड़ताल के चलते टली बेहमई कांड की सुनवाई

कानपुर देहात। अस्सी के दशक के लोमहर्षक बेहमई कांड की सुनवाई बुधवार को वकीलों की हड़ताल के कारण टाल दी गयी। अब दो मई को सुनवाई की जायेगी।कानपुर देहात की माती कोर्ट में बेहमई कांड मामले की सुनवाई एंटी डकैती कोर्ट की अदालत में चल रही है।बुधवार को बचाव के पक्ष की बहस करनी थी जिसको लेकर तय समय पर पुकार भी होई लेकिन वकीलों की हड़ताल के चलते कोर्ट में वकील हाजिर नहीं हुये और कोर्ट ने बचाव पक्ष की बहस के लिये दो मई की तारीख दे दी। गौरतलब है कि कानपुर देहात में 14 फरवरी 1981 फूलनदेवी के साथ डकैत मुस्तकीम, रामप्रकाश और लल्लू गैंग के तकरीबन 35-36 लोगों ने बेहमई गांव को घेर लिया। घरों में लूटपाट शुरू कर दी। आदमियों को घर से बाहर खींचकर लाया गया। सभी गांव में एक टीले के पास 26 लोगों को इकट्ठा किया गया। इसके बाद फूलन और उसके साथियों ने उन (26 लोगों) पर ताबड़तोड़ 4 से 5 मिनट तक गोलियां बरसाईं जिसमें से 20 लोगों की मौत हो गई जबकि 6 लोग घायल हो गए। इसके बाद फूलन व उसके साथ आए डकैत गांव से निकल गए। इस कांड की मुख्य अभियुक्त फूलन देवी समेत कई अन्य की मौत हो चुकी है जबकि कई गवाह भी काल कवलित हो चुके हैं।

किरदार पर मेहनत करना पसंद करता हूं

लखनऊ। अपने दमदार अभिनय के दम पर दो दशकों से छोटे पर्दे पर अपनी चमक बिखेर रहे शबीर अहलुवालिया ने कहा कि सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने की बजाय वह अपने किरदार पर मेहनत करने को ज्यादा तवज्जो देते हैं। जीवी के आगामी धारावाहिक 'प्यार का पहला नाम राधा मोहन' के प्रमोशन के सिलसिले में नवाब नगरी आये अहलुवालिया ने बुधवार को यूनीवार्ता से बातचीत में कहा सोशल मीडिया में मुझे कोई खास रूचि नहीं है। यह मै तब यूज करता हूं जब खाली रहता हूं। ट्विटर ,इंस्टाग्राम मुझे समझ में नहीं आते। मुझे अपना काम समझ में आता है। किरदार के मामले में थोड़ा चूजी हूं। काम वही करता हूं जो पसंद आये। अगर स्टोरी पसंद नहीं है। डायरेक्टर किरदार मे प्रामिस नहीं दिखाता तो नहीं करता हूं। वैल्यू एडीशन बहुत जरूरी है। काम पूरी शिद्दत से करता हूं। प्रोजेक्ट के अनुसार काम करता हूं। स्टोरी किरदार पसंद आये तो करना शुरू करता हूं। अपने लंबे करियर में केवल दो बालीवुड फिल्में करने के सवाल पर उन्होने कहा काम वो करना चाहता हूं जो इंपेक्ट छोडे। वैसा रोल नहीं मिलेगा तो नहीं करूंगा। अभिनय में कोई शार्ट कट नहीं होता,मेहनत करनी होती है। चीटिंग करोगे तो किरदार में दिख जायेगा। कोरोना संक्रमण के दो सालों को जीवन में चुनौतीपूर्ण बताते हुये शबीर ने कहा कि कोरोना काल में एक बात समझ में आयी कि परिवार और दोस्तों से बढ़ कर कोई चीज नहीं है। अच्छी सेहत भी बहुत जरूरी है। व्यायाम आदि से शरीर को इतना मजबूत बना लो कि कोई वायरस उसे नुकसान नहीं पहुंचा सके। दो बच्चों के पिता करीब 42 वर्षीय अभिनेता ने कहा कि दर्शक तक पहुंचना हमेशा चुनौती भरा होता है। जो कहानी 90 के दशक में चलती थी, उस ट्रैक पर अब नहीं चला जा सकता। समय के साथ नहीं चले तो कोई नहीं पूछेगा। हर कहानी के साथ नया करना होता है। अगर आपने वह नहीं किया तो दर्शक आपको देखना बंद कर देंगे। 'प्यार का पहला नाम राधा मोहन' शो का प्रीमियर दो मई को होगा और और इस शो का प्रसारण सोमवार से शनिवार रात आठ बजे ज़ी टीवी पर किया जायेगा। शबीर अहलूवालिया इस शो में मोहन का रोल निभाएंगे जबकि निहारिका रॉय राधा का रोल निभा रही हैं।

अवैध खनन के आरोप में पुलिस ने 22 लोगों को जेल भेजा

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में यमुना नदी से अवैध खनन करने की शिकायत पर पुलिस से सख्त कार्रवाई करते हुए 22 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार सराय अकिल थाना क्षेत्र के केवट पुरवा में यमुना बालू घाट से अवैध खनन करने के आरोप में 22 लोगों को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने अवैध खनन में इस्तेमाल हो रही पोकलैंड और जेसीबी मशीन और ट्रक सहित 21 वाहनों को कब्जे में लेकर सीज कर दिया है। पुलिस इंस्पेक्टर अनुपम शर्मा ने बताया कि केवट पुरवा यमुना बालू घाट के पास रवि शंकर गुप्ता उर्फ रवि को बालू निकासी के लिए पट्टा आवंटित किया गया था। पट्टा आवंटित क्षेत्र के नियमों का अतिक्रमण करते हुए अवैध बालू के खनन की शिकायत पर मंगलवार को रवि शंकर गुप्ता के विरुद्ध अवैध खनन के मामले में रिपोर्ट दर्ज की गयी। इस पर कार्रवाई के दौरान केवट पुरवा यमुना घाट पर अवैध खनन करते हुये मौके से पोकलैंड ,जेसीबी, ट्रक, डंपर सहित 21 वाहन और 22 लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्तियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस मुख्य आरोपी रवि शंकर गुप्ता की तलाश कर रही हैं।

कानपुर में पिकप की टक्कर में बाइक सवार तीन की मौत

कानपुर। उत्तर प्रदेश में कानपुर जिले के शिवराजपुर क्षेत्र में बुधवार को तेज रफ्तार पिकप वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र के सुक्खा निवादा गांव के पास प्राइमरी स्कूल के सामने से गुजरने वाली सड़क पर पिकप ने तीन बाइक सवारों को टक्कर मार दी। पिकप की रफ्तार अधिक होने के चलते बाइक सवार युवक कई मीटर दूर तक सड़क पर घायल हालत में गिर पड़े। जानकारी मिलते ही पुलिस पहुंची और गंभीर हालत में घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां डाक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह परिहार ने बताया कि पिकप की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई है। मृतकों में शिनाख्त उमाशंकर, प्रदीप व अमर सिंह हैं और सभी कानपुर देहात के सट्टी थाना क्षेत्र के रहने वाले है।

दिव्यांगजनों के लिये विशेष विद्यालयों में होगी स्मार्ट क्लास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने दिव्यांगजनों को प्रदेश के विकास में भागीदार बनाने के लिए उनकी शिक्षा के लिए विशेष इंतजाम करते हुए सभी विशेष विद्यालयों में 'स्मार्ट क्लास' की व्यवस्था करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से बुधवार को जारी बयान के अनुसार राज्य सरकार दिव्यांग बच्चों के लिए अगले 100 दिन में सभी विशेष विद्यालयों में 'स्मार्ट क्लास' बनाने के अलावा तीन विशेष विद्यालयों को हस्तगत करेगी। इनमें लखनऊ स्थित राजकीय ममता विद्यालय और मानसिक मंदित आश्रम सह प्रशिक्षण केंद्र एवं आजमगढ़ स्थित समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय शामिल है। इसके अलावा डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में ब्रेल प्रेस की स्थापना की जा रही है। इससे दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों को पठन-पाठन की सामग्री उपलब्ध होने में आसानी होगी। विश्वविद्यालय परिसर में बनाए गए विशिष्ट स्टेडियम को भी जल्द शुरू किया जाएगा, जहां दिव्यांगजन अपनी खेलकूद की प्रतिभा को निखार सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में निर्मित कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केंद्र को भी जल्द शुरू कराया जाएगा।

केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग से हड़कंप

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के कस्बा मवाना में बुधवार दोपहर एक केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लग जाने से अफरातफरी मच गई। फैक्टरी में फंसे करीब 18 मजदूरों को वक्त रहे बाहर निकाल लिया गया। आग पर काबू पाने के लिये आस पास के जिलों से दमकल गाड़ियां बुलानी पड़ी जिन्हें केमिकल में लगी आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। पुलिस ने बताया कि जिला मुख्यालय से करीब 24 किलोमीटर दूर कस्बा मवाना में स्थित महालक्ष्मी ग्रुप की एक केमिकल फैक्ट्री में आज दोपहर उस समय आग लग गई जब अन्दर डेढ़ दर्जन मजदूर अंदर काम कर रहे थे। कैमिकल से भरे बैरलों के आग पकड़ने की वजह से विस्फोट के साथ कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इसके साथ ही दूर दूर तक धुआं ही धुआं फैल गया। एहतियात के तौर पर आस पास के इलाके को फौरन ही खाली करवा लिया गया। मुख्य दमकल अधिकारी का कहना है प्रथम दृष्टया आग बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी प्रतीत हो रही है।

मंत्री बदलने पर भी यूपी में नहीं सुधरी बिजली की चाल : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि मंत्री बदलने से भी उत्तर प्रदेश में बिजली की दशा में सुधार नहीं हो सका है। प्रदेश में अघोषित बिजली कटौती से हाहाकार मचा हुआ है और सरकार पर्याप्त बिजली का इंतजाम नहीं कर पा रही है।

यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री के आदेशों-निर्देशों को पावर कारपोरेशन के अधिकारी तनिक भी तवज्जो नहीं दे रहे हैं। अफसरों की लापरवाही और अकर्मण्यता पर कहीं नियंत्रण नहीं लग रहा है। भाजपा के दूसरे कार्यकाल में बिजली मंत्री बदल गया लेकिन दुर्दशा नहीं बदली। सरकारी बयानों में ग्रामीण क्षेत्रों में 18 से 20 घंटे बिजली सप्लाई का दावा किया जा रहा है जबकि महज चार घंटे बिजली मिल रही है। कई स्थानों पर तो पूरी रात ब्लैक आउट रहता है। ट्रांसफार्मर फुंकते जा रहें है। उन्होने कहा कि बिजली कटौती से बुनकरों का धंधा बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। संत कबीर नगर में बिजली नहीं मिलने से पावरलूम ठप्प हो रहे हैं। इससे बुनकर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। आधे अधूरे तैयार कपड़ों को लेकर परेशान हैं। बिजली संकट के चलते व्यापारिक गतिविधियां भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि ग्रामीण ही नहीं बल्कि नगरीय क्षेत्रों में भी बिजली की जबरदस्त कटौती हो रही है। प्रदेश को नफरत की आग में झोंकने वाली भाजपा सरकार ने बिजली उत्पादन के लिए कोई काम नहीं किया। इस सरकार ने एक भी पावर प्लांट नहीं लगाया। बिजली का उत्पादन नहीं बढ़ाया। पांच साल की सरकार में भाजपा ने उत्तर प्रदेश की हालत इतनी जर्जर कर दी है कि बिजली उत्पादन की कई इकाइयां बंद पड़ी हैं।

उन्होने कहा कि पांच साल झूठी और हवाई घोषणाएं करने वाले मुख्यमंत्री अधिकारियों को दिखावटी निर्देश दे रहे हैं।

जबकि उन्हें सच्चाई पता है कि उन्होंने बिजली उत्पादन के लिए कोई काम नहीं किया है। प्रदेश में 23 हजार मेगावाट बिजली की मांग के अनुरूप बिजली की सप्लाई नहीं हो पा रही है तो बिजली कहां से मिलेगी।

धार्मिक स्थलों से उतारे गये 6031 लाउडस्पीकर : कुमार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने बुधवार को बताया कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों के इस्तेमाल पर उच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों के अनुपालन में धार्मिक स्थलों से अब तक 6031 लाउडस्पीकर उतारे जा चुके हैं जबकि 29 हजार 674 की आवाज निर्धारित मानक के अनुसार कम करायी गयी है।

कुमार ने कहा कि वाराणसी जोन में सबसे ज्यादा 1366 लाउडस्पीकर पूजा स्थलों से उतारे गये है जबकि 2417 की आवाज कम करायी गयी है। इसके अलावा मेरठ जोन में 1215,बरेली जोन में 1070 और कानपुर जोन में 1056 लाउडस्पीकर उतारे गये हैं।

उन्होने बताया कि लखनऊ जोन में 912 और आगरा जोन में 30 लाउडस्पीकरों को उतारने की कार्यवाही की गयी है। लखनऊ जोन में सर्वाधिक 6400 लाउडस्पीकर की आवाज कम की गयी है वहीं बरेली में 6257,मेरठ में 5976, गोरखपुर जोन में 2767 और आगरा में 905 लाउडस्पीकर की आवाज में कमी की गयी है।

अपर पुलिस महानिदेशक ने कहा कि जिलों को सरकार और पुलिस मुख्यालय के स्पष्ट निर्देश है कि सभी त्योहार परंपरागत तरीके से मनाये जायें और जहां तक ध्वनि और आवाज आदि की बात है,उसमे हाईकोर्ट के आदेशों का अनुपालन हो।

उन्होने कहा कि अलविदा की नमाज लगभग 31 हजार जगहों पर होनी है।

डिप्टी सीएम केशव का दावा, 2024 में समाप्त पार्टी हो जाएगी सपा

बाराबंकी। वर्ष 2024 में सपा को समाप्त पार्टी हो जाएगी। यह बात उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कही। श्री मौर्य भाजपा के जिला प्रशिक्षण वर्ग के समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में बाराबंकी आए थे। स्थानीय एक गेस्ट हाउस में जिला प्रशिक्षण वर्ग के समापन समारोह के बाद श्री मौर्य ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान पीएम आवास समेत कई योजनाओं पर कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा हुई। पत्रकारों ने शिवपाल यादव के मुख्यमंत्री से मिलने व भाजपा में शामिल होने की चर्चा को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से मिलने तो अखिलेश यादव, सोनिया गांधी कोई भी जा सकता है। जहां तक किसे पार्टी में शामिल कराना है या नहीं कराना, यह तो पार्टी तय करती है। उन्होंने आजम खां से अन्य दलों के नेताओं के मुलाकात के प्रश्न पर कहा कि यह सपा की बीमारी है, वह ही जाने। श्री मौर्या ने कहा कि संगठन बढ़े चलो, सुपथ पर बढ़े चलो। भला हो जिसमें देश का, किसान का, नौजवान का वह काम करते चलो के सिद्धांत पर भाजपा चल रही है।

हिन्दू महासभा ने किया एएसआई कार्यालय पर प्रदर्शन

आगरा। ताजमहल में अयोध्या के संत को प्रवेश न करने देने के विरोध में बुधवार को हिंदू महासभा के पदाधिकारियों ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

भगवा पहनकर जगत गुरु परमहंसाचार्य को ताजमहल परिसर में प्रवेश देने से रोकने के मामले की जांच शुरू हो चुकी है। सीसीटीवी फुटेज जुटाये जा रहे हैं। एएसआई अपनी ओर से कई कर्मचारियों से पूछताछ कर चुका है, साथ ही आक्रोशित नेताओं को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया जा रहा है।

हिंदू महासभा के प्रदर्शन को देखते हुए एएसआई कार्यालय पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। हिंदूवादी नेता गोविंद पाराशर का कहना था कि मंगलवार की घटना के विरोध में आज उन्होंने भगवा वस्त्र पहन कर ताजमहल में प्रवेश किया। उन्हें नहीं रोका गया। कुछ कर्मचारी जानबूझकर माहौल खराब करना चाहते हैं। इसीलिए उन्होंने सन्त को रोकने जैसा निंदनीय कार्य किया।

गौरतलब है कि एक दिन पूर्व अयोध्या के जगदगुरु परमहंस आचार्य अपने तीन शिष्यों के साथ ताजमहल का दीदार करने के लिए आए थे, जिनको सीआईएसएफ व एएसआई कर्मियों ने लोहे के डंडे (ब्रह्मदंड) का हवाला देते हुए ताजमहल में प्रवेश नहीं करने दिया था।

सहारनपुर : खाली प्लॉट में कूड़ा डालने पर लगेगा जुर्माना

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में स्वच्छता अभियान को गति प्रदान करते हुए स्थानीय प्रशासन ने खाली पड़े प्लॉट में कूड़ा डालने पर भूस्वामी से जुर्माना वसूलने का निर्देश दिया है। सहारनपुर के नगर आयुक्त ज्ञानेंद्र सिंह ने बुधवार को सफाई निरीक्षकों और सफाई नायकों को निर्देश दिये हैं कि जिस प्लाट में कूड़ा डाला जा रहा है उसके मालिक और नालियों में गोबर बहाने वाले डेरी मालिकों पर जुर्माना लगायें। उन्होंने कहा कि महानगर को स्वच्छ रखने के लिए जरुरी हो गया है कि ऐसे लापरवाह लोगों के प्रति सख्त कदम उठाये जायें। सिंह ने कहा कि लोगों को इस दिशा में बार बार समझाने के अलावा सुधरने के लिए काफी समय दिया जा चुका है अब और समय नहीं दिया जा सकता।

सिंह ने नगर निगम में सफाई निरीक्षकों और सफाई नायकों की बैठक को सम्बोधित करते हुए यह निर्देश दिये। उन्होंने स्वच्छता के क्षेत्र में सबसे श्रेष्ठ वार्ड, सफाई निरीक्षक, सफाई नायक और प्रत्येक वार्ड से सबसे कर्मठ सफाईकर्मी को पुरस्कृत करने का भी ऐलान किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) और शासन के निर्देशों का पालन करने के क्रम में यह व्यवस्था की जा रही है। इसके तहत जिस खाली प्लाट में कूड़ा दिखाई दे, उसके स्वामी का पता लगाकर उसे नोटिस दें कि वह अपने प्लाट की चारदीवारी कर लें अन्यथा उस पर भारी जुर्माना लगाया जाये। उन्होंने नालियों में बहते हुए गोबर की फोटो खींचकर गोबर बहाने वाले डेरी स्वामियों पर भी कम से कम दस हजार रुपये जुर्माना लगाने के निर्देश दिये।

उन्होंने डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन पर जोर देते हुए कहा कि शहर के करीब एक लाख चालीस हजार सभी मकानों को इस व्यवस्था से जोड़ना होगा।

नगर आयुक्त ने कहा कि प्रत्येक सफाई नायक की जिम्मेदारी है कि उनके क्षेत्र में सड़क पर कोई गाय घूमती न मिले, जो दिखायी दे उसे पकड़कर गौशाला भिजवाएं।

उन्होंने कहा कि सूअरों के पकड़ने का ठेका दे दिया गया है। बंदरों के आंतक को कम करने की प्रक्रिया भी अपनायी जा रही है तथा कुत्तों के प्रकोप पर अंकुश लगाने के लिए एनीमल बर्थ सेंटर बनाया जा रहा है जो बनकर लगभग तैयार हो गया है।

मुख्तार अंसारी की 5.10 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति कुर्क

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में जिला प्रशासन ने बुधवार को कुख्यात 'आईएस 191 गैंग' के सरगना और पूर्व बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी की पांच करोड़ रुपये से अधिक कीमत की एक बेनामी संपत्ति को शासन के अधीन कुर्क कर लिया।

जिला प्रशासन की ओर से जारी बयान के अनुसार गाजीपुर के जिलाधिकारी ने गाजीपुर पुलिस की जांच रिपोर्ट के पर विचारोपरांत गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के अंतर्गत कुर्की की कार्रवाई की है। इसमें बताया गया कि कुर्क की गयी संपत्ति गाजीपुर में मोहल्ला बबेडी स्थित व्यवसायिक भूमि पर स्थित है। राजस्व विभाग के रिकार्ड में यह संपत्ति मुख्तार अंसारी के साले अनवर शहजाद और सरजील रजा के नाम दर्ज है।

बयान में बताया गया कि संपत्ति की कुर्की के आदेश के क्रम में आज 27 अप्रैल को गाजीपुर पुलिस एवं प्रशासन द्वारा उक्त भूमि की कुर्की की कार्रवाई की जा रही है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार तीन लोगों की मौत

कानपुर। यूपी में कानपुर जिले के शिवराजपुर क्षेत्र में बुधवार को तेज रफ्तार पिकप वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र के सुक्खा निवादा गांव के पास प्राइमरी स्कूल के सामने से गुजरने वाली सड़क पर पिकप ने तीन बाइक सवारों को टक्कर मार दी। पिकप की रफ्तार अधिक होने के चलते बाइक सवार युवक कई मीटर दूर तक सड़क पर घायल हालत में गिर पड़े। जानकारी मिलते ही पुलिस पहुंची और गंभीर हालत में घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां डाक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह परिहार ने बताया कि पिकप की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई है।

प्रयागराज में जमीन के विवाद में दो की हत्या

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज के धूमनगंज क्षेत्र में बुधवार को जमीन के विवाद में प्रार्पटी डीलर के बीच हुयी गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गयी। हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि मीरापट्टी इलाके में प्रार्पटी डीलर दीपक विश्वकर्मा ने यासिद अली और सुलतान अहमद नामक व्यक्तियों की गोली मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उन्हे मरणासन्न हालत में अस्पताल भेजा गया है। मौके से दो पिस्टल और दो तमंचे बरामद किये गये हैं।

इस बीच धूमनगंज के क्षेत्राधिकारी और थाना प्रभारी ने साफ किया कि उपचार के दौरान दोनो प्रार्पटी डीलर की मौत हो गयी है।

कुमार ने बताया कि 900 वर्ग फिट जमीन की रजिस्ट्री को लेकर हुये विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया। आरोपी और पीड़ित प्रार्पटी डीलिंग का काम करते हैं। आज सुबह यासिद अली,इमरान अली, रसूल अहमद और सुलतान अहमद 900 वर्ग फिट जमीन की रजिस्ट्री के विवाद को लेकर दीपक विश्वकर्मा से मिलने आये थे जहां वे दीपक पर जबरन रजिस्ट्री करने का दवाब बना रहे थे। कहासुनी के दौरान चारों ने दीपक पर असलहे तान दिये।

इस बीच दीपक ने एक के सुलतान के हाथ से पिस्टल छीन कर चारों पर फायरिंग कर दी।

इस हमले में सुलतान और यासिद के सिर में गोली लगी। घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी हालत मरणासन्न बनी हुयी है। दीपक विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है। मौके से हथियार और गोली बारूद के अलावा एक स्टांप पैड भी मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उप्र में भूतत्व विभाग बालू और मौरंग की जगह देगा कृत्रिम बालू का विकल्प

लखनऊ। विकास एवं निर्माण कार्यों में बेतहाशा इस्तेमाल हो रही बालू और मौरंग के अंधाधुंध दोहन से प्रकृति को हो रहे नुकसान से बचाने के लिये उत्तर प्रदेश सरकार ने वैकल्पिक संसाधनों के प्रयोग को बढ़ावा देने की नीति को लागू करने की अनूठी एवं कारगर पहल की है।

बालू और मौरंग की लगातार बढ़ती मांग को देखते हुए योगी सरकार द्वारा प्रदेश में आगामी 100 दिनों के अंदर कृत्रिम बालू के प्रयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार खनिकर्म संसाधनों की मांग में लगातार वृद्धि को देखते हुए राज्य के भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग बालू और मौरंग के विकल्प के रूप में पत्थरों के क्रशिंग से उत्पन्न कृत्रिम बालू 'एम-सैंड' को प्रोत्साहित करने हेतु जल्द ही आवश्यक शासनदेश जारी करेगा। जिससे बालू की खपत पूरी की जा सके और बालू के अवैध खनन में कमी लायी जा सके।

विभाग की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष आगामी 100 दिन, 2 वर्ष और 5 वर्ष की कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण देते समय यह जानकारी दी गयी। इसमें विभाग ने बताया कि वैध खनन को बढ़ावा देते हुए सस्ती दरों पर उपखनिज उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। साथ ही, अवैध खनन व परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण करना भी विभाग के लिए महत्वपूर्ण लक्ष्य है। विभाग ने बताया कि वर्ष 2017 के पूर्व, बालू और मोरम के खनन पट्टों की संख्या लगभग नगण्य थी, और माननीय न्यायालय के आदेश के क्रम में, पारदर्शी पट्टा आबंटन नीति बनाई गई। फलस्वरूप, पिछले 5 वर्षों में, ई-निविदा और ई-नीलामी के माध्यम से खनन पट्टे स्वीकृत किये जाने हेतु पारदर्शी खनन नीति-2017 व तत्सम्बंधी नियम बनाए गए। वर्ष 2017 से 2022 तक, बालू और मौरंग के कुल निष्पादित पट्टों की संख्या 579 हो गयी है। तकनीकी का समुचित प्रयोग करते हुए, देश में पहली बार, उपखनिजों के लिए संयुक्त प्रोग्राम 'यूपी माइन मित्र' विकासित किया गया। इसमे जनपद सर्वे रिपोर्ट (डीएसआर) से लेकर माइनिंग लीज डीड तक की समस्त प्रक्रिया सम्मिलित है। इसी प्रकार, अवैध खनन पर नियंत्रण लाने के लिए इंटीग्रेटेड माइनिंग सर्विलांस सिस्टम को लागू किया गया है।

अयोध्या के पुराने भवन व हवेलियां हेरिटेज होटल की तरह होंगे विकसित

एजेंसी

लखनऊ। राजस्थान की तर्ज पर अयोध्या के पुराने भवनों व हवेलियों को हेरिटेज होटल की तरह विकसित किया जाएगा। धार्मिक नगरी में सातों दिन 24 घंटे पानी की आपूर्ति की जाएगी। इसके साथ ही उड़ीसा पुरी की तर्ज पर बूंद-बूंद पानी का सदुपयोग किया जाएगा। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने इस संबंध में आवास विभाग को निर्देश दे दिया है। अयोध्या के सुनियोजित विकास के लिए ली एसोसिएटस को कंसलटेंट चुना गया है।

उसने अयोध्या में विकास का प्रारूप तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्य सचिव के यहां अयोध्या के विकास को लेकर बैठक हुई थी। इसमें कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमति बनी है। मुख्य सचिव ने कहा है कि अयोध्या में पानी की प्रत्येक बूंद का सदुपयोग करने के लिए रिसाइकलिंग कर उपयोग किया जाएगा।

इंदौर और सूरत के समान अयोध्या को आने वाले पांच सालों में कूड़ा-कचरा रहित सात सितारा शहर के रूप में विकसित किया जाएगा। गैर मोटर चालित परिवहन, साझा परिवहन, सार्वजनिक परिवहन आदि के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। गैर प्रदूषणकारी उद्योगों सहित शहर के समग्र विकास के लिए अच्छी गुणवत्ता के साथ रोजगार देने वाली परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा।

एमएसएमई गैर प्रदूषणकारी उद्योग को प्राथमिकता दी जाएगी। सभी विकास कार्य स्मार्ट सिटी के दिशा-निर्देशों के आधार पर कराए जाएंगे।

अयोध्या के सरकारी और कार्यालयों भवनों में सोलर पैनल स्थापित किए जाएंगे। सौर ऊर्जा से संचालित संयंत्रों व उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय समुदाय के बीच जागरूकता पैदा किया जाएगा। अयोध्या में ग्रीन फील्ड टाउनशिप परियोजना के जमीनों का अधिग्रहण जल्द शुरू किया जाएगा।

सीएम योगी की सख्ती : यूपी में छह हजार से ज्यादा हटाए गए अवैध लाउडस्पीकर

लखनऊ। यूपी सरकार के निर्देश पर धार्मिक स्थलों से अब तक अवैध रूप से लगाए गए 6,031 लाउडस्पीकर हटाए गए हैं और अनेक स्थानों पर वैध ध्वनि विस्तारक यंत्रों की आवाज धीमी की गई है। प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने बुधवार को बताया, पूरे प्रदेश में धार्मिक स्थलों पर अवैध रूप से लगाए गए लाउडस्पीकर उतारने और वैध लाउडस्पीकर की आवाज कम करने के सिलसिले में एक अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत बुधवार दोपहर तक 6,031 लाउडस्पीकर हटाए गए हैं और 29,674 ध्वनि विस्तारक यंत्रों की आवाज अनुमन्य सीमा तक कम की गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पिछले हफ्ते वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक के दौरान दिए गए दिशा निर्देशों के आधार पर यह कार्रवाई की जा रही है। योगी ने कहा था कि हर किसी को अपनी-अपनी धार्मिक आस्था के हिसाब से पूजा और इबादत करने की आजादी है लेकिन लाउडस्पीकर की आवाज परिसर के बाहर नहीं जानी चाहिए ताकि दूसरे लोगों को कोई परेशानी ना हो। प्रदेश के गृह विभाग ने अवैध रूप से लगाए गए लाउडस्पीकर को हटाने की कार्रवाई की स्थिति रिपोर्ट आगामी 30 अप्रैल को मांगी है।

पुलिस विभाग द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक सबसे ज्यादा 1,366 लाउडस्पीकर वाराणसी जोन से उतारे गए हैं। इसके अलावा मेरठ जोन में 1,215, बरेली जोन में 1,070 और कानपुर जोन में अवैध रूप से लगाए गए 1,056 लाउडस्पीकर हटाए गए हैं। पुलिस ने बताया कि जहां तक वैध लाउड स्पीकर की आवाज कम करने का सवाल है तो इस मामले में राजधानी लखनऊ अव्वल है जहां 6,400 लाउडस्पीकर की आवाज धीमी की गई है। इसके अलावा बरेली जोन में 6,257 और मेरठ जोन में 5,976 लाउडस्पीकर की आवाज सीमित की गई है। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने बताया कि लाउडस्पीकर हटाने का काम बिना किसी भेदभाव के किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि राजधानी लखनऊ में धार्मिक स्थलों पर अवैध रूप से लगाए गए 433 लाउडस्पीकर हटाए गए हैं। पुलिस उपायुक्त पश्चिमी सोमेन बर्मा ने बताया अवैध लाउडस्पीकर हटाने का सिलसिला मंगलवार को शुरू किया गया था और यह अब भी जारी है।

हम विभिन्न धर्मगुरुओं से तथा शांति समितियों के सदस्यों के साथ तालमेल कर इस मुहिम को आगे बढ़ा रहे हैं। अभी तक हमें किसी भी तरह के विरोध का सामना नहीं करना पड़ा है।

शार्ट न्यूज

सीतारमण ने पेरुमल गांधी से की मुलाकात

नयी दिल्ली/सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका के दौरे पर गयीं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को खाद्य स्टार्ट-अप परफेक्ट डे के सह-संस्थापक पेरुमल गांधी से मुलाकात की और देश में उनके (श्री गांधी) के कारोबार के परिचालन को बढ़ाने के लिए हर संभव मदद की पेशकश की। परफेक्ट डे फूड्स सिलिकॉन वैली की एक प्रमुख सिनबियो / बायोटेक स्टार्ट-अप है. जिसने पशु स्रोत का उपयोग करने की बजाय माइक्रोबियल किण्वन के जरिए दूध प्रोटीन बनाने की तकनीक को विकसित किया है। बायोइंजीनियर्स रयान पांड्या और पेरुमल गांधी ने वर्ष 2014 में कैलिफोर्निया के बर्कले में परफेक्ट डे की शुरूआत की थी। वित्त मंत्री के साथ सैन फ्रांसिस्को में बैठक के दौरान श्री गांधी ने परफेक्ट डे की विकास योजना पर चर्चा की और कंपनी के पैमाने को बढ़ाने तथा मेक इन इंडिया अभियान में शामिल होने के लिए भारत में निवेश करने की बात कही। उन्होंने कहा कि कहा कि परफेक्ट डे पिछले दो वर्षों से ज्यादा समय से भारत में निवेश कर रहा है। उन्होंने कहा, हमने बेंगलुरु में अनुसंधान एवं विकास केंद्र शुरू की है। हमने अभी-अभी गुजरात से बाहर एक बड़े अधिग्रहण की घोषणा की है, ताकि भारत से बाहर अपने विनिर्माण केंद्र स्थापित करने में तेजी लाई जा सके। गांधी ने कहा कि बैठक के दौरान श्रीमती सीतारमण ने परफेक्ट डे जैसे स्टार्ट-अप्स को आकर्षित करने के लिए सरकार की ओर से पूरी तरह से सहयोग करने की बात कही।

वर्ष 2023 तक आयेगी भारत की डिजिटल मुद्रा

सैन फ्रांसिसकों। केन्द्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने आज सिलिकॉन वैली में निवेशकों और उद्यमियों के साथ चर्चा की और वर्ष 2023 तक भारत में डिजिटल मुद्रा शुरू की जायेगी। सीतारमण ने फिक्की द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि सरकार ने बजट में डिजिटलीकरण के लिए बजट में कई पहलों की घोषणायें की है। रिजर्व बैंक द्वारा डिजिटल मुद्रा, डिजिटल बैंक और डिजिटल विश्वविद्यालय बनाने की घोषणाओं का उल्लेख करते हुये उन्होंने कहा कि सरकार हर क्षेत्र में डिजिटलीकरण को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत में डिजिटलीकरण को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है और वर्ष 2023 तक नयी डिजिटल मुद्रा जारी करने की घोषणा की जा चुकी है। उन्होंने हालांकि कहा कि दूसरे देशों की तरह प्रास्तवित डिजिटल मुद्रा का उद्देश्य वित्तीय समावेशन नहीं है। सरकार और रिजर्व बैंक के इसके विभिन्न व्यावसायिक उपयोग पर भी विचार कर रहा है। भारत में वित्तीय समावेशन को जैम तंत्र के माध्यम से हासिल किया गया है। उन्होंने चर्चा के दौरान निवेशकों के साथ लगातार संपर्क में रहने और उनकी चिंताओं को दूर करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में सशक्त स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने बहुत ही सक्रिय स्टार्टअप प्रकोष्ठ का गठन भी किया है। जो लोग स्टार्टअप के लिए इच्छुक हैं उन्हें प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्हें उद्योग एवं आतंरिक व्यापार संवर्धन विभाग से जोड़ा गया है। उन्होंने निवेशकों से कहा कि वे अपने सुझाव दे सकते हैं और कठिनाइयां भी बता सकते हैं और जहां तक संभव होगा उनकी समस्याओं का समाधान भी किया जायेगा। चर्चा के दौरान निवेशकों ने माना कि भारत में यूनिकार्न कंपनियां बनाने की बहुत संभावनायें हैं।

केनरा एचएसबीसी ओबीसी लाइफ इंश्योरेंस ने लॉन्च किया 'आइसेलेक्ट स्मार्ट 360 टर्म प्लान'

नयी दिल्ली। जीवन बीमा क्षेत्र की कंपनी केनरा एचएसबीसी ओरिएंल बैंक ऑफ कॉमर्स लाइफ इंश्योरेंस ने एक नया टर्म इंश्योरेंस आइसेलेक्ट स्मार्ट360 टर्म प्लान लॉन्च किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह टर्म प्लान व्यापक सुरक्षा प्रदान करता है। यह एक लचीला टर्म प्लान है जो इसके खरीदार की जिंदगी के सभी चरणों और जरूरतों के लिए उपयुक्त है। यह प्लान ग्राहक की व्यक्तिगत जरूरतों के आधार पर उपलब्ध प्लान के तीन विकल्पों में से चुनने की आजादी देता है। ये तीन विकल्प हैं – लाइफ सिक्योर जो लाइफ कवर की पेशकश करता है, लाइफ सिक्योर विद इनकम लाइफ कवर के अलावा सर्वाइवल इनकम बेनेफिट प्रदान करता है और लाइफ सिक्योर विद रिटर्न ऑफ प्रीमियम लाइफ कवर के साथ पॉलिसी की अवधि खत्म होने के बाद प्रीमियम की वापसी की पेशकश करता है। कंपनी द्वारा पेश की गई नई बीमा योजना में कई वैकल्पिक विशेषताएं हैं। इसमें ब्लॉक प्रीमियम बेनेफिट, 40 सूचीबद्ध गंभीर बीमारियों के विरुद्ध कवरेज, एक्सीडेंटल डेथ/डिसैबिलिटी एवं टर्मिनल इलनेस बेनेफिट का विकल्प अपनाकर कवर को बढ़ाने के विकल्प, चाइल्ड केयर बेनेफिट, अर्ली एग्ज़िट बेनेफिट आदि शामिल हैं।

एलआईसी का 21 हजार करोड़ का आईपीओ चार मई को खुलेगा

मुंबई। सरकारी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को पूंजी बाजार में सूचीबद्ध कराने और इसके माध्यम से सरकार के अपनी 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी का विनिवेश करने के उद्देश्य से 21 हजार करोड़ रुपये जुटाने वाला प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) चार मई को खुलेगा। यह बहुप्रतीक्षित आईपीओ नौ मई को बंद होगा और इसके लिए मूल्य दायरा 902 रुपये से 949 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। एलआईसी के पॉलिसीधारकों को इसमें 60 रुपये की और कंपनी के कर्मचारियों एवं खुदरा निवेशकों को 45 रुपये प्रति शेयर की छूट दी जायेगी। इसके तहत एलआईसी के 221374920 शेयर जारी किये जायेंगे। इसमें से कर्मचारियों के लिए 1581249 शेयर और पॉलिसीधारकों के लिए 22137492 शेयर सुरक्षित रखे गये हैं। इस आईपीओ का 9.88 करोड़ से अधिक शेयर योग्य संस्थागत क्रेताओं के लिए और 2.96 करोड़ गैर संस्थागत क्रेताओं के लिए रखा गया है। दिपम सचिव तुहिन कांत पांडेय ने आज यहां संवाददाताओं को यह जानकारी देते हुये कहा कि आईपीओ को आकार सही है। इसको कम कर 21 हजार करोड़ रुपये किये जाने के बावजूद एलआईसी का आईपीओ देश का सबसे बड़ा आईपीओ है। इसमें खुदरा निवेशकों की भागीदारी को लेकर वह बहुत उत्साहित हैं। इस अवसर पर एलआईसी के अध्यक्ष एमआर कुमार ने कहा कि मूल्याकंन परिस्थितियों और सूचीबद्धता की जरूरतों पर आधारित है। इस आईपीओ के बाद भी एलआईसी में सरकार की हिस्सेदारी को कम करने पर अभी भी चर्चा जारी है लेकिन निकट भविष्य में अधिक विनिवेश की संभावना नहीं है। पांडेय ने कहा कि सरकार अगले एक वर्ष में एलआईसी का अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) नहीं ला रही है।

16 रुपये से 300 पर पहुंचे अडानी पावर के शेयर, 5 दिन में ही चढ़ गए 60 रुपये

नई दिल्ली। अडानी पावर के शेयर जबरदस्त परफॉर्मेंस दिखा रहे हैं। अडानी पावर का मार्केट कैप हाल में ही 1 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा है। अडानी पावर के शेयर पिछले 5 ट्रेडिंग सेशंस से अपर सर्किट पर हैं। पिछले 5 दिन में कंपनी के शेयरों में 24.73 फीसदी या करीब 60 रुपये की तेजी आई है। अडानी पावर के शेयरों ने इस साल अब तक करीब 200 पर्सेंट का रिटर्न निवेशकों को दिया है। पिछले कुछ साल में कंपनी के शेयर 16 रुपये के स्तर से चढ़कर 300 रुपये पर पहुंच गए हैं। अडानी पावर के शेयर 29 जून 2018 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 16.15 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 27 अप्रैल 2022 को बीएसई में 299.80 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। अगर किसी व्यक्ति ने 29 जून 2018 को कंपनी के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 18.56 लाख रुपये होता। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो-लेवल 69.95 रुपये है। वहीं, अडानी पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 300 रुपये है।

शक्कर मजबूत, खाद्य तेलों में उछाल, दलहन मजबूत, दालें सस्ती, चावल सामान्य

एजेंसी

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में खरीदी बताई गई। खाद्य तेल उछाल लिए रहे। आज सोयाबीन रिफाइंड ऊंचा होकर बिका। दलहन मजबूत रहे। दालों में ग्राहकी सुस्त होने से नरमी दर्ज की गई। चावल में खरीदी बढ़ी रही।

किराना बाजार

शक्कर में खरीदी से मजबूती रही। आज शक्कर में कामकाज 3620 से 3660 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। नारियल में लिवाली बनी रही। खोपरा गोला तथा हल्दी में उठाव बताया गया। साबूदाना मजबूत रहा।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में उछाल दर्ज की गई। आज सोयाबीन रिफाइंड बढ़कर बिका। तिलहन में सोयाबीन में प्लान्टो की लिवाली रही। सरसों में कामकाजी सुधार से तेजी हुई।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन मजबूती लिए बताए गए। दालों में लिवाली सुस्ती से नरमी रही। इससे भाव गिरावट लिए बताए गए। चावल में उठाव बना रहा।

किराना

शक्कर 3620 से 3660 रुपये प्रति क्विंटल। नारियल 120 भरती 1450 से 1500, 160 भरती 1725 से 1750, 200 भरती 1800 से 1850, 250 भरती 2100 से 2150 रुपये। खोपरा गोला 205 से 225 रुपये प्रति

किलोग्राम। खोपरा बूरा 2400 से 4400 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 115 से 175 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4500 से 5100, पैकिंग में 5400 से 5600 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 6500 से 6700, रायडा 6200 से 6300 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1650 से 1670, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1610 से 1615, सोयाबीन साल्वेंट 1590 से 1595, पाम तेल 1635 से 1640 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

तुअर निमाड़ी 5500 से 6100, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 6200 से 6300, तुअर (कर्नाटक) 6500 से 6600, चना (कांटा) 4850 से 4900, मसूर 6500 से 6550, मूंग 6600 से 6700, मूंग हल्की 6000 से 6500, उड़द 7000 से 7100, उड़द मीडियम 5500 से 6200, उड़द हल्की 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 6050 से 6500, तुअर दाल सवा नंबर 8400 से 8500, तुअर दाल फूल 8600 से 8800, तुअर दाल नई 9100 से 9800, आयातित तुअर दाल 8200 से 8300, मसूर दाल 7850 से 8150, मूंग दाल 8400 से 8700, मूंग मोगर 8800 से 9100, उड़द दाल 8300 से 8600, उड़द मोगर 9300 से 9700 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10000 से 11000, तिबार 8000 से 8500, दुबार 7000 से 7500, मिनी दुबार 6500 से 7000, मोगरा 3500 से 4500, बासमती सैला 6500 से 9000, कालीमूंछ 7000 से 7500, राजभोग 6400 से 6500, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2500 से 2650, हंसा सैला 2450 से 2650, हंसा सफेद 2350 से 2450, पोहा 3700 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1380 से 1390, मैदा 1340 से 1350, आटा 1300 से 1310, चना बेसन 3250 से 3275 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

फिर लुढ़क गया शेयर बाजार

मुंबई। वैश्विक बाजार की गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से घरेलू शेयर बाजार पिछले दिवस की तेज़ी गंवाते हुए आज करीब एक प्रतिशत गिरकर बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 537.22 अंक लुढ़ककर 57 हजार के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे 56819.39 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 162.40 अंक कमजोर होकर 17,038.40 अंक पर रहा।

दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों के शेयर भी गिरे। इस दौरान मिडकैप 0.88 प्रतिशत टूटकर 24,413.80 अंक और स्मॉलकैप 0.61 फीसदी की गिरावट लेकर 28,742.27 अंक पर आ गया।

इस दौरान बीएसई के 18 समूहों में गिरावट दर्ज की गई। ऊर्जा 1.03, वित्त 1.40, इंडस्ट्रियल्स 1.03, दूरसंचार 1.72, यूटिलिटीज 1.81, बैंकिंग 1.07, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.17, तेल एवं गैस 1.24 और पावर समूह के शेयर 1.86 प्रतिशत गिरे।

विदेशी बाजारों में गिरावट का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.85, जर्मनी का डैक्स 0.53, हांगकांग का हैंगसेंग 0.06 और चीन के शंघाई कंपोजिट में 2.49 प्रतिशत की तेजी रही वहीं जापान का निक्केई 1.17 प्रतिशत टूट गया।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 373 अंक की गिरावट लेकर 56,983.68 अंक पर खुला लेकिन लिवाली होने से यह थोड़ी देर बाद ही 57,079.03 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बिकवाली के दबाव में यह दोपहर बाद 56,584.04 अंक के निचले स्तर तक लुढ़का। अंत में पिछले दिवस के 57,356.61 आंकने मुकाबले 0.94 फीसदी गिरकर 56,819.39 अंक पर रहा।

निफ्टी भी 127 अंक फिसलकर 17,073.35 अंजनपर खुला। सत्र के दौरान यह 17,110.70 अंक के उच्चतम अंक जबकि 16,958.45 अंक के निचले स्तर तक गिरा। अंत में पिछले सत्र के 17,200.80 अंक की तुलना में 0.94 फीसदी टूटकर 17,038.40 अंक पर रहा।

इस दौरान सेंसेक्स की 24 कंपनियों के शेयरों में गोता लगाया जबकि शेष छह में तेजी रही।

बजाज फाइनेंस ने सबसे अधिक 7.24 प्रतिशत का नुकसान उठाया वहीं टाटा स्टील सबसे अधिक 1.05 प्रतिशत के लाभ में रही।

उत्तराखंड में जियोफाइबर के रिकॉर्ड 1.25 लाख ब्रॉडबैंड कनेक्शन

देहरादून। उत्तराखंड में जियोफाइबर ने महज तीन वर्ष दो माह में सवा लाख से अधिक घर और दफ्तरों को अपने ब्रॉडबैंड नेटवर्क से कनेक्ट कर लिया है। राज्य में सवा लाख ब्रॉडबैंड कनेक्शन का आंकड़ा छूने वाली जियो पहली कंपनी है।

कंपनी की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, नंबर वन ब्रॉडबैंड नेटवर्क की अपनी पोजीशन को जियोफाइबर ने और मजबूत किया है। इसके लिये राज्य के सभी प्रमुख शहरों में इसकी सेवाएं उपलब्ध हैं। इनमें राजधानी देहरादून समेत हरिद्वार, रुड़की, ऋषिकेश, मसूरी, रुद्रपुर, हल्द्वानी, नैनीताल, काशीपुर, जशपुर, कोटद्वार, किच्चा, सितारगंज, विकास नगर, सेलाकी, हर्बर्टपुर, रायपुर, डोईवाला आदि शामिल हैं। जियोफाइबर ने अधिक से अधिक ग्राहकों तक पहुंच बनाने के लिए 'एंटरटेनमेंट बोनांजा प्लान लॉन्च' किया है। इसके तहत नया पोस्टपेड कनेक्शन लेने पर ग्राहकों को फ्री इंटरनेट बॉक्स और फ्री सेट टॉप बॉक्स मिलेगा।

दावा किया गया है कि सिक्योरिटी डिपॉजिट और इंस्टालेशन चार्ज भी नही देना होगा। बेसिक इंटरनेट प्लान्स के साथ 100 से 200 रू प्रतिमाह अतिरिक्त भुगतान करके ग्राहक अपने प्लान के अनुसार 6 से 14 तक ओटीटी एप्स और 550 से अधिक ऑन डिमांड चैनल फ्री में देख सकेंगे। 14 एंटरटेनमेंट एप्स में डिज्नी, हॉटस्टार, ज़ी-5, वूट और सोनी-लिव जैसे कई लोकप्रिय ओटीटी ऐप्स मौजूद हैं।

विज्ञप्ति के अनुसार, वन जीबीपीएस तक की अल्ट्रा हाई स्पीड वाले जियोफाइबर नेटवर्क पर इंटरनेट, स्मार्ट फोन फिक्स्ड लाइन और ओवर द टॉप एप्लिकेशन्स यानी ओटीटी ऐप्स जैसी ट्रिपल-प्ले-कॉम्बिनेशन सर्विस मिलती हैं। फिक्स्ड लाइन स्मार्ट फोन से देश में कहीं भी किसी भी नेटवर्क पर फ्री कॉलिंग की जा सकती है। अल्ट्रा एचडी सेट टॉप बॉक्स पर ओटीटी एप्स का इस्तेमाल कर सामान्य टीवी को स्मार्ट टीवी में बदला जा सकता है। उन्होंने बताया कि जियोफाइबर पर जियोमीट एप के जरिए मल्टीपार्टी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग भी की जा सकती है। जिस पर आप वर्चुअल बिजनेस, सामाजिक बैठकें और स्कूल क्लास ले सकते हैं।

अपने वैल्यू-फॉर-मनी प्लान्स की बदौलत जियोफाइबर के पास प्रदेश में सबसे अधिक ब्रॉडबैंड कनेक्शन हैं।

मिशलिन बना बीईई की एनर्जी लेबलिंग पाने वाला भारत का पहला टायर ब्रांड

नयी दिल्ली। प्रमुख मोबिलिटी कंपनी मिशलिन भारत सरकार के हाल में पेश किए गए स्टार लेबलिंग प्रोग्राम से मान्यता पाने वाला देश का पहला टायर ब्रांड बन गया है। इस लेबलिंग प्रोग्राम का लक्ष्य संवहनीयता और टायरों के लिए नए प्रदर्शन-मापदंडों में सुधार करना है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि मिशलिन एक्स मल्टी एनर्जी जेड टायर को ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) द्वारा 4-स्टार रेटिंग के साथ उद्योग का पहला ईंधन बचत करने वाला लेबल प्रदान किया गया है। ट्यूबलेस ट्रक टायर और बस टायर 295/80आर22.5 एक्स मल्टी एनर्जी जेड टायर को मिशलिन ने भारत में निर्मित है।

यह टायर ईंधन पर शानदार बचत की पेशकश करते हैं, विभिन्न री-ट्रीड्स के साथ लंबे समय तक चलते हैं और भारतीय सड़कों पर सुरक्षा प्रदान करते हैं। कुशल 4-स्टार रेटिंग वाले ये टायर ईंधन में और 8 प्रतिशत तक की बचत का वादा करते हैं।

फ्रेट परिवहन की दक्षता भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण रीढ़ है और यह सरकार की विभिन्न पहलों के फायदों को महसूस करने में आवश्यक भूमिका निभाएगी।

हरित परिवहन की दिशा में बेहद आसानी से रुख करने के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक महत्वाकांक्षी रोडमैप बनाया था। इसके तहत एक मसौदा अधिसूचना 2021 में जारी की गई थी जिसमें ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैण्डर्ड्स (एआइएस) के दूसरे चरण में उल्लिखित कारों, बसों एवं ट्रकों के टायरों को रोलिंग रेजिस्टेंस, वेट ग्रिप और रोलिंग राउंड उत्सर्जन संबंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रस्ताव रखा गया है।

गाज़ियाबाद अपशिष्ट जल प्रशोधन परियोजना शुरू

नयी दिल्ली। एग्रोटेक इंडिया की टीम क्लीन्स ने गाजियाबाद नगर निगम की नई गाज़ियाबाद अपशिष्ट जल प्रशोधन परियोजना चलाने के लिये भागीदारी की है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि पानी को साफ करने वाली अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए 10-12 किलोमीटर लंबे साहिबाबाद ड्रेन/ बृज विहार नाले के सभी विकेन्द्रित सीवेज सिस्टम को ठीक और नवीकृत किया जाना है।

बृज विहार नाला प्रदूषित है, जहाँ विभिन्न कैंसर कारी अपशिष्ट उत्पाद हैं, जैसे भारी धातुएं और आर्सेनिक, जो खतरनाक पेथोजन्स और बीमारियों का संवहन करते हैं, पानी की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं और जलाशय के भीतर तथा आस-पास के वन्यजीवन के लिये खतरा हैं। इस परियोजना के माध्यम से गाज़ियाबाद नगर निगम और टीम क्लीन्स ने तीन बड़ी समस्याएं हल करने की कोशिश की है। औद्योगिक एवं नगर निगम स्त्रोतों से आने वाले ठोस और घुले हुए प्रदूषकों से जल का प्रदूषण, बृज विहार नाले में जमा कीचड़ और तलछट, तथा मानसून के दौरान पानी के ओवरफ्लो का जोखिम, जिससे बाढ़ आ सकती है और आस-पास के इलाकों में संपत्ति को नुकसान हो सकता है।

कंपनी ने कहा कि इस परियोजना के 2 फेज हैं। फेज 1 में टीमों ने पानी की सतह पर तैर रहे कचरे को हटाने के लिये मेकैनिकल डिस्टिलिंग और ट्रेश बेरियर्स का इस्तेमाल किया है और जियोट्यूब टेक्नोलॉजी से पानी की गुणवत्ता को ठीक किया गया है, जिसके लिये हाइड्रोलिक प्रेशर का इस्तेमाल हुआ है, ताकि रेत को पानी से निकालकर जमीन पर पहुँचाया जा सके। टीमें अब तक लगभग 5 किलोमीटर नाले को कवर कर चुकी हैं और लगभग 20,000 टन कीचड़ और कचरा निकालने में सफल हुई हैं।

डिस्टिलिंग की प्रक्रिया में पानी की बोतलें, पशुओं के कंकाल, पौधों की शाखाएं, आदि जैसे कचरे को निकालना, पत?थर, ईंट, निर्माण सामग्री जैसा कीचड़ निकालना, जाली का उपयोग कर तैरता कीचड़ निकालना और मजदूरों द्वारा नाले के दोनों किनारों की सफाई शामिल थी।

इसके अलावा, टीमें इस पर जागरूकता रैलियों और आस-पास के इलाकों में रहने वाले लोगों की प्रतिपुष्टि और सुझावों द्वारा सार्वजनिक जागरूकता भी निर्मित कर रही हैं। टीम पहले से साफ हो चुके क्षेत्रों में कचरा एकत्र करने के लिये बैटरी से चलने वाले रोबोट्स का इस्तेमाल भी करेंगी।

फेज 2 के तहत गाज़ियाबाद नगर निगम और टीम क्लीन्स ईस्टर्न यूरोप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही हैं, ताकि बायोलॉजीकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) और केमिकल ऑक्सीजन डिमांड (सीओडी) को कम करते हुए पानी को ठीक किया जा सके, जिसके बाद नाले का पूरा फिल्ट्रेशन (छानन) और सौंदर्यीकरण होगा। यह एक जारी परियोजना है, जिसके अगले 10-12 महीनों में पूरा होने की उम्मीद है।

एग्रोटेक इंडिया के सह-संस्थापक अखिलेश जैन ने कहा, गाज़ियाबाद नगर निगम ने गाज़ियाबाद के निवासियों के जीवन को खतरे से मुक्त करने के लिये जो महान पहल की है, उसका हिस्सा बनकर हम सम्मानित हैं। घरेलू कचरे और अवैध औद्योगिक निकासी के कारण बृज विहार नाला बहुत प्रदूषित है, जिससे लोगों तथा पर्यावरण को खतरा है। टीम क्लीन्स में हम अपनी यात्रा में 35 प्रतिशत प्रगति कर चुके हैं और हमें आने वाले महीनों में इस इलाके को साफ और आरोग्यकर बनाने का भरोसा है। इसके अलावा, इस परियोजना के तहत, गाज़ियाबाद नगर निगम अवैध निकासी करने वाले उद्योगों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही भी करेगा, जोकि प्रदूषण का मुख्य कारण है।

पिछले 24 घंटे में गौतम अडानी ने कमाए 48 हजार करोड़ रुपये, अब बिल गेट्स के बराबर हुई संपत्ति

एजेंसी

नई दिल्ली। साल 2022 में गौतम अडानी के नाम एक से बढ़ कर एक रिकॉर्ड बन रहे हैं। इस साल गौतम अडानी एशिया के सबसे अमीर शख्स तो बन ही गए, साथ ही दुनियाभर के अरबपतियों में चौथे स्थान पर भी पहुंच गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनर्स इंडेक्स के मुताबिक, अब उनकी संपत्ति बिल गेट्स के बराबर हो गई है जो कि चौथे स्थान पर हैं। गौतम अडानी की कुल संपत्ति 125 बिलियन डॉलर है। बिल गेट्स की संपत्ति भी 125 बिलियन डॉलर ही है।

ब्लूमबर्ग बिलियनर्स इंडेक्स के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में अडानी की संपत्ति 6.31 बिलियन डॉलर बढ़ी है, जो कि दुनियाभर के सभी अरबपतियों से अधिक है। यानी एक दिन में अडानी की संपत्ति में करीबन 48 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इस साल की बात करें तो दुनियाभर में सबसे अधिक कमाई करने वाले अरबपतियों की लिस्ट में नंबर वन पर गौतम अडानी पहुंच गए हैं। इस साल अब तक उनकी कमाई 48.3 बिलियन डॉलर रही है।

दरअसल, गौतम अडानी की संपत्तियों में यह उछाल शेयर बाजार में लिस्टेड उनकी सभी कंपनियों के शेयर हैं जो कि इस समय शानदार परफॉर्म कर रहे हैं। अडानी ग्रुप की सभी लिस्टिंग कंपनियों का मार्केट कैप 1 लाख करोड़ के आंकड़ें को पार कर गए हैं।

अडानी विल्मर ने दिया शानदार रिटर्न

शेयर बाजार में इस साल फरवरी में गौतम अडानी की खाद्य तेल बनाने वाली कंपनी अडानी विल्मर की लिस्टिंग हुई है। अडानी विल्मर में पैसे लगाने वाले निवेशक चार महीने के भीतर ही मालामाल हो गए। अडानी विल्मर ने लिस्टिंग डे से लेकर अब तक तीन गुना के करीब रिटर्न दिया है। अडानी विल्मर के शेयर आज शुरुआती कारोबार में 842.90 रुपये के स्तर पर पहुंच कर एक नया रिकार्ड बना दिया। बता दें कि अडानी विल्मर के शेयर 8 फरवरी को 221 रुपये डिस्काउंट पर लिस्ट हुए थे। मौजूदा शेयर प्राइस के हिसाब से अडानी विल्मर के शेयरों ने अब तक 281.4त्नका छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। बीएसई पर कंपनी का मार्केट कैप 1.7 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

अडानी पावर ने दिखाया 'पावर'

रिटर्न देने के मामले में इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर अडानी पावर के शेयर हैं। कंपनी के शेयरों ने इस साल 2022 में अब तक 198.05 प्रतिशत पर्सेंट का रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयर 31 दिसंबर को 2021 को बीएसई पर 99.75 रुपये के स्तर पर थे जो आज 27 अप्रैल को बढ़कर 297.30 रुपये के स्तर पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर में आज 5त्न तक की बढ़त है। इसका मार्केट कैप 1.14 लाख करोड़ रुपये हो गया। अडानी विल्मर और अडानी पावर के अलावा अडानी ग्रुप के लगभग सभी कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त तेजी है। और इन कंपनियों के मार्केट कैप तेजी से बढ़ रहे हैं।

2024 तक बढ़ी पीएम स्वनिधि योजना, बिना गारंटी सरकार देती है 50 हजार तक लोन

नई दिल्ली। पीएम स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) को अब दिसंबर 2024 तक बढ़ा दिया गया है। ये जानकारी केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दी है। उन्होंने बताया कि पहले स्कीम के तहत आवेदन करने की अंतिम तिथि मार्च 2022 तक थी। क्या है पीएम स्वनिधि- योजना के तहत रेहड़ी-पटरी वाले अपने काम को दोबारा से शुरू करने के लिए 10,000 रुपये तक का कर्ज ब्याज सब्सिडी के साथ प्राप्त कर सकते हैं। पहली बार में लिए गए लोन को समय से चुकाने पर पीएम स्वनिधि के लाभार्थी दूसरी बार में 20 हजार और तीसरी बार में 50 हजार रूपये तक के लोन के लिए योग्य हो जाते हैं। -पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत डिजिटल लेन-देन को प्रोत्साहित करने के लिए रेहड़ी-पटरी वालों को क्यूआर कोड, प्रशिक्षण और कैशबैक की सुविधा दी जाती है। अच्छे भुगतान व्यवहार और डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए क्रमश: ब्याज सब्सिडी (7 प्रतिशत प्रति वर्ष) और कैशबैक (1,200 रुपये तक) के रूप में प्रोत्साहन दिया जा रहा है। 24 प्रतिशत वार्षिक ब्याज पर 10,000 रुपये के कर्ज के लिए ब्याज सब्सिडी प्रभावी रूप से कुल ब्याज की 30 प्रतिशत होती है।

पेट्रोल-डीजल में 21 वें दिन भी स्थिरता

एजेंसी

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल में जारी नरमी के साथ ही देश में बुधवार को लगातार 21वें दिन पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव का रूख बना रहा।

सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के अनुसार आज दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है।

यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज कच्चे तेल की कीमतों में हल्की बढ़त दर्ज की गयी। लंदन ब्रेंट क्रूड 0.42 प्रतिशत बढ़कर 105.42 डालर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 101.95 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थीं। कंपनियों ने पिछले 31 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की। इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

शार्ट न्यूज

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में सर्वश्रेष्ठ के बीच मुकाबला ह : अक्षय कुमार

बेंगलुरु। हरियाणा की भूमि 21वीं सदी की शुरुआत से ही भारतीय मुक्केबाजी में श्रेष्ठ प्रतिभाओं को जन्म देने वाली बड़ी भूमि रही है। राज्य के विजेंदर सिंह, विकास कृष्ण यादव, पूजा रानी, अमित पंघाल और कई अन्य सितारों के नाम आज घर-घर में प्रसिद्ध नाम बन गए हैं। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2021 में बनने वाला ऐसा ही एक सितारा युवा अक्षय 'कुमार' सिवाच है, जो भिवानी (हरियाणा) का रहने वाला है। इस 20 वर्षीय मुक्केबाज अक्षय का नाम बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार के नाम पर रखा गया था। अपने नाम के बारे में एक किस्सा साझा करते हुए, अक्षय ने कहा,मेरे परिवार का नाम वास्तव में सिवाच है, लेकिन मुझे आमतौर पर मेरे दोस्तों और परिवार में अक्षय कुमार के रूप में जाना जाता है। जब मैं पैदा हुआ तो मेरी मां ने मेरा नाम अक्षय रखा था और मेरे पिताजी ने उसमें 'कुमार' नाम जोड़ा दिया था क्योंकि वह इसी नाम के सिनेमा अभिनेता के बहुत बड़े प्रशंसक थे। इस प्रकार मुझे यह नाम मिला है। अक्षय कुमार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2021 में 63.5 किलोग्राम के भार वर्ग में मुकाबला कर रहे हैं, जहां वह ओपीजेएस विश्वविद्यालय, राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वह पहले ही इस प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुके हैं।

दीपक खत्री के शतक से प्लेयर्स इलेवन लक्ष्मण दास छाबड़ा क्रिकेट के फाइनल में

नयी दिल्ली। मैन ऑफ द मैच दीपक खत्री के शानदार शतक (107 रन सिर्फ 78 गेंद 14/4, 1/6), सुमित माथुर (48),प्रियांशु आर्य (48) और अर्जुन रायप्रिया (3/42) के शानदार खेल की बदौलत प्लेयर्स इलेवन ने सेंत स्टीफंस क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे 37वें अखिल भारतीय लक्ष्मण दास छाबड़ा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में सहगल क्रिकेट क्लब को 24 रन से हराया और फाइनल में प्रवेश कर लिया। पराजित टीम की ओर से शिवम चौधरी ने 76 रन की शानदार पारी खेली। प्लेयर्स इलेवन-265 रन 40 ओवर में ऑल आउट (दीपक खत्री 107, सुमित माथुर 48, प्रियांशु आर्य 48, गगन सोढ़ी 3/56, शिवम शर्मा 3/49, विशाल चौधरी 2/57) सहगल क्लब -241 रन आल आउट , शिवम चौधरी (76 रन , अर्जुन 3/42)

हमें पराग पर पूरा भरोसा था : सैमसन

पुणे। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मिली 29 रन की जीत में अर्धशतक बनाने वाले रियान पराग की तारीफ करते हुए कहा, हम लोगों को पराग पर पूरा भरोसा था कि वह बढ़िया पारी खेलेंगे। हमें लगा था कि 150-160 का स्कोर इस पिच पर एक बढ़िया स्कोर था। पराग की इस पारी के लिए हम काफ़ी समय से इंतज़ार कर रहे थे। सैमसन ने कहा,हालांकि जब ओस नहीं गिरा तो ऐसा लगा कि हम 10-15 रन पीछे हैं। हम लोंगो ने आपस में बात की थी कि जब आप 200 के स्कोर तक पहुंचना चाहते हैं तो आपको जाकर सिर्फ़ मारना होगा। हालांकि इस तरह की पिच पर बल्लेबाज़ अपना गियर अचानक से नहीं बदल सकते हैं। पिच में जब बढ़िया माहौल होता है तो आप इस तरह का प्रदर्शन करते हैं। जैसे करूण नायर को ज़्यादा मौक़ा नहीं मिला लेकिन जब आज मिचेल को टीम में शामिल करने की बात आई तो उन्होंने आराम से इस पर सहमति जताई। मैन ऑफ़ द मैच रियान पराग ने कहा, यह पारी खेल कर काफ़ी अच्छा लग रहा है। हमारी टीम ने मुझ पर काफ़ी सालों से भरोसा जताया है। मैं धीरे-धीरे उनके भरोसे पर खरा उतर रहा हूं। मुझे दबाव पसंद है। इस विकेट पर हम 140-150 का स्कोर बनाना चाहते थे। मैं हसरंगा के दूसरे ओवर में अटैक करना चाह रहा था लेकिन अचानक से काफ़ी विकेट गिर गए तो मुझे संयमित तरीके से खेलना पड़ा।

विराट एक बुरे दौर से गुजर रहे हैं : डुप्लेसी

पुणे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी ने राजस्थान रॉयल्स से आईपीएल में मिली 29 रन की हार के बाद कहा कि इस पिच पर असमतल उछाल थी। हमलोगों ने जो कैच ड्रॉप किया, उसके कारण हमने 25 रन एक्स्ट्रा दिए। डुप्लेसीने कहा,हम कोशिश कर रहे हैं कि हमारा टॉप ऑर्डर बढ़िया प्रदर्शन करे। हमने टॉप ऑर्डर में बदलाव किया था लेकिन यह कारगर नहीं रहा। हमने पिछले मैच के बाद यह सोचा था कि विराट को मेरे साथ ओपन करना चाहिए। हालांकि अभी वह एक बुरे दौर से गुजर रहे हैं लेकिन यह तय है कि वह एक शानदार बल्लेबाज़ हैं और टीम के लिए जल्द ही बढ़िया प्रदर्शन करेंगे।

सभी पहलवानों के लिए जन्म प्रमाणपत्र अनिवार्य

नयी दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ ने कुछ कड़े फैसले लेते हुये सभी पहलवानों के लिए राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सेदारी के लिये जन्म प्रमाणपत्र अनिवार्य कर दिया है। पटना में हुये अंडर -15 ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में लगभग 1000 से भी ज़्यादा पहलवानों ने भाग लिया जिसमे भारतीय कुश्ती संघ ने कड़ा फैसला लेते हुए लगभग 150 से ज़्यादा ओवर ऐज पहलवानों को प्रतियोगिता से बाहर कर दिया। इसके अतिरिक्त, रांची में सम्पन्न हुई अंडर-17 (कैडेट) राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में भी ओवर ऐज पहलवानों को बाहर किया है। पहलवानों के दस्तावेजो की जांच में पता चला कि पहलवान अपनी आयु घटाने के लिए दिल्ली राज्य का सहारा लेते है क्योकि दिल्ली में आसानी से जन्मप्रमाण पत्र ऑनलाइन मिल जाता है। नाम ना छापने की शर्त पर एक पहलवान ने स्वीकार किया कि उसने 2 साल उम्र घटाने के लिए दिल्ली से नया जन्मप्रमाण पत्र ऑनलाइन प्राप्त किया। जांच में कुश्ती संघ ने ये भी पाया कि जो पहलवान अपनी सही उम्र से भाग ले रहा है उसका जन्मप्रमाण पत्र भी उसके जन्म वर्ष का है जबकि जिस पहलवान ने अपनी उम्र में छेड़छाड़ की है वह अपना जन्म प्रमाणपत्र वर्तमान वर्ष का लेके आते है! उदाहरण के तौर पर जिस पहलवान का जन्मवर्ष 2004 है और अगर उसने अपने जन्मप्रमाण पत्र में छेड़छाड़ की है तो उसका जन्मप्रमाण पत्र 2020, 2021 या 2022 वर्ष में जारी किया होगा।
ये भी पाया गया कि ज़्यादातर हरियाणा के पहलवानो ने जिसने अपनी उम्र कम की है उसका जन्म प्रमाणपत्र दिल्ली का होता है ओर उस जन्म प्रमाणपत्र जारी करने का वर्तमान वर्ष होता है। रांची में हुई राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी भारतीय कुश्ती संघ ने सभी पहलवानो के दस्तावेजों की बारीकी से जांच की है तथा उन पहलवानो को हटा दिया है जिन्होंने अपनी उम्र घटाने के लिये दस्तावेज़ों में छेड़छाड़ की है। इस बाबत भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह, ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल और लेफ्टिनेंट गवर्नर अनिल बेजल को एक पत्र के माध्यम से जन्म प्रमाणपत्र के फर्ज़ीवाड़े के वारे में अवगत करवाया तथा कड़े फैसले लेने की प्रार्थना की है।

उम्र की धोखाधड़ी रोकने में कुश्ती महासंघ शोषण पर भी ध्यान दे : कृपाशंकर

इनडोर। अर्जुन अवार्डी भारतीय कुश्ती कोच कृपाशंकर ने कहा है कि भारतीय कुश्ती महासंघ चोर खिलाड़ियों के उम्र बदलने वाले परिवर्तनों को रोकने के लिए अच्छे प्रयास कर रहा है। लेकिन इसकी आड़ में कई राज्यों में योग्य खिलाड़ी हैं, जिनका शोषण भी हो रहा है ।रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया को चाहिए कि वह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के साथ-साथ उन राज्यों पर भी ध्यान दे जहां स्थाई प्रमाण पत्र और जन्म तिथि प्रमाण पत्र के नाम पर खिलाड़ियों के भविष्य बर्बाद कर रहे है। कृपाशंकर ने कहा,कई बार ऐसा हो सकता है कि हरियाणा, पंजाब या देश के किसी अन्य हिस्से का खिलाड़ी दिल्ली में पैदा हो गया हो, ऐसे में उस खिलाड़ी का स्थायी निवासी प्रमाण पत्र और जन्मतिथि प्रमाण पत्र अलग अलग हो सकता है। मुझे लगता है कि पहले पासपोर्ट और आधार कार्ड की जांच की जाती थी, यही सबसे बेहतर तरीका था। पासपोर्ट में जन्म स्थान दिखाया जाता है कई खिलाड़ी आज भी ऐसे हैं जिनके पास जन्म तिथि प्रमाण पत्र नहीं है उनमें से मैं भी एक हूं । उन्होंने कहा,उदाहरण के तौर पर एक पहलवान राजस्थान प्रदेश का पिछले अनेकों वर्षों से प्रतिनिधित्व कर रहा है अब भारतीय कुश्ती संघ इस बात पर उस पहलवान को निकाल दे कि आपके पास जन्म तिथि प्रमाण पत्र नहीं है।

आईपीएल में युवाओं के प्रभावशाली प्रदर्शन पर मोहित हुए विशेषज्ञ

मुम्बई। सबसे रोमांचक इस आईपीएल सीजन में दुनिया ने युवा क्रिकेटरों के कई बेजोड़ प्रदर्शन देखे हैं। इन युवा प्रतिभाओं ने इस चमकदार प्रतिस्पर्धा में अभी केवल छोटे कदम उठाए हैं, लेकिन खेल विशेषज्ञ टाटा आईपीएल 2022 में इनके शानदार प्रदर्शन से प्रभावित हो गए हैं।
भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि पंजाब किंग्स के अपकैप्पड लेफ्ट-आर्म पेसर अर्शदीप सिंह डैथ ओवरों में कमाल की गेंदबाजी कर रहे हैं और वह राष्ट्रीय टीम में शामिल हो सकते हैं।
स्टार स्पोर्ट्स पर क्रिकेट लाइव में बातचीत करते हुए शास्त्री ने कहा, %कोई युवा समय-समय पर मिले मौकों पर दबाव झेल जाए, तो ये देखना शानदार होता है। अर्शदीप शानदार ढंग से अपने ऊपर बढ़िया नियंत्रण रख रहा है, वह डैथ ओवरों में अच्छा कर रहा है। इससे पता चलता है कि वह बहुत तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और वह भारतीय टीम में शामिल हो सकता है।
इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने क्रिकेट लाइव में कहा, %जब आपके पास कैगिसो रबादा हो, जो अपने देश के लिए हमेशा शानदार प्रदर्शन करता है। उन्होंने जिस तरह से अर्शदीप के बारे में विचार रखे (यह बहुत बड़ी बात है)। रबादा ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि वह (अर्शदीप) कितना सकारात्मक है, वह पीबीकेएस के लिए कितनी अच्छी भर्ती रहा है, और वह अपने काम को कैसे अंजाम देता है। वह इस बारे बात करने के लिए हमसे बेहतर (एक व्यक्ति) है।
वेस्ट इंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा ने सनराइजर्स हैदराबाद के युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक की तारीफ की और दावा किया कि जम्मू का यह तेज गेंदबाज भारत के लिए खेलने जा रहा है। लारा ने कहा, %उमरान ने मुझे फिडेल एडवर्ड्स की याद दिलाई, जब उन्होंने बहुत गति के साथ पहली बार शुरुआत की थी, और मुझे उम्मीद है कि

वह इसे समझते हैं कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की राह पर है, जो मुझे लगता है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलेगा। आईपीएल में बहुत सारे बल्लेबाज तेज गति की गेंदबाजी खेलने के आदी हो जाते हैं, इसलिए मुझे उम्मीद है कि वह भविष्य में अपने शस्त्रागार में थोड़ी और वैरिएशन जोड़ेगा। वह नेट्स में जल्दी सीखने वाला है, वह सीखने को तैयार रहता है और यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि भारत के पास उस क्षमता का तेज गेंदबाज है, यह बहुत ही जबर्दस्त है।
मुंबई इंडियन्स के मध्यक्रम के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने आत्मविश्वास से भरी बैटिंग के दम पर अपनी तरफ ध्यान खींचा है। 19 वर्षीय इस युवा बाएं हत्था बैटर ने सुनील गावस्कर, इरफान पठान और हरभजन को प्रभावित किया है।
भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर परिस्थितियों को शानदार ढंग से पढ़ने की तिलक वर्मा की क्षमता से प्रभावित हैं।गावस्कर ने कहा, क्रीज पर उनके संयम ने मुझे प्रभावित किया है। वह परिस्थितियों को पढ़ रहा है और उसके अनुसार बल्लेबाजी कर रहा है। यह बहुत महत्वपूर्ण है, जब आप स्थिति को अच्छी तरह से पढ़ते हैं तो आपके शॉट्स का चयन काफी बेहतर होता है। हर मैच के साथ उसका आत्मविश्वास बढ़ रहा है। आप देख सकते हैं कि टीम में उसकी जगह तय हो गई है और वह अलग तरह के शॉट खेलना चाहता है। लेकिन केवल तभी, जब इसमें कम जोखिम शामिल हो और यह उसकी बल्लेबाजी का सबसे अच्छा पहलू है। अब मैं चाहता हूं कि वह 30-40 रनों को 60-70 की पारियों में बदले। उसमें इस स्तर पर सफल होने के सभी गुण हैं।%%
तिलक वर्मा पर इरफान ने कहा, तिलक एक आत्मविश्वासी व्यक्ति हैं और वह एमआई के लिए बहुत फायदेमंद होने जा रहे हैं। यह आत्मविश्वास उन्हें और मुंबई इंडियंस को लंबे समय में मदद करेगा। बाएं हत्था बल्लेबाज मध्यक्रम में एक दुर्लभ वस्तु है। वह बाएं हाथ के स्पिनरों से आसानी से मुश्किल कोणों का मुकाबला कर सकते हैं, इसलिए उन्हें क्रिकेट में सोने में तौला जाता है। तिलक अब मुंबई इंडियंस के लिए मैच खत्म करना चाहेंगे। वह मुंबई इंडियन्स अगले दस वर्षों तक का हिस्सा हो सकते हैं।
भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा, तिलक एक होनहार युवा प्रतिभा है और वह अगले दस वर्षों के लिए मुंबई इंडियंस की जर्सी पहनने जा रहे हैं। उनकी अब तक की यात्रा प्रेरणादायक रही है और उन्होंने साबित किया है कि कैसे आप धैर्य और दृढ़ संकल्प से अपने सपनों को सच बना सकते हैं। वह कई युवा क्रिकेटरों को प्रेरित करने वाले हैं।
हरभजन सिंह ने राजस्थान रॉयल्स के ऑलराउंडर रियान पराग की आरसीबी के खिलाफ मैच जिताऊ अर्धशतक और टीम प्रबंधन के विश्वास को फिर से कायम रखने के लिए सराहना की।

दिल्ली को नो बॉल प्रकरण पीछे छोड़कर आगे बढ़ना होगा

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ गुरूवार को वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में पिछले मैच के नो बाल प्रकरण की छाया से बाहर निकलकर आगे बढ़ना होगा। दिल्ली सात मैचों में तीन जीत और छह अंकों के साथ 10 टीमों की तालिका में सातवें स्थान पर है जबकि कोलकाता आठ मैचों में तीन जीत और छह अंकों के साथ दिल्ली से एक स्थान नीचे आठवें नंबर पर है।
टीम के कप्तान ऋषभ पंत ने पिछले मुकाबले में नो बॉल पर भड़कते हुए अपने बल्लेबाजों को मैदान से बाहर बुलाने का इशारा तक कर दिया था जिसके बाद रोवमन पॉवेल की लय बिगड़ गयी थी और पहली तीन गेंदों पर छक्के मारने वाले पॉवेल अगली तीन गेंदों में कोई भी छक्का नहीं लगा पाए। इस मामले को लेकर पंत पर मैच फीस के 100 फीसदी का जुर्माना लगाया गया। पंत को अभी इस सीज़न अर्धशतक लगाना बाक़ी है, लेकिन उन्होंने ? पिछली पांच पारियों में 25 रन का स्कोर कम से कम बनाया है। पंत को वानखेड़े स्टेडियम में बल्लेबाज़ी पसंद है, जहां उन्होंने आईपीएल आठ पारियों में 47.33 के औसत और 182.05 के स्ट्राइक रेट से 284 रन बनाए हैं।
कोलकाता के आंद्रे रसेल इस सीज़न 200 से ज़्यादा रन बनाने वाले और 10 से ज़्यादा विकेट लेने वाले अकेले खिलाड़ी हैं। वह अपनी पुरानी फ़ॉर्म में लौट आए हैं जहां पर वह हर 5.7 गेंद पर छक्का लगा रहे हैं।

मुंबई के खिलाफ बेंगलुरू दावेदार, गोवा और हैदराबाद वापसी के लिए भिड़ेंगे

एजेंसी

पणजी। बेंगलुरू एफसी गुरुवार को अपने अभियान को आगे बढ़ाने उतरेगी, जब उसका सामना यहां नागोआ ग्राउंड में रिलायंस फाउंडेशन डेवलपमेंट लीग (आरएफडीएल) के चौथे दौर के मुकाबले में मुंबई सिटी एफसी से होगा। दिन के अन्य मुकाबले में एफसी गोवा और हैदराबाद एफसी अपनी-अपनी पिछली हार से उबरने के लिए बेनाउलिम ग्राउंड में आपस में भिड़ेंगे। बेंगलुरू ने अपने शुरुआती तीनों मैच जीत करके आरएफडीएल के उद्घाटन संस्करण में सटीक शुरुआत की है। इसके उलट, मुंबई अब तक खेले अपने सभी मैचों में हारी है। जहां ब्लूज़ मुंबई की मुश्किलें बढ़ाने की कोशिश करेंगे, वहीं आइलैंडर्स को अपने पहले अंक हासिल करने के लिए कोई तरीका खोजना होगा। बेंगलुरू ने एक कड़े मुकाबले में हैदराबाद को हराकर अपनी तीसरी जीत हासिल की थी, जिसमें मोनिरुल मोला ने विजयी गोल दागा था। हालांकि यह विश्वास भरा प्रदर्शन नहीं था क्योंकि हैदराबाद ने दूसरे हाफ में दबदबा बनाया था, बेंगलुरु के मुख्य कोच नौशाद मूसा की टीम ने लड़ने की भावना और मौकों का अधिकतम लाभ उठाने की क्षमता दिखाई हैं, लेकिन जब आगे बढ़ना आसान नहीं था।
राहुल राजू शानदार फॉर्म में है, इस दुबले स्ट्राइकर ने बेंगलुरू की तरफ से तीनों मैचों में स्कोर किया है। टीम की बैकलाइन मजबूत दिखाई दे रही है, नामग्याल भूटिया और रॉबिन यादव ने खुद का अच्छा दिखाया है।
मिडफील्ड में, बेकी ओरम भी प्रभावशाली रहे हैं। शिवशक्ति नारायणन को आखिरी मैच के पहले हाफ में उतारा गया था और यह देखना बाकी है कि क्या मुंबई के मैच के लिए यह फॉरवर्ड फिट है।
दूसरी ओर, मुंबई के पक्ष में अब तक कुछ भी अच्छा होता नजर नहीं आया है क्योंकि वे अपने पिछली मुकाबले में रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स से हार गए थे। मिडफील्डर श्रेयस वेटेकर और फुल-बैक ट्वेन फर्नांडीस ने कड़ी मेहनत की और दोनों प्रभावशाली दिखे लेकिन एक इकाई के रूप में मोहन दास की टीम छिन्न-भिन्न नजर आई। उसे बेंगलुरू के खिलाफ अपने खेल के स्तर को ऊपर उठाना होगा।
दिन के दूसरे मैच में, गोवा और हैदराबाद जीत की राह पकड़ने की कोशिश करेंगे। गोवा को जमशेदपुर ने 5-1 से रौंदा था जबकि हैदराबाद, बेंगलुरू से हारी थी। दोनों टीमों के समान मैचों से तीन अंक हैं।
गोवा ने शुरुआत अच्छी की थी लेकिन जमशेदपुर के रंगत में आते ही मुकाबला एकतरफा हो गया। कोच डेगी कार्डोजो के पास न केवल अपने लड़कों को मैच के लिए रणनीतिक तौर से तैयार करने का काम होगा, बल्कि हार के बाद मानसिक रूप से मजबूत करना भी होगा। गोवा को मिडफील्ड में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।
उधर, हैदराबाद ने बेंगलुरू से हार के बावजूद दमखम दिखाते हुए दूसरे हाफ में दबदबा कायम किया था और सी. लालचुंग्नुआ एवं अब्दुल रबीह का अच्छा प्रदर्शन दिखा। बिष्णु बोरदोलोई और मार्क ज़ोथनपुइया के साथ, हैदराबाद के पास एक शक्तिशाली आक्रमक लाइन है और कोच शमील चेम्बकथ को उम्मीद है कि वे गुरुवार को एक इकाई के रूप में प्रदर्शन करेंगे।

कई और देशों को गैस की सप्लाई रोक सकता है रूस

नई दिल्ली। रूस ने पोलैंड और बुल्गारिया की गैस सप्लाई रोकने का एलान कर दिया है. हालांकि, सचमुच सप्लाई रुकी है या नहीं, इसे लेकर अलग-अलग खबरें आ रही हैं. यूरोपीय देशों ने सप्लाई रोकने को ब्लैकमेल कहते हुए झुकने से इनकार किया है. पोलैंड और बुल्गारिया को गैस की सप्लाई रोकने के बाद रूस ने कहा है कि रूबल में भुगतान न करने वाले अन्य देशों को गैस की सप्लाई बंद की जा सकती है. रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव का कहना है कि रूबल में भुगतान की मांग पश्चिमी देशों के रूसी मुद्रा संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई के कारण पैदा हुई है. पेस्कोव का कहना है कि पश्चिम ने एक अभूतपूर्व गैरदोस्ताना कार्रवाई के जरिये उनकी चोरी कर ली है. बुधवार को पत्रकारों के साथ कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान पेस्कोव ने चेतावनी दी कि दूसरे यूरोपीय ग्राहक भी अगर भुगतान का समय आने पर रूबल में गैस के पैसे नहीं देंगे, तो उनकी सप्लाई का नल भी बंद हो सकता है. रूस ने पोलैंड और बुल्गारिया की सप्लाई बंद कर दी है, जिसे यूरोपीय संघ ने ब्लैकमेल करार दिया है. पेस्कोव ने इससे इनकार किया है और जोर देकर कहा, रूस ऊर्जा संसाधनों का भरोसेमंद सप्लायर है और अपने करारों की शर्तों से बंधा हुआ है पेस्कोव की दलील है कि रूबल में भुगतान की मांग का कारण विशुद्ध रूप से तकनीकी है और कीमतों या करार की दूसरी शर्तों में कोई बदलाव नहीं हुआ है. इस बीच सर्बिया ने कहा है कि बुल्गारिया को गैस की सप्लाई रोकने का बाल्कन देशों पर कोई असर नहीं पड़ेगा. सर्बिया पड़ोसी देश बुल्गारिया के जरिये हर रोज 60 लाख क्यूबिक मीटर गैस हासिल करता है. सर्बिया के ऊर्जा मंत्री जोराना मिहाइलोविच ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि सप्लाई रोकी नहीं गई है. उनका कहना है आने वाले दिनों में स्थिति और जटिल होने की आशंका से अधिकारी पहले ही विकल्पों की ओर देख रहे हैं. सर्बिया की रूसी गैस पर निर्भरता बहुत है और देश में तेल के क्षेत्र में एकाधिकार भी रूसी कंपनी गाजप्रोम के हाथ में है।
सर्बिया ने यूक्रेन युद्ध के बाद रूस पर प्रतिबंध नहीं लगाए हैं. बदले की

कार्रवाई पोलैंड का कहना है कि रूस ने इस हफ्ते उस पर लगाए प्रतिबंधों का बदला लेने के लिए अचानक गैस की सप्लाई रोकी है. मंगलवार को पोलैंड ने इन प्रतिबंधों का एलान किया, जिसमें 50 रूसी ओलिगार्कों और कंपनियों को निशाना बनाया गया है. इनमें गाजप्रोम भी शामिल है. पोलैंड का कहना है कि प्रतिबंधों का एलान करने के कुछ ही घंटे बाद उसे नोटिस मिला कि गाजप्रोम रूबल में भुगतान नहीं करने की वजह से गैस की सप्लाई रोक रहा है. पोलैंड के प्रधानमंत्री मातेउस मोराविकी ने संसद में कहा है कि उनका देश डरेगा नहीं. उन्होंने यह भी कहा कि बीते सालों में कई देशों से गैस हासिल करने के लिए उठाए कदमों के कारण पोलैंड सुरक्षित है. सांसदों ने प्रधानमंत्री का समर्थन करते हुए खड़े होकर तालियां बजाईं और कहा कि गैस ब्लैकमेल का कोई असर नहीं होगा. पोलैंड और बुल्गारिया को गैस की सप्लाई रोकने के बाद यूरोपीय संघ के अधिकारियों ने इस मुद्दे पर आपात बैठक बुलाई है. यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला फॉन डेय लेयन का कहना है कि संघ के देश रूसी गैस की कटौती का सामना करने के लिये तैयार हैं. लेयन ने यह भी कहा कि पोलैंड और बुल्गारियों को उनके पड़ोसी देशों से गैस की सप्लाई की जायेगी. बुल्गारिया में एक महीने तक दिक्कत नहीं बुल्गारिया का कहना है कि कम से कम एक महीने तक गैस की सप्लाई में कोई दिक्कत नहीं होगी. गाजप्रोम ने महज एक दिन की नोटिस पर सप्लाई बंद करने का एलान किया है. हालांकि, बुल्गारिया के ऊर्जा मंत्री आलेक्जेंडर निकोलोव का कहना है कि गैस की आपूर्ति अब भी चालू है।
इस बीच हंगरी के विदेश मंत्री ने कहा है कि बुल्गारिया को गैस की सप्लाई रोकने का असर उनके देश पर नहीं होगा. हंगरी तक गैस बुल्गारिया से होकर आती है. विदेश मंत्री पीटर सिजार्तो ने कहा है, मैं हर किसी को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि बुल्गारिया को गैस न देने का मतलब बुल्गारिया के जरिये गैस का ट्रांजिट रोकना नहीं है।
ब्रिटेन की विदेश मंत्री लिज ट्रुस का कहना है कि पश्चिमी देशों को रूसी आक्रमण से लड़ाई में यूक्रेन को मजबूत करने के लिये उसे विमान देने चाहिये. ब्रितानी विदेश मंत्री का कहना है, यूक्रेन की किस्मत संतुलन पर निर्भर है और वह पश्चिमी देशों से यूक्रेन को सैन्य सहायता बढ़ाने की मांग करती हैं. ट्रुस ने कहा, अगर पुतिन सफल हुए, तो पूरे यूरोप में ऐसी मुश्किलें आयेंगी, जिन्हें बयान नहीं किया जा सकता. साथ ही, पूरी दुनिया के लिये भयानक नतीजे होंगे. हम फिर कभी सुरक्षित महसूस नहीं कर सकेंगे. तो हमें लंबी लड़ाई के लिये तैयार रहना होगा और यूक्रेन को अपना समर्थन दोगुना करना होगा।
रूसी सेना का कहना है कि उसने पश्चिमी देशों से यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई पर हमला किया है. रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता मेजर जनरल इगोर कोनाशेंकोव ने बुधवार को कहा कि समुद्र से दागे गये क्रूज मिसाइल ने जापोरिझिया के एक अल्युमिनियम प्लांट में जमा किये हथियारों को निशाना बनाया है. कोनाशेंकोव का कहना है कि ये हथियार अमेरिका और यूरोपीय देशों ने भेजे थे. कोनाशेंकोव ने यह भी बताया कि रूसी लड़ाकू विमानों ने यूक्रेन के 59 ठिकानों को निशाना बनाया है. रूस के मुताबिक ये वे इलाके हैं, जहां सेना और हथियारों की भारी मौजूदगी है. उन्होंने यह भी कहा कि रूसी तोपों ने यूक्रेन के 573 ठिकानों पर गोलाबारी की है. मारियोपोल के स्टील प्लांट पर रूसी सेना हमले कर रही है।
यहां कुछ आम लोग और सैनिक फंसे हुए हैं. इस बीच मारियोपोल के मेयर के एक सहयोगी ने बताया है कि मारियोपोल से आम लोगों को निकालने की दिशा में अब तक कोई समझौता नहीं हो सका है. यूक्रेन के जनरल स्टाफ का कहना है कि रूसी सेनाएं खारकीव और दोनेत्स्क के इलाके में हमले कर रही हैं और उन्होंने कुछ बस्तियों पर कब्जा कर लिया है. युद्धभूमि से जो खबरें आ रही हैं, उनकी तत्काल पुष्टि करना संभव नहीं है. ब्रिटेन के सांसदों पर प्रतिबंध रूस ने ब्रिटेन के 287 सांसदों पर प्रतिबंध लगा दिया है. ब्रिटेन ने भी रूसी सांसदों पर प्रतिबंध लगाने का एलान किया था. रूसी विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है, ब्रिटेन सरकार के 11 मार्च को लिए गए फैसले में 386 स्टेट ड्यूमा के सदस्यों पर प्रतिबंध लगाया गया. इसके जवाब में हाउस ऑफ कॉमंस के 287 सदस्यों पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है मंत्रालय का कहा है कि इन सदस्यों के तत्काल प्रभाव से रूस आने पर रोक लगाई जा रही है. हाउस ऑफ कॉमंस में कुल 650 सदस्य हैं. ड्रोन कंपनी डीजीआई टेक्नोलॉजी का कहना है कि वह रूस और यूक्रेन में अपनी गतिविधियां फिलहाल अस्थाई रूप से बंद कर रही है. कंपनी के मुताबिक यह फैसला इसलिए किया गया है, ताकि युद्ध के दौरान कंपनी के ड्रोन और दूसरे उपकरणों का इस्तेमाल रोका जा सके. रसायन बनाने वाली प्रमुख कंपनी बीएएसएफ ने कहा है कि वह रूस और बेलारूस में अपना ज्यादातर कारोबार जुलाई की शुरूआत में बंद कर देगी. जर्मन कंपनी ने बुधवार को बताया कि उसने हमलों को देखते हुए दोनों देशों में नया कारोबार पहले से ही बंद कर दिया था और अब जो काम पहले से चल रहा है, उसे भी जुलाई में बंद कर दिया जाएगा. हालांकि, भोजन उत्पादन को इससे बाहर रखा गया है, क्योंकि कंपनी का कहना है, लड़ाई की वजह से भोजन के संकट की आशंका है।

पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने पीटीआई की परिसीमन पर याचिका की स्वीकार

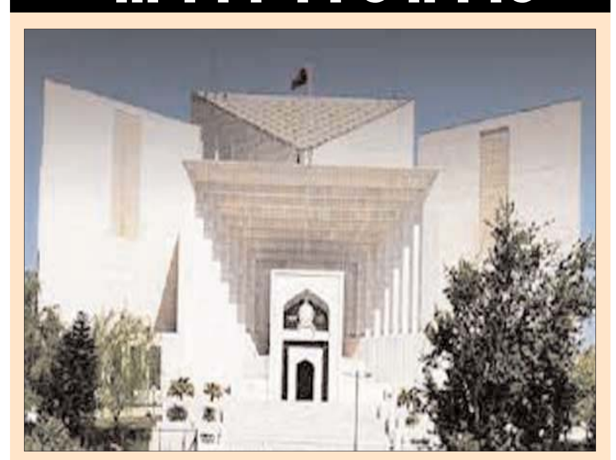

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की याचिका के खिलाफ अभिलेखी कार्यालय की आपत्ति को खारिज करते हुए मामले की नियमित सुनवाई को स्वीकार कर लिया है।
अभिलेखी कार्यालय ने देश भर में निर्वाचन क्षेत्रों के नए परिसीमन की प्रक्रिया को रोकने के लिए पीटीआई के खिलाफ आपत्ति जतायी थी। यह जानकारी एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बुधवार को एक रिपोर्ट में दी।
पीटीआई नेता असद उमर ने अभिलेखक के इस कदम के खिलाफ अपील दायर की थी, जिस पर न्यायधीश इजाजुल अहसन ने लगातार दो दिनों तक कक्ष में सुनवाई की।
अभिलेखक ने अपनी आपत्ति में कहा था कि संबंधित मंच पर मामले को उठाने का अवसर होने के बावजूद याचिक सीधे सुप्रीम कोर्ट में दायर की गयी थी और याचिका में संबंधित प्रमाण पत्र भी नहीं थे।
न्यायधीश एजाजुल हसन ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि क्या तत्कालीन फाटा के खैबर-पख्तूनख्वा में विलय के बाद परिसीमन की आवश्यकता नहीं थी।
इस पर पीटीआई के वकील ने जवाब दिया कि वर्ष 2017 के बाद से जनसंख्या अनुपात में कोई बदलाव नहीं आया है।
दो दिन लगातार सुनवाई के बाद न्यायधीश ने याचिका पर सहमति प्रदान कर दी है। मामले को अब सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद निपटाया जाएगा।
पीटीआई इस महीने की शुरुआत में 11 अप्रैल को पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) के घोषित परिसीमन कार्यक्रम को अवैध और असंवैधानिक ठहराते हुए शीर्ष अदालत गयी थी।
सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में चुनाव पर्यवेक्षक और सचिव को यह सुनिश्चित करने का आदेश देने का भी अनुरोध किया गया है कि आगामी चुनावी प्रक्रिया कानून और संविधान के अनुसार हो और बिना देरी के इसे पूर्ण किया जाए।
आवेदन में कहा गया है कि चुनाव आयोग द्वारा देश भर में प्रांतीय और राष्ट्रीय निर्वाचन क्षेत्रों के नए परिसीमन को आगे बढ़ाने का प्रयास और उसके बाद जारी की गई अनुसूची अनुच्छेद 51(5) से अलग है।
याचिका में कहा गया है कि संविधान के तहत वर्ष 2018 में किए गए परिसीमन अभ्यास को नयी जनगणना होने तक अंतिम माना जाना है, जिसके तहत चुनाव आयोग पहले किए गए परिसीमन के आधार पर चुनाव कराने के लिए बाध्य है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

75वें कांन्स फिल्म फेस्टिवल की जूरी बनीं दीपिका पादुकोण

मुंबई। बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री दीपिका पादुकोण 75वें कांन्स फेस्टिवल की जूरी बन गई है। दीपिका पादुकोण को 75वें कांन्स फेस्टिवल में जूरी बनने का मौका मिला है। इस लिस्ट में शामिल होने वाली दीपिका एकमात्र भारतीय अभिनेत्री बन गई है। इस फेस्टिवल में दीपिका पादुकोण को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता की आठ सदस्यीय जूरी के हिस्से के रूप में घोषित किया गया है। जूरी की अध्यक्षता फ्रांसीसी अभिनेता विंसेंट लिंडन करेंगे ।जूरी में दीपिका के साथ शामिल होने वाले अन्य नामों में ईरानी फिल्म निर्माता असघर फरहादी, स्वीडिश अभिनेत्री नूमी रैपेस, अभिनेत्री पटकथा लेखक निर्माता रेबेका हॉल, इटालियन अभिनेत्री जैस्मीन ट्रिंका, फ्रेंच निर्देशक लादो ली, अमेरिकी निर्देशक जेफ निकोल्स और नॉर्वे से निर्देशक जोआचिम ट्रायर शामिल हैं। यह फिल्म फेस्टिबल 17 मई से 28 मई तक चलेगा।

वीट ने कैटरीना कैफ के साथ शुरू किया अपना नया कैम्पेन 'द बेटर वे टू वैक्स'

मुंबई। त्वचा के बाल हटाने वाले उत्पादों की विश्व में अग्रणी निर्माता कंपनी वीट ने अपनी ब्रांड एंबेसडर कैटरीना कैफ के साथ आज से एक नया कैम्पेन शुरू किया है। कैटरीना कैफ ने कहा, वीट एक प्रतिष्ठित ब्रांड है, जो मेरी जैसी उन महिलाओं में साफ झलकता है, जो कई जिम्मेदारियां एक साथ निभा रही हैं और अपनी खास जरूरतों के लिए एक आसान और प्रभावी समाधान की तलाश में हैं। वीट के साथ मेरा लंबा सफर हमारे जुड़ाव को और भी खास बनाता है। मैं नए कैम्पेन ़दवेटरवेटूवैक्सका इंतजार कर रही हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शक भी इसे पसंद करेंगे।

हॉलीवुड फिल्म 'द ग्रे मैन' से धनुष का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार धनुष की आने वाली हॉलीवुड फिल्म द ग्रे मैन से उनका फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। धनुष ने सोशल मीडिया पर फिल्म द ग्रे मैन से अपना फर्स्ट लुक फैंस के साथ शेयर किया है। धनुष ने फोटो शेयर कर लिखा, द ग्रे मैन 22 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। नेटफ्लिक्स ने भी फिल्म से धनुष के फर्स्ट लुक को शेयर किया है और कैप्शन में लिखा, द ग्रे मैन से धनुष का फर्स्ट लुक। और यह है वेरा मारी वेरा मारी। धनुष के इस फोटो पर कई फैंस कमेंट कर कह रहे हैं कि यह भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का क्षण है। रूसो ब्रदर्स (एंथोनी और जो रूसो) के निर्देशन में बनी स्पाई थ्रिलर द ग्रे मैन में धनुष कैप्टन अमेरिका के नाम से मशहूर क्रिस इवांस के साथ एक्शन में नजर आएंगे। क्रिस इवांस-धनुष के अलावा रयान गोस्लिंग, एना डे, जेसिका हेनविक, वैगनर मौरा, रेगे-जीन पेज और बिली बॉब थॉर्नटन भी लीड रोल में नजर आएंगे। द ग्रे मैन धनुष की दूसरी हॉलीवुड फिल्म होगी। इससे पहले धनुष 2018 में प्रदर्शित फिल्म द एक्स्ट्रा ऑडिनरी जर्नी ऑफ फकीर में दिखाई दिए थे।

ईशा गुप्ता ने टाइगर श्रॉफ के साथ 'विसल बजा 2.0' पर किया डांस

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता ने टाइगर श्राफ के साथ हीरोपंती 2 के गाना विसल बजा 2.0 पर डांस किया है। टाइगर श्रॉफ इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म हीरोपंती 2 को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में हीरोपंती 2 का नया गाना विसल बजा 2.0 रिलीज हुआ था। ईशा गुप्ता ने अपने इंस्टाग्राम पर टाइगर के साथ वीडियो शेयर किया है। वीडियो में दोनों विसल बजा 2.0 पर डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। ईशा ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, ये हीरोपंती 2 के लिए। गौरतलब है कि फिल्म हीरोपंती 2 में टाइगर श्रॉफ बबलू के मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ तारा सुतारिया और नवाजउद्दीन सिद्दिकी की भी अहम भूमिका है।

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की फिल्म ब्रह्मास्त्र के ट्रेलर को लेकर आया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की फिल्म ब्रह्मास्त्र का फैंस काफी समय से इंतजार कर रहे हैं। इसी महीने दोनों शादी के बंधन में बंधे हैं और उससे पहले मार्च में दोनों ने फिल्म की शूटिंग खत्म की है। शादी से कुछ दिन पहले दोनों का फिल्म से केसरिया गाने का टीजर रिलीज हुआ था। टीजर को ही इतना जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था कि सब फैंस इस गाने के पूरे वीडियो का इंतजार कर रहे हैं। फैंस डिमांड कर रहे हैं कि इस पूरे गाने को रिलीज किया जाए। इस बारे में प्रीतम ने बताया है। प्रीतम ने साथ ही फिल्म के ट्रेलर को लेकर भी अपडेट दिया है ।प्रीतम ने इंस्टाग्राम पर लिखा, हम बहुत खुश हैं कि हमारे गाने केसरिया को इतना ज्यादा प्यार मिला है। मुझे कई मैसेज आ रहे हैं कि पूरे गाने को रिलीज किया जाए और हमने इस बारे में डिस्कस भी किया है। लेकिन इससे पहले हमारा प्लान है कि हम आपको ब्रह्मास्त्र की दुनिया को दिखाएं। तो फिलहाल हम ट्रेलर पर ही फोकस कर रहे हैं। इसके बाद फिल्म की रिलीज से कुछ समय पहले गाने को रिलीज किया जाएगा। तो प्लीज थोड़ा इंतजार कीजिए और आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद। बता दें कि अयान मुखर्जी द्वारा डायरेक्टेड फिल्म ब्रह्मास्त्र 3 पार्ट में बनी है। पहला पार्ट इसी साल सितंबर 9 को रिलीज होगा। फिल्म में आलिया भट्ट, रणबीर कपूर के अलावा अमिताभ बच्चन, नागुर्जन, डिंपल कपाड़िया और मौनी रॉय भी अहम किरदार में नजर आएंगे।

सलमान खान की 'कभी ईद कभी दिवाली' में हुई आयुष शर्मा की एंट्री, जानें क्या होगा किरदार

मुंबई। बॉलीवुड के दबंग अभिनेता सलमान खान की फिल्मों का फैन्स को बेसब्री से इंतजार रहता है। फैन्स सलमान और उनकी फिल्मों से जुड़े हर अपडेट जानने के लिए एक्साइटिड रहते हैं। ऐसे में अब सलमान की अपकमिंग फिल्म कभी ईद कभी दिवाली की कास्ट को लेकर एक बड़ा अपडेट आया है। सलमान खान की इस फिल्म में अब अभिनेता आयुष शर्मा की भी एंट्री हो गई है। यानि एक बार फिर सलमान खान के साथ आयुष शर्मा बड़े पर्दे पर नजर आएंगे।

फिर सलमान संग नजर आएंगे आयुष

आयुष शर्मा, सलमान के साथ कभी ईद कभी दिवाली में दिखेंगे। निर्माताओं ने बुधवार को यह जानकारी दी। बता दें कि आयुष शर्मा सलमान की बहन अर्पिता खान के पति हैं। उन्होंने पहले अंतिम द फाइनल ट्रूथ में सलमान के साथ काम किया था। यह फिल्म 2021 में रिलीज हुई थी। आगामी फिल्म के निर्माता सलमान खान हैं और यह एक पारिवारिक ड्रामा है जिसके निर्देशक फरहाद समजी होंगे। उन्होंने हाऊसफुल4 का भी निर्देशन किया था।

सलमान संग फिर काम करने को उत्सुक आयुष

जानकारी के मुताबिक आयुष शर्मा पर्दे पर मुख्य किरदार यानी सलमान के भाई की भूमिका निभाएंगे। आयुष शर्माने एक बयान में कहा, मैं इस फिल्म में अपने सिनेमाई कौशल के साथ प्रयोग करने को लेकर उत्सुक हूं। रोमांटिक ड्रामा से लेकर एक्शन फिल्म तक में मैंने काम किया है और अब एक पारिवारिक ड्रामा कर रहा हूं। मैं कभी भी अपने रचनात्मक आकर्षण को एक शैली में सीमित नहीं करना चाहता था और मेरा रचनात्मक कौशल हमेशा बहुमुखी और विविधता का प्रतिबिंब रहा है।

अजय देवगन को सुदीप किच्चा का जवाब- आपने हिंदी लिखी मैं समझ गया, मैं कन्नड़ लिखता तो समझ पाते?

मुंबई। अजय देवगन और सुदीप किच्चा के बीच ट्विटर पर जमकर ट्वीटबाजी हुई। बात सुदीप किच्चा के एक बयान को लेकर शुरू हुई थी। इसमें उन्होंने कहा था कि हिंदी राष्ट्रीय भाषा नहीं रह गई। अजय देवगन ने सुदीप के इस बयान पर उन्हें ट्विटर पर घेरा था। इस पर सुदीप ने जवाब दिया था कि वह कोई बहस शुरू नहीं करना चाहते थे बल्कि उनके बयान को गलत तरीके से लिया गया। इसके बाद से दोनों ऐक्टर्स के ट्वीट पर ट्वीट चले। अजय ने सुदीप को हिंदी में ट्वीट किया था। इस पर सुदीप ने जवाब भी दिया है कि क्या होता अगर वह कन्नड़ में ट्वीट करते। यहां जानें किसने क्या कहा।

सुदीप पर भड़के थे अजय देवगन

अजय देवगन ने लिखा था, सुदीप किच्चा मेरे भाई... आपके अनुसार अगर हिंदी हमारी राष्ट्रीय भाषा नहीं है तो आप अपनी मातृभाषा की फिल्मों को हिंदी में डब करके क्यूं रिलीज़ करते हैं? हिंदी हमारी मातृभाषा और राष्ट्रीय भाषा थी, है और हमेशा रहेगी। जन गण मन।

सुदीप ने दिया था ये जवाब

सुदीप ने लिखा था, हेलो अजय देवगन सर...जिस प्रसंग में मैंने वो बात कही थी शायद आप तक बिलकुल अलग तरह से पहुंची है। जब आपसे पर्सनली मिलूंगा तब बताऊंगा कि वो स्टेटमेंट क्यों दिया था। यह हर्ट करने, उकसाने या कोई बहस शुरू करने के लिए नहीं था। मैं ऐसा क्यों करूंगा सर? सुदीप आगे लिखते हैं, मैं देश की हर भाषा से प्यार और उसका सम्मान करता हूं। मैं चाहता हूं कि यह टॉपिक यहीं खत्म हो जाए...क्योंकि वह लाइन मैंने एकदम अलग कॉन्टेक्स्ट में कही थी। आपको हमेशा बहुत प्यार और शुभकामनाएं, उम्मीद करता हूं जल्द मिलेंगे।

क्या होता जो कन्नड़ में जवाब देता

सुदीप ने एक और ट्वीट में लिखा था, अजय देवगन सर आपने जो टेक्स्ट हिंदी में भेजा वो मैं समझ गया। ऐसा सिर्फ इसलिए क्योंकि हम सबने हिंदी का सम्मान किया, प्यार दिया और इसे सीखा। बुरा मत मानिएगा सर लेकिन सोच रहा हूं कि क्या होता अगर मैंने कन्नड़ में जवाब दिया होता। क्या हम भी भारत के नहीं हैं सर?

अजय देवगन ने बोला थैंक्स

अजय देवगन ने लेटेस्ट ट्वीट में लिखा है, हाय सुदीप किच्चा, तुम दोस्त हो। गलतफहमी दूर करने के लिए शुक्रिया। मैंने फिल्म इंडस्ट्री को हमेशा एक समझा। हम सबकी भाषा का सम्मान करते हैं और सबसे उम्मीद करते हैं कि हमारी भाषा का सम्मान करें। शायद समझने में कुछ रह गया।

ये बोले थे सुदीप किच्चा

सुदीप का एक इवेंट का वीडियो वायरल हुआ था जिसमें उन्होंने कहा था कि साउथ नहीं बल्कि बॉलीवुड अब पैन इंडिया फिल्में बना रहा है। हिंदी अब राष्ट्रभाषा नहीं रही। बॉलीवुड वाले तेलुगु और तमिल फिल्में डब कर रहे हैं फिर भी सफल नहीं हो रहे।

एडवेंचर्स प्लेसेस पर घूमना लगता है अच्छा तो शादी से पहले एक बार इन जगहों पर जरूर जाएं

भारत एक टूरिस्ट फ्रेंडली देश है। यहां अंतरराष्ट्रीय से लेकर घरेलू पर्यटकों के देखने व घूमने के लिए काफी कुछ है। फिर भले ही आप प्रकृति प्रेमी हों या कुछ वक्त शांत माहौल में खुद के साथ बिताना चाहते हैं। आपको बीचेस पर घूमना पसंद हो या फिर कुछ रोमांचक करना, भारत में आपको हर तरह की एक्टिविटी करने का मौका मिलेगा। आज इस लेख में हम आपको भारत की कुछ एडवेंचर्स जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप भरपूर मौज-मस्ती करके एक नया एक्सपीरियंस ले सकते हैं। तो चलिए जानते हैं भारत की कुछ एडवेंचर्स प्लेसेस के बारे में-

ऋषिकेश

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। आप गंगा नदी में राफ्टिंग, रॉक एंड क्लिफ चढ़ाई जैसी गतिविधियां कर सकते हैं, पास के जंगल में एक सर्वाइवल कैंप में भाग ले सकते हैं या बंजी जंपिंग भी कर सकते हैं।

लद्दाख

लद्दाख को कई मठों की भूमि के रूप में जाना जाता है। यह शहर भारत में सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित है। यहां के आसपास की भूमि की स्थलाकृति, ट्रेकिंग और राफ्टिंग के लिए एक आदर्श स्थान है। लद्दाख की प्रसिद्ध चदर ट्रेक, जो एक जमी हुई नदी पर एक ट्रेक है, यहाँ होता है। इसके अलावा, आप खूबसूरत ज़ांस्कर घाटी में राफ्टिंग कर सकते हैं।

गुलमर्ग

गुलमर्ग जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित है। यहां पर आने के बाद आपको स्विट्जरलैंड के एक विशिष्ट गांव की याद जरूर आएगी। पूरा शहर एक उच्च ऊँचाई पर स्थित है और भारी बर्फबारी का सामना करता है। यहां प्राप्त बर्फबारी होने के कारण, हेलि-स्कीइंग यहां का एक लोकप्रिय रोमांचक खेल है। हेलि-स्कीइंग में स्की पर हेलीकॉप्टर से कूदना और कठोर ठंडी हवाओं का सामना करना शामिल है।

मनाली

मनाली उत्तरी राज्य हिमाचल प्रदेश में स्थित एक टाउनशिप है और एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है। मनाली में आपको कई एडवेंचर्स एक्टिविटी जैसे पार्वती घाटी में ट्रैकिंग आदि करने का मौका मिलेगा। हालांकि, यहां सबसे प्रसिद्ध रोमांचक गतिविधियों में से एक बाइकिंग करना है। मार्ग आपको मनाली में स्थित विभिन्न गाँवों और इसके आसपास के इलाकों में ले जाएंगे। इस दौरान आपको कुछ सुंदर परिदृश्यों से गुज़रना होगा और वास्तव में आप इस जगह का अनुभव कर सकते हैं।

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

पुदुचेरी में यह जगह करवाएंगी आपको एक अलग अनुभव

तमिलनाडु राज्य का पुदुचेरी शहर कई मायनों में देश के अन्य शहरों से काफी अलग है। दरअसल, तमिलनाडु के पुदुचेरी में करीबन 300 साल तक फ्रांसीसी अधिकार रहा, जिसका व्यापक प्रभाव इस शहर पर पड़ा। आज भी पुदुचेरी में आपको फ्रांसीसी वास्तुशिल्प और संस्कृति की छटा दिखेगी। इतना ही नहीं, यहां का प्राकृतिक सौंदर्य तो अनुपम है ही, साथ ही इसका अपना एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। घुमक्कड़ी के शौकीन लोगों को एक बार इस शहर का भी दौरा करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुदुचेरी में घूमने लायक कुछ अच्छी जगहों के बारे में बता रहे हैं-

गिंगी किला

पुदुचेरी में घूमने के लिए गिंगी किला सबसे अच्छे स्थानों में से एक है। किले को 1921 में एक राष्ट्रीय स्मारक के रूप में घोषित किया गया है। एक अद्वितीय वास्तुशिल्प उपलब्धि होने के अलावा यह राज्य के कुछ महत्वपूर्ण किलों में से एक है। इतिहास और वास्तुकला प्रेमियों को पुदुचेरी में छुट्टियों में इस जगह पर एक बार जरूर जाना चाहिए।

श्री गोकिलम्बल थिरुक्मेश्वर मंदिर

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, मंदिर में एक विशाल 15 मीटर लंबा मंदिर रथ है जो आम तौर पर ब्रह्मोत्सवम के दौरान एक जुलूस पर निकाला जाता है, जो मूल रूप से पुदुचेरी का वार्षिक उत्सव है। यह 2 दिनों में पुदुचेरी में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

जवाहर टॉय म्यूजियम

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, जवाहर टॉय म्यूजियम एक डॉल हाउस है, जिसमें विभिन्न भारतीय राज्यों से लाए गए 140 से अधिक डॉल हैं। जवाहर टॉय म्यूजियम मुख्य शहर में, पुराने प्रकाश स्तंभ पर स्थित है, जो गांधी मैदान के पास है। इस संग्रहालय में कुछ दुर्लभ सजावटी गुड़िया और खिलौने हैं। यह केवल बच्चों और स्कूल के छात्रों को ही नहीं, बल्कि हर आंगतुक को एक आनंदमय अनुभव प्रदान करते हैं।

चुन्नमबार बोट हाउस

पुदुचेरी के प्राचीन बैकवाटर पर नाव की सवारी करके आप यकीनन खुद को प्रकृति के करीब पाएंगे। चुन्नमबार बोट हाउस प्रकृति प्रेमियों के लिए यकीनन एक बेहतरीन जगह है, जहां पर आप न केवल नाव की सवारी कर सकते हैं, बल्कि आश्चर्यजनक प्राकृतिक स्थानों का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

सीता कल्चरल सेंटर

पुदुचेरी में सीता कल्चरल सेंटर एक बहुत प्रसिद्ध फ्रेंको-भारतीय सांस्कृतिक केंद्र है और पुदुचेरी में घूमने के लिए कई स्थानों में से एक है। कैंडप्पा मुदलियार स्ट्रीट पर स्थित, यह पुदुचेरी के सबसे बेहतरीन पर्यटक आकर्षणों में से एक है। यहां पर इंडियन कुकिंग, कोलम लर्निंग, आयुर्वेदिक मेडिसिन, योगा, पिलेट्स, और तमिल भाषा से, विभिन्न दिलचस्प मल्टीपल और सिंगल सेशन क्लास हैं।

CMYK CMYK CMYK CMYK